

शीतली बयरिया...' विदेशों में खूब गूंजता है पलक मुच्छल का यह छठ गीत, गाने के बोल में खुद सिंगर का नाम है शामिल

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 18

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 317 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर रविवार 15 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 6 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 812 ● मूल्य 4 रूपया

आईएएफ विंग कमांडर ने मांगे थे महिला जासूस से न्यूड फोटो

● बदले में फाइटर जेट की लोकेशन भेजी, चार्जशीट में खुलासा ● ऑफिस में प्रतिबंध के बावजूद फोन ले जाते समय पकड़ा गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर ने न्यूड तस्वीरों के लालच में देश की सुरक्षा से जुड़े गोपनीय राज पाकिस्तान को सौंप दिए। 5 महीने पहले गिरफ्तार इस अफसर की करतूतों का अब कोर्ट में दायर चार्जशीट से खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक विंग कमांडर ने पाकिस्तानी महिला जासूस को लेह में लड़ाकू विमानों की तैनाती, राजस्थान में सैन्य अभ्यास और ड्रोन यूनिट की क्षमताओं से जुड़ी जानकारी तक दे दी। युद्ध के समय सेना कहां तैनात हो सकती है, इससे जुड़े दस्तावेज के पन्ने भी भेजे। उसने कहा था कि हर न्यूड फोटो के बदले



वह वॉर प्लान का एक नया पेज देगा। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी है। आरोपी विंग कमांडर मनोरथ सिंह सभरवाल को अगस्त 2026 में गिरफ्तार किया गया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 5 दिसंबर को अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

ड्रोन यूनिट की ताकत और तकनीक बताई- पुलिस के मुताबिक, अधिकारी ने ड्रोन यूनिट में कितने लोग हैं, वह कैसे काम करती है और उसकी क्या क्षमताएं हैं, इसकी जानकारी दी। ड्रोन के परीक्षण, कितनी देर तक उड़ सकते हैं और निशाना कैसे तय करते हैं, इसका ब्योरा भी साझा करने का आरोप है। मामला मई 2026 में सामने आया था। वायुसेना अधिकारियों की शिकायत के बाद विंग कमांडर को गिरफ्तार किया गया था।

गुजरात की सिम से चलाती थी वॉट्सएप

पुलिस ने दोनों की वॉट्सएप चैट खंगाली। इसमें 3008 मैसेज, 65 फोटो, 65 रिएक्शन, 42 कॉल, 4 वीडियो कॉल और 6 लिंक मिलने की बात सामने आई है। यह खुलासा दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस एजेंसी ने पटियाला हाउस कोर्ट में दाखिल चार्जशीट में हुआ है। वह अधिकारी 12 जनवरी से 1 अप्रैल के बीच संदिग्ध पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में था। इस एजेंट ने सोशल मीडिया पर सेना के अधिकारी को हनीट्रैप में फंसाया था। आरोपी तब पकड़ में आया जब उसे सिक्योरिटी ने रोका।

भारत ने पाकिस्तान के मुंह से छीना हारा हुआ मैच

● मोहित ने आखिरी बॉल पर चौके से दिलाई यह जीत



अल अमीरात (एजेंसी)। भारत ने पाकिस्तान को अंडर-19 एशिया कप फाइनल में 1 विकेट से हरा दिया। शनिवार को अल अमीरात में भारत ने 9वीं बार यह टूर्नामेंट में जीता। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी कर रहे पाकिस्तान ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रन बनाए। उस्मान खान ने 107 रन बनाए। उन्होंने 11 चौके और 3 सिक्स लगाए। अब्दुल कादिर ने 80 रन की पारी खेली। भारत से काव्य पटेल ने 4 और सी. वेंकट ने 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम ने 49.6 ओवर में 9 विकेट पर 339 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी ने 80 रन की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके लगाए। आर्यवीर सहवाग ने 58 रन बनाए।

संक्षिप्त समाचार

ओवैसी-चंद्रशेखर की जोड़ी से सपा के गढ़ में हड़कंप

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के मुखिया चंद्रशेखर आजाद के गठबंधन ने सुल्तानपुर की सियासत में भूचाल ला दिया है। यहां दलित-मुस्लिम समीकरण पर खड़ा यह नया गठबंधन सीधे समाजवादी पार्टी के कोर वोट बैंक पर चोट कर रहा है। इसका सबसे बड़ा नुकसान सपा को इसौली और सुल्तानपुर सदर



सीट पर उठाना पड़ सकता है, जिन्हें पार्टी अपना सबसे मजबूत गढ़ मानती है। इसौली को सपा का अजेय किला कहा जाता है। 2012 से यहां लगातार सपा जीत रही है। 2012 और 2017 में स्वर्गीय अबरार अहमद विधायक बने, 2022 में पूर्व सांसद ताहिर खान ने जीत दर्ज की लेकिन 2022 का आंकड़ा सपा के लिए खतरे की घंटी है। ताहिर खान को 69,629 वोट मिले थे, जबकि भाजपा के ओमप्रकाश पांडेय बजरंगी को 69,360 वोट मिले थे। जीत का अंतर सिर्फ 269 वोट था। उसी चुनाव में एआईएमआईएम के मजहर हुसैन अकेले 3,308 वोट ले गए थे। अब अगर एआईएमआईएम और आजाद समाज पार्टी एक साथ पूरी ताकत से लड़ीं, तो इसौली का किला ढह भी सकता है। ऐसा ही हाल सुल्तानपुर सदर सीट का है। 2022 में यहां सपा सिर्फ 1,009 वोट से हारी थी।

बांग्लादेश की सेना ले जाए,केस लड़ने का अधिकार मिले

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीते दो साल से भारत में शरण ली हुई है। वहीं अब शेख हसीना खुद भी वापस जाना चाहती हैं और भारत सरकार भी उन्हें वापस उनके देश भेजने पर विचार कर रही है। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार शेख हसीना को वापस तो भेजना चाहती है, लेकिन सरकार ने बांग्लादेश की तारिक रहमान की सरकार के



सामने दो शर्तें रखी हैं। अगर बांग्लादेश इन शर्तों को मान लेता है तो शेख हसीना को जल्द ही उनके देश भेजा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार चाहती है कि बांग्लादेश की सरकार शेख हसीना को वापस लाने के लिए एक सैन्य विमान भेजे, क्योंकि वे 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेशी सैन्य विमान से ही भारत आई थीं। भारत ने इस सैन्य विमान की डिमांड के साथ ही बांग्लादेश सरकार के सामने दो शर्तें रखी हैं। पहली शर्त यह है कि बांग्लादेश सेना को अपनी सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहीं नेता, हसीना को वापस लाने की जिम्मेदारी लेनी होगी और इसके लिए एक सैन्य विमान का इस्तेमाल करना होगा। दूसरी शर्त यह है कि बांग्लादेश को यह गारंटी देनी होगी कि हसीना को अपनी मौत की सजा के खिलाफ अपील करने का मौका मिलेगा और जुलाई 2024 की हत्याओं से जुड़े आरोपों पर उनका फिर से मुकदमा (ट्रायल) चलेगा।

रेस्ट जोन से दुर्घटना बीमा तक राहुल के बड़े ऐलान

बोले-गिग वर्कर्स को बंधुआ मजदूर बनाना चाहती है भाजपा

हैदराबाद (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को हैदराबाद में गिग वर्कर्स की बाइक रैली में शामिल हुए। इस दौरान वह एक गिग वर्कर की स्कूटी पर पीछे बैठकर रैली में पहुंचे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी बाइक रैली में शामिल हुए। हैदराबाद में आयोजित यह बाइक रैली शिल्पकला वेदिका से शुरू हुई। राहुल गांधी ने नोवोटेल के पास गिग वर्कर्स को संबोधित किया। वह भारत समिट 2026 में शामिल होने के लिए शुक्रवार रात हैदराबाद पहुंचे थे और नोवोटेल होटल में ठहरे हुए



थे। हैदराबाद पहुंचने पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, अन्य मंत्रियों और कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया। रैली में शामिल होने के लिए रवाना होने से पहले नोवोटेल होटल के बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। हाई-प्रोफाइल सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत डॉग स्क्वॉड ने पूरे इलाके की जांच की। इसके साथ ही वाहनों की आवाजाही पर भी कड़ी नजर रखी गई। **गिग वर्कर्स के लिए योजनाओं का राहुल गांधी ने किया शुभारंभ-** हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित जयभेरी ग्राउंड में राहुल गांधी ने तेलंगाना गिग वर्कर्स सोशल सिक्योरिटी एंड वेलफेयर स्कीम का शुभारंभ किया। इस मौके पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क भी मौजूद रहे। इस योजना का उद्देश्य गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उनके भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाना है। तेलंगाना गिग वर्कर्स वेलफेयर स्कीम के शुभारंभ के मौके पर राहुल गांधी मौजूद रहे।

'यूरिया' के अत्यधिक इस्तेमाल ने बढ़ाई टेंशन

● देश के 169 जिलों में 'खेला', बाहर भेजे जाने की आशंका
● कहीं देश से बाहर तो नहीं हो रहा डायवर्जन! तेज हुई जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 169 जिलों में यूरिया के अत्यधिक इस्तेमाल को लेकर चर्चा तेज हो गई है। ऐसे में कैग ने फर्टिलाइजर सब्सिडी का अखिल भारतीय परफॉरमेंस ऑडिट शुरू किया है। इसका मुख्य उद्देश्य कम से कम 169 जिलों में सब्सिडी वाले यूरिया के कथित 'डायवर्जन' (यानी तय जगह के बजाय कहीं और भेजे जाने) की जांच करना है।

इसमें फर्टिलाइजर को देश के बाहर भेजे जाने की आशंका भी शामिल है। इस साल मई में शुरू हुआ यह ऑडिट 2027 के मध्य तक पूरा होने की उम्मीद है, जिसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। सरकार सब्सिडी वाले यूरिया पर सालाना 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च करती है। कुछ जिलों में यूरिया की खपत राष्ट्रीय और राज्य के औसत से कहीं ज्यादा है, जिसने सरकार की चिंता बढ़ा



दी है। कैग यूरिया सब्सिडी ढांचे की मांग और कार्यकुशलता का आंकलन करेगा; यही इस ऑडिट के दायरे में भी शामिल है। जिन 169 जिलों में कथित डायवर्जन की जांच होनी है, उनमें से 149 को कैग ने शुरुआत में ही उनके खपत पैटर्न के आधार पर चुना था, जो राज्य और राष्ट्रीय औसत से अधिक था।

बाद में, केंद्र सरकार की सिफारिश पर 20 और जिलों को इसमें जोड़ा गया, ताकि उनके खपत पैटर्न की भी जांच की जा सके। यह ऑडिट फर्टिलाइजर की आवाजाही, परिवहन व्यवस्था, माल ढुलाई सब्सिडी और इससे जुड़ी निगरानी और नियंत्रण प्रणाली की पड़ताल करेगा। इस व्यापक ऑडिट में विभिन्न सरकारी विभागों, जैसे एनपीए नेटवर्क, कृषि मंत्रालय, रेलवे आदि का सहयोग लिया जाएगा। ये विभाग फर्टिलाइजर नियंत्रण प्रणाली और नियामकों की कार्यकुशलता के आंकलन में ऑडिटरों की मदद करेंगे।

'ई-वे बिल' के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका

हाल ही में वित्त मंत्रालय ने 'ई-वे बिल' के आधार पर यूरिया के डायवर्जन की आशंका जताई थी, क्योंकि यह पाया गया कि ट्रक तय रास्ते के बजाय दूसरे रास्तों से जा रहे थे या कई जगहों पर रुक रहे थे। एक संसदीय समिति ने भी यूरिया के डायवर्जन, खासकर सीमावर्ती जिलों में, को लेकर चिंता जताई थी। अधिकारियों ने बताया कि यूपी, राजस्थान, पंजाब और बिहार के सीमावर्ती जिलों से सब्सिडी वाले यूरिया को दूसरी जगहों पर भेजे जाने (डायवर्जन) की खबरों ने इस बात पर भी संदेह पैदा कर दिया है कि कहीं इसे देश के बाहर तस्करी करके तो नहीं भेजा जा रहा है। यूरिया की अत्यधिक खपत के लिए जिन जिलों की जांच की जा रही है, उनमें सबसे ज्यादा 37 जिले यूपी में हैं। इसके बाद बिहार और तमिलनाडु में 16-16 जिले, और पंजाब तथा गुजरात में 14-14 जिले शामिल हैं। बाद में जांच के दायरे में लाए गए 20 जिले कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से हैं। भारत में यूरिया की कुल खपत सालाना लगभग 400 लाख मीट्रिक टन होने का अनुमान है। इसमें से 100 एनपीए से अधिक का आयात किया जाता है। घरेलू उत्पादन के लिए भी बड़ी मात्रा में आयातित एनपीए की जरूरत होती है, क्योंकि यूरिया बनाने की कुल लागत में 90 फीसदी हिस्सा इसी ईंधन का होता है। एक अधिकारी ने बताया कि सब्सिडी वाले यूरिया की अत्यधिक खपत से सरकारी खजाने पर सब्सिडी का बोझ बढ़ता है।

एमपी के खरगोन में 25 दिन में आया दूसरा भूकंप

● तीव्रता 4.5, 3 से 4 सेकंड तक हिली धरती

खरगोन (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में 25 दिन के भीतर दूसरी बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। शनिवार सुबह 9.15 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 दर्ज की गई। करीब 3-4 सेकंड तक जमीन में कंपन हुआ। भूकंप का केंद्र मध्यप्रदेश



और महाराष्ट्र की सीमा से लगे सतपुड़ा क्षेत्र में बताया गया है। यह खरगोन जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर और जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले 18 अक्टूबर को दोपहर 12.14 बजे 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था। उस समय भी भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में था। शनिवार को आए झटकों का असर खरगोन, सेंधवा, खंडवा, बुरहानपुर और भीकनगांव के सीमावर्ती इलाकों में महसूस किया गया। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के मुताबिक, खरगोन में भूकंप के बाद सुबह 10.29 बजे लेह-लद्दाख क्षेत्र में भी भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 दर्ज की गई।

गोधरा कांड दुर्घटना नहीं सोची-समझी साजिश थी

सीबीआई के पूर्व डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीबीआई स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना ने 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड को लेकर दावा किया कि साबरमती एक्सप्रेस के कोच एस-6 में आग दुर्घटना नहीं, बल्कि साजिश थी। अस्थाना ने कहा- सुप्रीम कोर्ट की बनाई एसआईटी और नानावती आयोग की रिपोर्ट में भी आग को जानबूझकर लगाना बताया था। साथ ही गुजरात पुलिस की जांच को सही पाया था। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव उन्हें इस केस में फंसाना चाहते थे। 27 फरवरी 2002 को 59 लोगों की मौत हुई थी।



सोनिया गांधी की किताब में गोधरा कांड का जिक्र

सोनिया गांधी ने अपनी किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव में पेज 401 से 403 के बीच गोधरा कांड और दंगों के बारे में लिखा है। उन्होंने लिखा- दंगे तब भड़के, जब साबरमती एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लगा दी गई। इसके चलते 59 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। ट्रेन अयोध्या से अहमदाबाद जा रही थी, जिसमें कारसेवक बैठे थे। आग लगने का कारण अभी भी विवादित विषय है। इसके चलते राज्य के हिस्सों में उथल-पुथल मच गई। गुजरात पुलिस और एसआईटी की जांच के बाद 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीबीआई डायरेक्टर आरके राघवन के नेतृत्व में एक नई एसआईटी बनाई।

खालिस्तान की आग भड़काने की तैयारी में आईएसआई

● पंजाब चुनाव पर रख रहा बारीक नजर, साजिश का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ सिख प्रवासियों और कश्मीर से जुड़े दबाव समूहों को सक्रिय अपने लोगों पर भारी निवेश करना शुरू कर दिया है। अगले एक साल में पाकिस्तान का मुख्य फोकस



एकजुट करने के लिए एक साल की योजना तैयार की है। विदेशों में मौजूद अपने संपर्कों के जरिए पाकिस्तान की इस कवायद पर भारतीय एजेंसियों की नजर है। इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने दुष्प्रचार को बड़े स्तर पर ले जाना चाहता है। इसके लिए उसने विदेशों में अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में रहने वाले सिखों को पाकिस्तान बुलाने पर होगा। इसके अलावा, विदेशों में सक्रिय अपने दबाव समूहों के सदस्यों को भी पाकिस्तान बुलाने की तैयारी की जा रही है, ताकि भारत विरोधी दुष्प्रचार को तेज करने के लिए बैठकें की जाएं।

कानूनी तरीके से पाकिस्तान लाने की तैयारी

इंटेलीजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद एक ऐसा रोडमैप तैयार कर रहा है, जिसके जरिए इन लोगों को पाकिस्तान लाया जा सके। ये दौरे गुप्त नहीं होंगे, बल्कि इन लोगों को कानूनी तरीकों से पाकिस्तान लाया जाएगा। यहां तक कि आयोजित होने वाले कार्यक्रमों और बैठकों का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। अधिकारी के अनुसार, इससे इन आयोजनों को एक तरह की 'वैधता' मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से कोई सवाल भी नहीं उठाया जाएगा। फिलहाल पाकिस्तान का मुख्य ध्यान उन दबाव समूहों के सदस्यों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं।

मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दों को उछालने की तैयारी

इन आयोजनों के दौरान कश्मीर और पंजाब से जुड़े कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे उठाए जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान का मुख्य मकसद अपने एजेंडे का प्रचार करना और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग को आगे बढ़ाना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब पाकिस्तान सिख समुदाय को अपने पक्ष में करने की पुरजोर कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान का पूरा ध्यान विदेशों में रहने वाले सिखों पर है, क्योंकि भारत ने करतारपुर कॉरिडोर को फिलहाल निलंबित कर रखा है, जिससे भारतीय तीर्थयात्री सीमा पार नहीं जा पा रहे हैं। इसी वजह से पाकिस्तान अब विदेशों में रहने वाले उन सिखों से संपर्क कर रहा है, जो कॉरिडोर खुला होने की स्थिति में भारत आ जा सकते हैं।

यूपी वीरों की भूमि, यहां 20 लाख जवानों का परिवार

मेरठ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ छावनी आज कहा, मैं मानता हूं कि सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता। एक सैनिक की वर्दी बदलती है, लेकिन उनका राष्ट्रभक्ति का संकल्प कभी नहीं बदलता है। जब सेना से अवकाश ग्रहण करके वह गांव लौटकर आता है तो वह गांव के समाज के लिए एक मार्गदर्शक और प्रेरणा भी बनता है। सीएम योगी ने यह बात मेरठ छावनी में आयोजित पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह में कही। इस समारोह में हजारों पूर्व सैनिकों ने भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सैनिकों, वीरता पदक विजेताओं और शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए तीन बड़े फैसलों का ऐलान किया। पूर्व सैनिक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने वीरता पुरस्कारों की आर्थिक सहायता दोगुनी करने से लेकर शहीदों के आश्रितों को नौकरी देने तक कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।



अनमोल वचन

जो अपने देश की उन्नति करना चाहते हैं वे पहले अपनी उन्नति करें। जो व्यक्ति अपने कमाए श्रेष्ठ धन का दुरुपयोग करते हैं वे पाप करते हैं। जो अपव्ययी होते हैं वह अपनी उन्नति के लिए न कोई बड़ा काम कर सकते हैं न ही अपना सम्मान सुरक्षित कर पाते हैं, क्योंकि ऐसे व्यक्ति को निश्चय ही दूसरों के सामने हाथ पसारना पड़ेगा। संसार में कोई गरीब है तो कोई अमीर। अमीर वस्तुतः मितव्ययी और गरीब अपव्ययी का दूसरा नाम है। जो लोग बचाने के सिद्धांत पर काम करेंगे वे अवश्य एक दिन समृद्ध बन जाएंगे। जिन्हें फूंकने का चस्का लग गया वे निश्चय ही गरीब रहेंगे। कंजूस नहीं मितव्ययी बनो, जरूरी खर्चों में हाथ न खींचे। मितव्ययी व्यक्ति अपने वस्त्र के हिसाब से पैर पसारेगा अर्थात धन को सावधानीपूर्वक जहाँ आवश्यक है वहाँ समझदारी से खर्च करेगा। वह अपनी सीमित आय में ही अपना निर्वाह कर लेगा। उसे दूसरों के सामने हाथ पसारने की नौबत ही नहीं आएगी। एक रुपया बहुत ही छोटी राशि है, जो इसका दुरुपयोग करेगा वह पाँच रुपये, दस रुपये को भी गलत खर्च करेगा। यदि हम एक रुपया बचाने के लिए सतर्क रहेंगे तो सम्पन्नता दौड़ी हुई चली आएगी।

यूपी में 38 आईएएस अधिकारियों के तबादले: मुजफ्फरनगर समेत पांच जिलों को मिले नए जिलाधिकारी, सुनील कुमार सिंह होंगे मुजफ्फरनगर के नये डीएम

बिजनौर, सीतापुर, महराजगंज और सिद्धार्थनगर के डीएम के तबादले, गाजियाबाद और वाराणसी नगर निगमों के नगर आयुक्त भी बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच योगी सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल किया है। शासन ने 13 और 14 नवंबर की मध्यरात्रि को 38 आ-ईएएस अधिकारियों के तबादले करते हुए कई जिलों के जिलाधिकारियों, नगर आयुक्तों, मुख्य विकास अधिकारियों और विकास प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया है। इस प्रशासनिक फेरबदल में मुजफ्फरनगर, सीतापुर, बिजनौर, महराजगंज और सिद्धार्थनगर को नए जिलाधिकारी मिले हैं। वहीं, गाजियाबाद और वाराणसी नगर निगमों के नगर आयुक्त भी बदल दिए गए हैं। इस फेरबदल को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रशासनिक मशीनरी को नई जिम्मेदारियां सौंपने की महत्वपूर्ण कवायद के रूप में देखा जा रहा है। लखनऊ विकास प्राधिकरण से लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण तक कई महत्वपूर्ण पदों पर नई तैनातियां की गई हैं। मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी उमेश मिश्रा का तबादला शासन स्तर पर कर दिया गया है। उन्हें नगर विकास विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी जगह ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) के पद पर तैनात सुनील कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। जिले में नए डीएम की तैनाती को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुजफ्फरनगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रमुख जिला है, जहां कानून व्यवस्था, विकास परियोजनाओं, राजस्व मामलों, किसानों की समस्याओं और शहरी निकायों से जुड़े कार्यों की बड़ी जिम्मेदारी जिलाधिकारी के कंधों पर रहती है। वहीं, निवर्तमान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को शासन में नगर विकास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। जोगिंदर सिंह बने बिजनौर के डीएम, सीतापुर के नए डीएम प्रथमेश कुमार, अनुज सिंह को एलडीए की कमान

बिजनौर के जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में विशेष सचिव बनाया गया है। उनकी जगह विशेष सचिव नमामि गंगे के पद पर तैनात जोगिंदर सिंह को बिजनौर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार को सीतापुर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। सीतापुर के मौजूदा

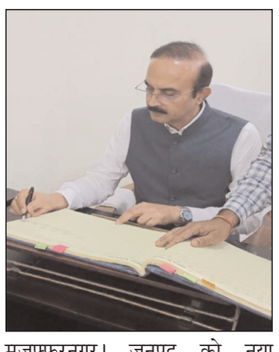


डीएम राजागणपति आर. को राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) का निदेशक बनाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष सचिव अनुज सिंह को लखनऊ विकास प्राधिकरण का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस बदलाव के साथ ही राजधानी लखनऊ के विकास प्राधिकरण में भी नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। महराजगंज और सिद्धार्थनगर जिलों में जिलाधिकारियों की अदला-बदली की गई है। महराजगंज के डीएम गौरव सिंह सोगरवाल को सिद्धार्थनगर भेजा गया है, जबकि सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को महराजगंज का नया डीएम बनाया गया है इस तरह पांच जिलों में जिलाधिकारियों की नई तैनाती की गई है। शहरी प्रशासन में भी बड़ा बदलाव किया गया है। वाराणसी के नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल को गाजियाबाद नगर निगम का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। वहीं, गोरखपुर के मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी को वाराणसी का नया नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। गाजियाबाद के नगर आयुक्त रहे विक्रमादित्य सिंह मलिक का भी तबादला किया गया है। उन्हें मेरठ मंडल में संभागीय खाद्य नियंत्रक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण में नई तैनातियां

औद्योगिक विकास और शहरी विस्तार से जुड़े प्राधिकरणों में भी अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) में संजय कुमार मीणा, कृष्ण कुमार सिंह और शत्रोहन वैश्य को अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) बनाया गया है। बरेली की अपर आयुक्त प्रीति जायसवाल को नोएडा प्राधिकरण में एसीईओ की जिम्मेदारी दी गई है। मेरठ की मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल और बीडा के एसीईओ प्रवीण वर्मा को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में एसीईओ बनाया गया है। इन नियुक्तियों को औद्योगिक विकास प्राधिकरणों में प्रशासनिक कार्यों को गति देने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। तबादला सूची में सात जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों की तैनाती भी बदली गई है। गोरखपुर में अभिषेक कुमार, अयोध्या में राजेश कुमार, मेरठ में संदीप कुमार, फतेहपुर में पूनम निगम, श्रावस्ती में शिशिर कुमार सिंह, अलीगढ़ में शैलेंद्र कुमार सिंह और फिरोजाबाद में योगेंद्र कुमार को मुख्य विकास अधिकारी नियुक्त किया गया है। अलीगढ़ में तैनात शैलेंद्र कुमार सिंह को संभागीय खाद्य नियंत्रक का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। शासन स्तर पर डॉ. नितिन मदान को उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) का संयुक्त प्रबंध निदेशक बनाया गया है। सुनील कुमार चौधरी को अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त, राजस्व परिषद की जिम्मेदारी दी गई है। शाहिद अहमद को प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में अपर निदेशक बनाया गया है, जबकि श्रीलक्ष्मी वीएस को विशेष सचिव महिला कल्याण नियुक्त किया गया है। विशेष सचिव समन्वय पीयूष पांडेय को मंडी परिषद के अपर निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मंडलीय स्तर पर वंदना त्रिपाठी को अपर आयुक्त सहारनपुर, मनोज कुमार प्रथम को अपर आयुक्त वाराणसी, अतुल कुमार को अपर आयुक्त बरेली, प्रतिभा सिंह को अपर आयुक्त कानपुर और मंजूलता को अपर नगर आयुक्त मु-रादाबाद बनाया गया है।

शासन ने दो वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यभार में भी कटौती की है। विशेष सचिव नगर विकास महेंद्र बहादुर सिंह से निदेशक सूडा और संयुक्त प्रबंध निदेशक जल निगम (नगरीय) का अतिरिक्त प्रभार वापस ले लिया गया है। वहीं, अपर स्थानिक आयुक्त सौम्य श्रीवास्तव को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के पदभार से मुक्त कर दिया गया है।

मुजफ्फरनगर के नवागत जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने संभाली जिले की कमान



मुजफ्फरनगर। जनपद को नया जिलाधिकारी मिल गया है। नवागत जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह ने मुजफ्फरनगर पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। उनके कार्यभार संभालने के साथ ही जिले में प्रशासनिक नेतृत्व की जिम्मेदारी अब उनके हाथों में आ गई है।

नवागत जिलाधिकारी सुनील कुमार सिंह के लिए मुजफ्फरनगर नया जिला नहीं है। इससे पहले भी वह यहां प्रशासनिक जिम्मेदारी निभा चुके हैं। वह मुजफ्फरनगर में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के पद पर तैनात रहे हैं। कुछ समय तक उनके पास अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) का अतिरिक्त प्रभार भी रहा था। इस दौरान उन्हें जिले की प्रशासनिक व्यवस्था, राजस्व संबंधी मामलों और स्थानीय परिस्थितियों को करीब से समझने का अवसर मिला था। मुजफ्फरनगर में जिलाधिकारी बनाए जाने से पहले सुनील कुमार सिंह नोएडा विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर तैनात थे। वह वर्ष 2016 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। उन्हें प्रशासनिक कार्यों का अच्छा अनुभव है। शासन ने उन्हें अब मुजफ्फरनगर जैसे महत्वपूर्ण जनपद की जिम्मेदारी सौंपी है। उमेश मिश्रा का हुआ तबादला

गौरतलब है कि शासन स्तर पर किए गए बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत जिले के पूर्व जिलाधिकारी उमेश मिश्रा का तबादला नगर विकास विभाग में विशेष सचिव के पद पर किया गया है। उनके स्थान पर सुनील कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रदेश में हुए इस प्रशासनिक फेरबदल में कुल 38 आ-ईएएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं और पांच जिलों में नए जिलाधिकारियों की तैनाती की गई है।

जिलाधिकारी के रूप में सुनील कुमार सिंह के सामने अब जिले की प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ विकास योजनाओं को गति देने, जनशि-कायतों का समयबद्ध निस्तारण कराने, राजस्व मामलों के निपटारे और शासन की योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी। मुजफ्फरनगर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, किसानों की समस्याओं, शहरी विकास, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता और जनसुविधाओं से जुड़े विषय भी जिला प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में नवागत जिलाधिकारी के कार्यकाल में इन विषयों पर प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर लोगों की निगाहें रहेंगी। पहले से जिले की प्रशासनिक व्यवस्था का अनुभव रखने वाले सुनील कुमार सिंह की जिलाधिकारी के रूप में वापसी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुजफ्फरनगर में सम्राट हॉस्पिटल पर एमडीए का शिकंजा: बिना स्वीकृति चल रहा अस्पताल सील, सीलिंग से छेड़छाड़ होने पर कार्रवाई की चेतावनी

मंडलायुक्त की प्रेरणा और उपाध्यक्ष के निर्देश पर जोन-5 में पहुंची टीम, पहले स्वास्थ्य विभाग भी कर चुका है सील

मुजफ्फरनगर। शहर में अवैध निर्माण और बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में विकास प्राधिकरण के जोन-5 में स्थित सम्राट हॉस्पिटल को 13 नवंबर 2026 को सील कर दिया गया। प्राधिकरण के अनुसार, अस्पताल का संचालन बिना आवश्यक स्वीकृति प्राप्त किए किया जा रहा था। मंडलायुक्त सहारनपुर मंडल की प्रेरणा तथा एमडीए उपाध्यक्ष श्रीमती प्रणता ऐश्वर्या के आदेशों के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई। प्राधिकरण की टीम सहायक अभियंता और अवर अभियंता के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण के अन्य कर्मचारी तथा संबंधित थाने का पुलिस बल भी मौजूद रहा। टीम ने नियमानुसार अस्पताल प-रिसर को सील करने की कार्रवाई की। इस कार्रवाई के बाद शहर में अवैध रूप से संचालित भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लेकर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। सम्राट हॉस्पिटल पर यह पहली कार्रवाई नहीं है। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी अस्पताल को सील किया था। उस समय अस्पताल के खिलाफ का-र्रवाई और प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल के हस्तक्षेप को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब विकास प्राधिकरण ने अलग आधार पर कार्रवाई करते हुए



अस्पताल को सील किया है। एमडीए की कार्रवाई का आधार प्राधिकरण से आवश्यक स्वीकृति प्राप्त किए बिना अस्पताल का संचालन किया जाना बताया गया है। इस कार्रवाई को भवन और विकास संबंधी नियमों के अनुपालन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अस्पताल को सील किए जाने की कार्रवाई पर अखिल भारतीय हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री अरुण प्रताप सिंह ने मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के सचिव कुंवर बहादुर सिंह का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि चार-पांच दिन पहले ही उन्होंने स्वयं सचिव से मुलाकात कर सम्राट हॉस्पिटल के मामले में प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की थी। अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा कार्रवाई किया जाना स्वागत योग्य है, लेकिन इसके बाद कार्रवाई को कथित रूप से ढकने अथवा गोपनीय रखने के प्रयासों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि सीलिंग की कार्रवाई नियमानुसार की गई है तो उसे सार्वजनिक और पारदर्शी बनाए रखने में किसी प्रकार की हिचक नहीं होनी चाहि-हुए। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकारी कार्रवाई को छिपाने की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? इस संबंध में स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए, ताकि आम लोगों के बीच किसी तरह का भ्रम न रहे। अरुण प्रताप सिंह ने एमडीए सचिव कुंवर बहादुर सिंह से मांग की है कि अस्पताल पर की गई सीलिंग की कार्रवाई पूरी तरह सुरक्षित रखी जाए। किसी अधिकारी या कर्मचारी को सीलिंग के साथ छेड़छाड़ करने अथवा कार्रवाई को निष्प्रभावी करने का प्रयास नहीं करने दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सीलिंग की कार्रवाई को छिपाने, कमजोर करने या किसी तरह से प्रभावित करने का प्रयास सामने आया तो उनका संगठन इस मामले को प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों और शासन स्तर तक उठाएगा। उनका कहना है कि सरकारी विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में पारदर्शिता जरूरी है। यदि किसी प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई है तो उसका अनुपालन भी सुनिश्चित होना चाहिए।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक सेहत की अलख: दिल्ली पहुंचे अल्ट्रा-मैराथन धावक के. रवि कुमार, रोजाना 50 किमी दौड़कर दे रहे फिटनेस का संदेश

श्रीनगर के लाल चौक से 27 अक्टूबर को शुरू हुआ था सफर, मिलेट्स अपनाने की अपील

नई दिल्ली। देशभर में फिटनेस और पारंपरिक पोषण की अलख जगाने के संकल्प के साथ कश्मीर से कन्याकुमारी की ऐतिहासिक दौड़ पर निकले अल्ट्रा-मैराथन धावक के. रवि कुमार राजधानी दिल्ली पहुंच गए हैं। वर्ष 2006 की हांगकांग ओपन कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ा चुके रवि कुमार ने बीते 27 अक्टूबर को श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक से अपनी ह्यकश्मीर से कन्याकुमारी मिलेट रनह्ल का आगाज किया था। इस अनूठे अभियान के माध्यम से वे आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और दैनिक आहार में पारंपरिक मोटे अनाजों (मिलेट्स) को शामिल करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

युवाओं और खिलाड़ियों से कर रहे सीधा संवाद

इस राष्ट्रीय जागरूकता अभियान के अंतर्गत के. रवि कुमार प्रतिदिन औसतन 50 किलोमीटर की कठिन दौड़ लगाते हुए देश के विभिन्न राज्यों, शहरों और कस्बों से गुजर रहे हैं। अपनी यात्रा के पड़ावों पर वे स्कूली व कॉलेज विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद कर रहे हैं। इस दौरान वे लोगों को शारीरिक सक्रियता बनाए रखने, संतुलित खानपान अपनाने और जीवनशैली से जुड़ी गंभीर बीमारियों से बचाव के व्यावहारिक उपायों से अवगत करा रहे हैं।

'मिलेट मैन' डॉ. खादर वली के प्रोटोकॉल का संदेश

के. रवि कुमार के इस अभियान का एक प्रमुख लक्ष्य पद्मश्री से सम्मानित और ह्यभारत के मिलेट मैनह्ल के रूप में



विख्यात डॉ. खादर वली के मिलेट प्रोटोकॉल को जन-जन तक पहुंचाना है। यह प्रोटोकॉल ज्वार, बाजरा, रागी और अन्य पारंपरिक मोटे अनाजों को रोजमर्रा के भोजन का अनिवार्य हिस्सा बनाने पर बल देता है। दिल्ली पहुंचने पर रवि कुमार ने कहा कि आधुनिक और भागदौड़ भरी जीवनशैली के कारण बढ़ रही बीमारियों से बचने के लिए लोगों को एक बार फिर अपने पारंपरिक खानपान और व्यायाम की ओर लौटना होगा।

बेहतर पोषण के साथ टिकाऊ कृषि को भी मिलेगा बढ़ावा

अपनी यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक की यह पदयात्रा व दौड़ केवल एक शारीरिक चुनौती नहीं, बल्कि स्वस्थ और सशक्त भारत के निर्माण का एक जन-अभियान है। उन्होंने बताया कि मोटे अनाज पोषक तत्वों और फाइबर (रेशे) से भरपूर होने के साथ-साथ बेहद कम पानी और संसाधनों में उगाए जा सकते हैं। ऐसे में मिलेट्स को बढ़ावा देने से जहां नागरिकों को बेहतर पोषण मिलेगा, वहीं देश में टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल कृषि को भी मजबूती मिलेगी। रवि कुमार ने दिल्ली के नागि-रकों, धावकों, फिटनेस प्रेमियों, शिक्षण संस्थानों और स्वास्थ्य संगठनों से इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

शादी की खुशियों में लाइसेंसी बंदूक से दागी गोलियां, वायरल वीडियो ने चाचा-भतीजे को पहुंचाया हवालात

चरथावल के बुड्ढाखेड़ा गांव में अमित की शादी के दौरान हुई थी हर्ष फायरिंग, चाचा की डीबीबीएल बंदूक लेकर भतीजे सोनू ने की थी फायरिंग

मुजफ्फरनगर। शादी समारोह में हर्ष फायरिंग कर अपनी खुशी का इजहार करना एक चाचा और भतीजे को भारी पड़ गया। शादी की खुशियों के बीच ला-इसेंसी बंदूक से गोलियां चलाने का मामला सामने आने के बाद चरथावल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फायरिंग करने वाले युवक सोनू और बंदूक के लाइसेंस धारक उसके चाचा मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ आयुध अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कानूनी का-र्रवाई की गई है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक और खोखा कारतूस भी बरामद किया है। शादी समारोह में हुई फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई की। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पूरा मामला चरथावल थाना क्षेत्र के गांव बुड्ढाखेड़ा का है। गांव निवासी अमित पुत्र बालिस्टर की शादी का समारोह आयोजित किया गया था। शादी समारोह में परिवार और रिश्तेदारों के साथ ग्रामीण



भी शामिल हुए थे। इसी दौरान गांव के ही रहने वाले सोनू पुत्र इंद्रपाल ने अपने चाचा मुकेश पुत्र स्वर्गीय राजाराम की लाइसेंसी डीबीबीएल बंदूक का इस्तेमाल करते हुए हर्ष फायरिंग कर दी। शादी समारोह जैसे खुशी के अवसर पर बंदूक से गोली चलाने की इस हरकत का किसी ने वीडियो बना लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगा। शादी समारोह में लाइसेंसी हथियार से फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। वीडियो में दिखाई दे रही घटना की जानकारी जुटाई गई और फायरिंग करने वाले युवक तथा हथियार के मालिक की पहचान की गई। जांच में सोनू द्वारा अपने चाचा मुकेश की ला-इसेंसी डीबीबीएल बंदूक से फायरिंग किए जाने की बात सामने आई। इसके बाद चरथावल पुलिस ने मामले में का-र्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने वायरल वीडियो को आधार बनाकर घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी की। इस मामले में उपनिर-ीक्षक विशाल राठी की तहरीर पर थाना चरथावल में मुकदमा अपराध संख्या 211/26 दर्ज किया गया। मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आयुध अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए फायरिंग करने वाले सोनू और लाइसेंसी बंदूक के मालिक उसके चाचा मुकेश को गिरफ्तार कर लिया।

मेरठ-करनाल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक का कहर, बाइक सवार विवाहिता की दर्दनाक मौत, दो युवक गंभीर घायल

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे तीनों, नया गांव कट के पास ट्रक ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर

शामली। मेरठ-करनाल हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। झिंझाना थाना क्षेत्र में नया गांव कट के पास शनिवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार 23 वर्षीय विवाहिता प्रिया की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। विवाहिता की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर हाईवे पर जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे तीनों

जानकारी के अनुसार, बागपत जनपद के गांव कन्हड़ निवासी 23 वर्षीय वि-वाहिता प्रिया शनिवार दोपहर अपने परिजनों के साथ बाइक पर सवार होकर नया गांव से लिसाढ़ में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। बाइक पर प्रिया के साथ उसकी मौसी का बेटा नीशु (19) पुत्र जयप्र-



काश और सूरज (18) पुत्र कृष्णपाल भी सवार थे। तीनों शादी समारोह में शामिल होने के लिए निकले थे। जैसे ही उनकी बाइक मेरठ-करनाल हाईवे पर नया गांव कट के पास पहुंची, तभी तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया।

टक्कर लगते ही सड़क पर गिरे बाइक सवार, विवाहिता ने मौके पर तोड़ा दम

ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में प्रिया को गंभीर चोटें आईं और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं नीशु और सूरज भी गंभीर रूप से घायल हो गए। अचानक हुए हादसे के बाद हा-ईवे पर राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तत्काल घायलों को संभालने का प्रयास किया और पुलिस को घटना की सूचना दी। विवाहिता की मौके पर मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया।

दोनों गंभीर घायलों को मेरठ किया गया रेफर

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने नीशु और सूरज की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को बेहतर इलाज के लिए मेरठ रेफर कर दिया। दोनों की हालत गंभीर बताई गई है। उधर, पुलिस ने हादसे में जान गंवाने वाली प्रिया के शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की।

विवाहिता की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर लगाया जाम

हादसे की जानकारी मिलते ही नया गांव और आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए। वि-वाहिता की मौत और दो युवकों के गंभीर रूप से घायल होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया।

ग्रामीणों ने करनाल की ओर जाने वाले मार्ग पर जाम लगा दिया। उनकी मांग थी कि पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और हादसे के जिम्मेदार ट्रक चालक के खिलाफ कड़ी कानूनी का-र्रवाई की जाए। हाईवे पर जाम लगने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस और अधिकारियों ने संभाला मोर्चा, कार्रवाई का दिया भरोसा

हादसे और जाम की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार की मांगों और घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी ली। इस संबंध में एएसपी सुमित शुक्ला ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक की मौत और दो के घायल होने से परिवारों में मचा कोहराम

जिस घर से प्रिया अपने परिजनों के साथ शादी समारोह में खुशियां बांटने के लिए निकली थी, वहां हादसे की खबर पहुंचते ही मातम छा गया।

सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को पलभर में गम में बदल दिया। प्रिया की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं दो युवकों के गंभीर रूप से घायल होने के कारण उनके परिवार भी चिंतित हैं। हादसे के बाद हाईवे पर ग्रामीणों का आक्रोश और मुआवजे की मांग क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी रही।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**
सम्पादक:
◆अनिल रॉयल
✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, मुजफ्फरनगर

अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

पत्रांक 1797 / 8ए — दिनांक 07.11.2026

.1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ०प्र० की ओर से अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड-1, लो०नि०वि०, मुजफ्फरनगर द्वारा लोक निर्माण विभाग में **A,B,C,D** श्रेणी में मार्ग कार्य हेतु पंजीकृत एवं पात्र अनुमोदित तथा अर्ह ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा एक या समस्त कार्यों के लिए निविदा दी जा सकती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि कृपया नोट कर ले कि कॉन्ट्रेक्ट के अवार्ड हेतु अर्हे के लिए बिडर्स के निर्देश के क्लॉज-4 के अनुसार न्यूनतम अर्हता रखता है।

2.

क्र.सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (जीएसटी छोडकर) (लाख रू० में)	धरोहर धनराशि (लाख रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी०एस०टी० सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	क्यामपुर सम्पर्क मार्ग पर सम्पर्क मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	30.00	3.00	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
2	दधेडू कला से मलीरा पर विशेष मरम्मत का कार्य।	25.75	2.58	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
3	थानाभवन मार्ग से ज्ञानमाजरा राजपूताना मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	15.45	1.55	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
4	छपार से छपरा मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	32.00	3.20	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
5	दतियाना से कासमपुर मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	22.50	2.25	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
6	बुढाना से रुकनपुर मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	30.35	3.04	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
7	जट मुझेडा (सिल्वर टोन मिल) से भण्डूरा मार्ग पर विशेष मरम्मत का कार्य।	21.40	2.14	02 माह	500+300+144 = 944	मार्ग श्रेणी ए,बी,सी, डी
8



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
रविवार 15 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



निमार्णाधीन मकान से तार चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस मुठभेड़ में शातिर चोर घायल, साथी भी गिरफ्तार

वसुंधरा कॉलोनी में हुई चोरी का नई मंडी पुलिस ने किया खुलासा, रॉयल फार्म हाउस के पास घेराबंदी पर पुलिस टीम पर की फायरिंग; जवाबी कार्रवाई में गुलाब उर्फ रिजवान को लगी गोली, 21 मुकदमों में दर्ज है उसका आपराधिक इतिहास

मुजफ्फरनगर। निमार्णाधीन मकानों को निशाना बनाकर बिजली फिटिंग के तार चोरी करने वाले शातिर चोरों के खिलाफ नई मंडी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। वसुंधरा कॉलोनी स्थित एक निमार्णाधीन मकान से बिजली फिटिंग का तार चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान अंतरजनपदीय स्तर के एक शातिर चोर को गोली लगने से घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसके दूसरे साथी को पुलिस ने घेराबंदी और कांबिंग के दौरान दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलाब उर्फ रिजवान निवासी अफसराबाद, थाना रमाला, जनपद बागपत और शिवा निवासी तखावली, थाना बहसूमा, जनपद मेरठ, हाल निवासी करमूला पट्टी, थाना जानसठ, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया पांच किलोग्राम बिजली फिटिंग का तार, एक देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

20 अक्टूबर को निमार्णाधीन मकान से चोरी हुआ था बिजली का तार

सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि योगेंद्रपुरी कॉलोनी निवासी ऋषिपाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्रीराम ने नई मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वसुंधरा कॉलोनी स्थित उनके निमार्णाधीन मकान से अज्ञात चोर बिजली फिटिंग का तार चोरी कर ले गए हैं। घटना 20 अक्टूबर 2026 की है। शिकायत के आधार पर थाना नई मंडी में मुकदमा संख्या 518/2026 धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। चोरी की घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। चोरी की घटना की जांच के दौरान 13 नवंबर को नई मंडी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रॉयल फार्म हाउस के सामने एक खाली प्लाट में दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे हुए हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक आनन्द देव मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और प्लाट की घेराबंदी कर दी।



पुलिस टीम को अचानक अपनी ओर आता देखकर दोनों संदिग्धों ने भागने का प्रयास किया और पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों आरोपी पास में स्थित ईख के खेत में घुस गए। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस टीम ने बदमाशों को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए फायरिंग जारी रखी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान गुलाब उर्फ रिजवान गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, दूसरे आरोपी शिवा को पुलिस ने ईख के खेत में कांबिंग अभियान चलाकर गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पांच किलोग्राम बिजली फिटिंग का तार बरामद किया है, जिसे वसुंधरा कॉलोनी के निमार्णाधीन मकान से चोरी किए गए मुकदमे से संबंधित बताया गया है। इसके अतिरिक्त एक देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस भी बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

गुलाब उर्फ रिजवान का लंबा आपराधिक इतिहास, 21 मुकदमे दर्ज

पुलिस के अनुसार, घायल अवस्था में गिरफ्तार गुलाब उर्फ रिजवान शातिर किस्म का अपराधी है और उसका आपराधिक नेटवर्क कई जिलों तक फैला हुआ है। उसके खिलाफ मुजफ्फरनगर, शामली और बागपत जनपदों के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, अवैध हथियार रखने, आबकारी अधिनियम और एनडीपीएस एक्ट सहित अलग-अलग धाराओं में कुल 21 मुकदमे दर्ज होने का विवरण सामने आया है। उसके खिलाफ थाना बुढ़ाना में वर्ष 2020 में लूट और चोरी का सामान बरामद होने से संबंधित मुकदमे दर्ज हुए थे। इसी वर्ष हत्या के प्रयास और आयुध अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हुई थी। वर्ष 2022 में चोरी से संबंधित मुकदमा दर्ज हुआ।

डिप्टी कैन मैनेजर को डंडे से पीटा, भोपा थाने में मुकदमा दर्ज

गादला खरीद केंद्र पर गन्ने की प्रजाति को लेकर हुआ विवाद, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। भोपा थाना क्षेत्र के गांव गादला स्थित खाईखेड़ी चीनी मिल के गन्ना खरीद केंद्र पर गन्ने की प्रजाति को लेकर विवाद हो गया। अगेती प्रजाति की पर्ची पर रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना लेकर पहुंचे एक किसान को तौलने से रोकने पर मामला इतना बढ़ गया कि किसान ने मौके पर पहुंचे चीनी मिल के डिप्टी कैन मैनेजर के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे कर्मचारियों और ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह डिप्टी कैन मैनेजर को बचाया। आरोप है कि जाते समय किसान जान से मारने की धमकी भी देकर गया। पीड़ित की तहरीर पर भोपा पुलिस ने आरोपी किसान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में आशीष शर्मा पुत्र शिव कुमार निवासी जीवनपुरी, थाना रामराज ने बताया कि वह खाईखेड़ी चीनी मिल में डिप्टी कैन मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। ग्राम गादला में चीनी मिल का गन्ना खरीद केंद्र स्थापित है। आरोप है कि ग्राम धीराहेड़ी निवासी अनुज कुमार पुत्र सत्येंद्र गादला स्थित बी खरीद केंद्र पर गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचा था। उसके पास अगेती प्रजाति के गन्ने की पर्ची थी, जबकि ट्रॉली में रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना भरा हुआ था। इसी कारण खरीद केंद्र पर तैनात तौल बाबू ने गन्ने की तौल करने से मना कर दिया। तहरीर के अनुसार, गन्ने की तौल नहीं होने पर किसान अनुज कुमार ने डिप्टी कैन मैनेजर आशीष शर्मा को फोन कर अपनी गन्ने से भरी ट्रॉली की जांच करने के लिए कहा।

उस समय आशीष शर्मा छपार स्थित गन्ना खरीद केंद्र पर मौजूद थे। उन्होंने किसान को बताया कि उन्हें मौके पर पहुंचने में 10 से 15 मिनट का समय लगेगा। इसके बाद वह गादला खरीद केंद्र पर पहुंचे और किसान की गन्ने से भरी ट्रॉली की जांच की। आरोप है कि जांच के दौरान आशीष शर्मा ने किसान को बताया कि उसकी ट्रॉली में रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना है, जबकि उसके पास अगेती प्रजाति की पर्ची है। इसी बात को लेकर किसान अनुज कुमार भड़क गया और उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। पीड़ित डिप्टी कैन मैनेजर का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर अनुज कुमार ने उनके साथ डंडे से मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

शोर-शराबा सुनकर आसपास मौजूद दिलशाद पुत्र शमशाद, महताब पुत्र अफजाल, चीनी मिल के फील्ड सुपरवाइजर सौरभ पुत्र उदयवीर सहित अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बीच-बचाव करते हुए आशीष शर्मा को आरोपी के चंगुल से बचाया।

आशीष शर्मा ने अपनी तहरीर में यह भी कहा कि संबंधित किसान को पहले भी स्पष्ट कर दिया गया था कि जिस प्रजाति के गन्ने की पर्ची जारी होगी, उसी प्रजाति का गन्ना खरीद केंद्र पर स्वीकार किया जाएगा। इसके बावजूद अगेती प्रजाति की पर्ची पर रिजेक्ट प्रजाति का गन्ना लेकर पहुंचने और तौल नहीं होने पर विवाद किया गया।

जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, मुकदमा दर्ज

पीड़ित के अनुसार, मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें आरोपी से बचाया, लेकिन अनुज कुमार जाते-जाते उन्हें जान से मारने की धमकी देकर चला गया। घटना से परेशान डिप्टी कैन मैनेजर आशीष शर्मा ने भोपा थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। भोपा पुलिस ने आशीष शर्मा की शिकायत के आधार पर ग्राम धीराहेड़ी निवासी अनुज कुमार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गन्ना खरीद केंद्र पर हुई इस घटना के बाद कर्मचारियों की सुरक्षा और खरीद केंद्रों पर किसानों तथा मिल कर्मचारियों के बीच होने वाले विवादों को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

छपार में पुलिस मुठभेड़: हिस्ट्रीशीटर गौकश वाजिद गोली लगने से घायल, गिरफ्तार

कुतुबपुर-खोजानंगला रजवाहे के पास गोवंश को लेकर जा रहा था आरोपी

मुजफ्फरनगर। जनपद में गौकशी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत छपार पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने देर रात हुई मुठभेड़ के दौरान एक शातिर गौकश और हिस्ट्रीशीटर अपराधी को गोली लगने से घायल होने के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छपार थाना क्षेत्र के गांव खुड्डा निवासी वाजिद (44) पुत्र नूरहसन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक जीवित गोवंश, गोकशी करने के उपकरण, एक देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने की घेराबंदी

क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार ने बताया कि 13 नवंबर की रात थाना छपार पुलिस को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली थी कि कुतुबपुर-खोजानंगला रजवाहे के पास एक व्यक्ति जीवित गोवंश को गोकशी के उद्देश्य से लेकर जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थानाध्यक्ष मोहित कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और बताए गए स्थान पर घेराबंदी शुरू कर दी। पुलिस टीम को मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति गोवंश के साथ दिखाई दिया। पुलिस के मुताबिक, घेराबंदी के दौरान आरोपी ने खुद को पुलिस से घिरा देखकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। आरोपी की



ओर से की गई फायरिंग में पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी पर पुलिस की चेतावनी का कोई असर नहीं हुआ और उसने फायरिंग जारी रखी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी वाजिद गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। इसके अलावा मौके से एक जीवित गोवंश और गोकशी में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण भी बरामद किए गए। पुलिस ने घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वाजिद कोई नया अपराधी नहीं है, बल्कि वह थाना छपार का हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ गौवध अधिनियम, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में नौ मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास में वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2026 तक के मामले शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ गौकशी और अवैध हथियार रखने से संबंधित कई मुकदमे पहले भी दर्ज हो चुके हैं। गैंगस्टर एक्ट में भी दर्ज हो चुका है

मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस, तीन आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

मीनाक्षी चौक पर हलीम बिरयानी दुकान के बाहर स्कूटर खड़ा करने को लेकर हुआ था विवाद, दुकानदार शाह आलम के साथ मारपीट का मामला सोशल मीडिया पर वायरल

मुजफ्फरनगर। शहर के मीनाक्षी चौक पर दुकानदार के साथ मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई। दुकान के सामने स्कूटर खड़ा करने को लेकर शुरू हुए विवाद में दुकानदार शाह आलम के साथ मारपीट किए जाने के मामले में थाना सिविल लाइन पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित शाह आलम पुत्र हाजी गुलजार निवासी कृष्णापुरी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि मीनाक्षी चौक पर उनकी हलीम बिरयानी के नाम से दुकान है। 12 नवंबर 2026 की सुबह करीब 11 बजे जब वह अपनी दुकान पर पहुंचे तो पड़ोसी दुकानदार आदिल ने उनकी दुकान के सामने स्कूटर खड़ा कर रखा था। उन्होंने आदिल से स्कूटर आगे खड़ा करने के लिए कहा तो आरोप है कि वह गाली-गलौज करने लगा। पीड़ित के मुताबिक, इसके बाद आदिल ने फोन करके अपने भाई और मामा को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि फारुख और अलतमश ने आदिल के साथ मिलकर उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

वीडियो वायरल होने के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

मामले में शाह आलम ने थाना सिविल लाइन में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आदिल, फारुख और अलतमश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर महिला और उसकी दो बेटियों पर लाठी-डंडों से हमला, जमकर की मारपीट

बच्चों को आगे कर घर में घुसने और सामान बिखेरने का आरोप, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कसेरवा में घर में घुसकर एक महिला और उसकी दो बेटियों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपने बच्चों को लाठी-डंडों से लैस कर महिला के घर भेज दिया, जहां सभी ने मिलकर महिला और उसकी दोनों बेटियों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने घर का सामान भी इधर-उधर बिखेर दिया। इतना ही नहीं, महिला के बेटों के काम से लौटने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर शाहपुर पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुबह घर में मौजूद थीं महिला और दोनों बेटियां

पुलिस को दी गई तहरीर में गांव कसेरवा निवासी जेबून पत्नी फाजुल ने बताया कि वह अपनी बेटियों नरगिस और सानिया के साथ घर में मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के ही महरबान पुत्र बसीर ने कथित रूप से अपने बच्चों साहिबा, बुसरा, रिहान और सावेज को लाठी-डंडे लेकर उनके घर भेज दिया। पीड़िता का आरोप है कि घर में घुसे साहिबा, बुसरा, रिहान और सावेज ने उनके साथ-साथ उनकी दोनों बेटियों नरगिस और सानिया के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। अचानक हुए हमले से घर में चीख-पुकार मच गई। आरोप है कि हमलावरों ने घर में रखे सामान को भी इधर-उधर बिखेर दिया और काफी उत्पात मचाया। बेटों के घर लौटने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी

जेबून ने पुलिस को बताया कि मारपीट और गाली-गलौज के दौरान आरोपियों ने धमकी दी कि जब उनके बेटे काम से घर लौटेंगे तो परिवार के सभी लोगों को जान से मार दिया जाएगा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे और उसके बच्चों को आरोपियों से जान का खतरा बना हुआ है। धमकी के चलते परिवार दहशत में है।

पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

घटना के बाद पीड़िता जेबून ने शाहपुर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर महरबान पुत्र बसीर, साहिबा, बुसरा, रिहान और सावेज के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर गांव में भी चर्चा बनी हुई है।

मंसूरपुर में दिल्ली-देहरादून हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से होटल कर्मी की मौत, रातभर सड़क किनारे पड़ा रहा शव

सोशल मीडिया की मदद से हुई हाईवे पर मिले क्षत-विक्षत शव की पहचान, राजस्थान में रह रहा था परिवार, रिश्तेदारों ने सोशल मीडिया पर फोटो देखकर पहचाना, उदयपुर से मुजफ्फरनगर आ रहे परिजन

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर मंसूरपुर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में होटल में काम करने वाले व्यक्ति की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति सड़क किनारे कूड़े के ढेर के पास क्षत-विक्षत हालत में पड़ा रहा। शुक्रवार देर रात हुए हादसे के बाद शनिवार सुबह स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची मंसूरपुर पुलिस ने उसे तत्काल बेगराजपुर स्थित मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान नहीं होने पर पुलिस ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। फोटो प्रसारित होने के बाद मिमलाना रोड और लद्दावाला क्षेत्र में रहने वाले रिश्तेदारों ने उसकी पहचान इरशाद अब्बासी के रूप में की। मृतक का परिवार कारोबार के सिलसिले में राजस्थान के उदयपुर में रह रहा है। जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार देर रात दिल्ली-देहरादून हाईवे पर मंसूरपुर थाना क्षेत्र में हुआ। आशंका जताई जा रही है कि हाईवे से गुजर रहे किसी अज्ञात वाहन ने इरशाद अब्बासी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि वाहन चालक हादसे के बाद मौके पर रुके बिना फरार हो गया। शनिवार सुबह व्यक्ति सड़क किनारे कूड़े के ढेर के पास क्षत-विक्षत हालत में पड़ा मिला। उसके एक हाथ और एक पैर में गंभीर चोटें थीं और दोनों टूटे हुए थे। स्थानीय लोगों ने उसे देखकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मंसूरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को उपचार



के लिए बेगराजपुर स्थित मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे में व्यक्ति की हालत इतनी गंभीर थी कि उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराने के प्रयास शुरू किए, लेकिन तत्काल कोई पहचान संबंधी दस्तावेज या जानकारी नहीं मिलने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। मृतक की शिनाख्त के लिए मंसूरपुर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म का सहारा लिया। पुलिस ने मृतक के फोटो प्रसारित कर उसकी पहचान कराने की अपील की। इसके बाद मिमलाना रोड और लद्दावाला क्षेत्र में रहने वाले उसके रिश्तेदारों तक जानकारी पहुंची। रिश्तेदार मंसूरपुर थाने पहुंचे और अस्पताल जाकर शव को देखा। उन्होंने मृतक की पहचान इरशाद अब्बासी के रूप में की। इस तरह सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस को मृतक के परिजनों तक पहुंचने में सफलता मिली। मंसूरपुर थाना प्रभारी विपिन कुमार त्यागी के अनुसार, इरशाद अब्बासी मंसूरपुर क्षेत्र में अकेले रहकर होटलों में काम करता था। उसकी पत्नी और दोनों बेटे कारोबार के सिलसिले में परिवार सहित राजस्थान के उदयपुर में रहते हैं। रिश्तेदारों के माध्यम से परिजनों को हादसे की सूचना दे दी गई है। जानकारी के मुताबिक, परिवार के सदस्य उदयपुर से मुजफ्फरनगर के लिए रवाना हो चुके हैं। हादसे की खबर मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

बिना कार्रवाई शव सौंपने की मांग, पुलिस ने किया इनकार

रिश्तेदारों ने पुलिस से बिना कानूनी कार्रवाई के शव सौंपने की मांग की, लेकिन पुलिस ने इससे इनकार कर दिया।

बेलड़ा गंग नहर में छलांग लगाने वाले वृद्ध का तीसरे दिन भी नहीं लगा सुराग, नया गांव पुल तक चलाया सर्च अभियान

बोट के जरिए गंग नहर में तलाश में जुटी पुलिस और गोताखोरों की टीम, बृजपाल सिंह की तलाश में शनिवार को नया गांव पुल के पास भी की गई खोजबीन, पत्नी और इकलौते बेटे का रो-रोकर बुरा हाल

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलड़ा स्थित गंग नहर पुल से छलांग लगाने वाले 68 वर्षीय वृद्ध बृजपाल सिंह का तीसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। वृद्ध की तलाश में शनिवार को भी गंग नहर में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस और तलाश अभियान में जुटी टीम ने बोट के माध्यम से नया गांव पुल के पास नहर में खोजबीन की। लगातार तीन दिन से चलाए जा रहे तलाशी अभियान के बावजूद वृद्ध का पता नहीं चलने से परिजनों की बेचैनी बढ़ती जा रही है। नहर के तेज बहाव के कारण तलाश अभियान में भी काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उधर, परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पत्नी संतोष तथा इकलौते बेटे देवराज कुमार उर्फ मोनू का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला सुभाष चौक निवासी बृजपाल सिंह बुधवार



दोपहर करीब दो बजे अचानक घर से बिना किसी को बताए निकल गए थे। परिजनों के मुताबिक, वह काफी समय से गंभीर मानसिक बीमारी से परेशान थे और उनका उपचार भी चल रहा था। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजन उनकी तलाश कर ही रहे थे कि दोपहर करीब 3:15 बजे सूचना मिली कि गांव बेलड़ा स्थित गंग नहर पुल से एक वृद्ध ने नहर में छलांग लगा दी है। मौके पर पहुंचे परिजनों ने प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए हुलिए और पहनावे के आधार पर नहर में छलांग लगाने वाले व्यक्ति की पहचान बृजपाल सिंह के रूप में की। इसके बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर भोपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तलाश अभियान शुरू कराया। घटना के बाद पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंग नहर में काफी देर तक तलाश कराई, लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे दिन भी बोट के जरिए नहर में सर्च अभियान चलाया गया। इसके बावजूद वृद्ध का कोई सुराग नहीं लगा। नहर में पानी का तेज बहाव होने के कारण आशंका जताई जा रही है कि वह बहाव के साथ आगे निकल गए होंगे। शनिवार को तीसरे दिन भी पुलिस और तलाश अभियान में जुटी टीम ने हार नहीं मानी। बोट के माध्यम से नया गांव पुल के पास गंग नहर में सर्च अभियान चलाया गया। टीम ने नहर के अलग-अलग हिस्सों में खोजबीन करते हुए संभावित स्थानों पर तलाश की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक बृजपाल सिंह का कोई पता नहीं चल पाया था। लगातार चल रहे अभियान के बावजूद सफलता नहीं मिलने से परिवार की उम्मीदें और चिंताएं दोनों बनी हुई हैं।

हाईवे की जमीन पर कब्जा करने वालों पर चला प्रशासन का डंडा, ताऊ हुक्के का बड़ा होर्डिंग भी हटवाया

दिल्ली-देहरादून हाईवे-58 पर एनएचएआई और छपार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, अवैध विज्ञापन बोर्ड, खोखे और दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाया; दुकानदारों को चेतावनी, दोबारा अतिक्रमण मिला तो होगी कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सड़क किनारे अतिक्रमण कर कारोबार करने वालों के खिलाफ शनिवार को एनएचएआई और छपार पुलिस की संयुक्त टीम ने अभियान चलाया। अपराह्न करीब तीन बजे शुरू हुई कार्रवाई में हाईवे की सीमा में लगाए गए अवैध विज्ञापन बोर्ड, बड़े होर्डिंग, दुकानों के बाहर रखा सामान और अवैध रूप से संचालित दुकानों को हटवाया गया। अभियान के दौरान चर्चित ताऊ हुक्के वाले हरियाणवी टूरिस्ट ढाबे का होर्डिंग भी हटवाया गया। इसके अलावा पान-बीड़ी का एक खोखा और अतिक्रमण के रूप में रखा गया अन्य सामान जब्त किया गया। संयुक्त टीम की कार्रवाई से हाईवे किनारे दुकान और ढाबे संचालित करने वालों में हलचल मची रही। अभियान के दौरान संयुक्त टीम ने हाईवे किनारे अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर अतिक्रमण की स्थिति का



जायजा लिया। इस दौरान सड़क और राष्ट्रीय राजमार्ग की निर्धारित सीमा में लगाए गए विज्ञापन बोर्ड तथा बड़े-बड़े होर्डिंग हटवाए गए। टीम ने ताऊ हुक्के वाले हरियाणवी टूरिस्ट ढाबे पर लगा होर्डिंग भी हटवा दिया। अधिकारियों का कहना था कि बिना अनुमति हाईवे की सीमा में विज्ञापन बोर्ड और होर्डिंग लगाना यातायात व्यवस्था के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के लिहाज से भी उचित नहीं है। कार्रवाई के दौरान हाईवे किनारे रखा दुकानों का सामान भी हटवाया गया। सड़क की सीमा में रखे पान-बीड़ी के एक खोखे को हटवाकर जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही अतिक्रमण के रूप में इस्तेमाल हो रहा अन्य सामान भी टीम ने अपने कब्जे में लिया। संयुक्त टीम ने दुकानों और ढाबों का निरीक्षण करते हुए संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे अपनी दुकान का सामान सड़क तक न फैलाएं और हाईवे की जमीन को निजी कारोबार के लिए इस्तेमाल न करें। दुकानदारों और ढाबा संचालकों को दी गई सख्त हिदायत अभियान के दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों और ढाबा संचालकों को चेतावनी दी कि वे अपनी दुकानों के बाहर रखा सामान स्वयं हटा लें।

हाईवे की सीमा में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दुकानदारों को यह भी समझाया गया कि ग्राहकों के वाहन खड़े करने, सामान रखने और विज्ञापन लगाने के नाम पर सड़क की जगह पर कब्जा न किया जाए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क पर अतिक्रमण होने से वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। संयुक्त टीम ने दुकानदारों और ढाबा संचालकों को चेतावनी देते हुए कहा कि अभियान का उद्देश्य हाईवे को अतिक्रमण मुक्त रखना और यातायात को सुचारु बनाना है।

संपादकीय

मैनहोलो में गिरते बच्चे, हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण

खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। राजधानी दिल्ली के रणहौला इलाके में चार साल के मासूम बच्चे का खुले सीवर में गिर जाना और चौबीस घंटे बाद निलोठी के अवजल उपचार संयंत्र से उसका क्षत-विक्षत शव मिलना महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे तंत्र की आपराधिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। जिस उम्र में बच्चे के हाथ में खिलौने होने चाहिए थे, वह अपनी मां के साथ मोहन गार्डन के पार्क की ओर जाते समय खुले गटर में समा गया।नांगली विहार एक्सटेंशन में खेरी बाबा पुल के पास जब एनडीआरएफ, दमकल विभाग और स्थानीय गोताखोर गंदे पानी के तेज बहाव में उस नन्ही जान को तलाश रहे थे, तब स्थानीय लोग केवल उम्मीद और बेबसी के सहारे खड़े थे। आखिरकार जो शव सामने आया, वह संयंत्र की मशीनों में कटकर टुकड़ों में बंटा था।यह दृश्य किसी भी सभ्य समाज और उसकी व्यवस्था की अंतरात्मा को झकझोरने के लिए काफी है। हकीकत यह है कि अक्सर इस तरह की घटनाएं सामने आती रहती हैं, लेकिन जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग इस पर शायद ही कभी ध्यान देते हैं। आखिर इस तरह की तमाम दर्दनाक घटनाओं के लिए कौन जिम्मेदार है?खुले नालों और सीवर की बदहाली को लेकर जनता से आए दिन शिकायतें मिलती रहती हैं, लेकिन इन्हें हमेशा के लिए दुरुस्त करने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होती। अफसोसनाक है कि बार-बार ऐसी घटनाएं होने के बावजूद स्थानीय प्रशासन अथवा सरकारी तंत्र लापरवाही से अपनी आंखें मूंदे रखता है। घटनाएं होती रहती हैं और संवेदनशून्य सरकारी तंत्र चुप्पी साधे रहता है।सड़कों पर खुले मैनहोल से लेकर नाले में गिर कर लोगों की मौत की खबरें आती रहती हैं, लेकिन उनसे सबक लेना जरूरी नहीं समझा जाता। सवाल है कि सड़कों पर अगर खुले मैनहोल या नाले मौत को न्योता देते रहते हैं, तो इसे सुरक्षित तरीके से ढकना या घेरा बनाना किसकी जिम्मेदारी है।राजधानी दिल्ली समेत देश के तमाम अन्य शहरों से भी ऐसे दिल दहलाने वाले मामले लगातार सामने आते रहते हैं, लेकिन कहीं कोई जवाबदेही नजर नहीं आती। जब तक इन गंभीर लापरवाहियों के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराकर सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी, तब तक इस समस्या पर काबू पाना मुश्किल बना रहेगा।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है।

(ललित गर्ग)

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा।

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।



इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे।

जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली-एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक-दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है।

कोविड-19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए।

भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन-दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे। यही वास्तविक सतत विकास है।

आज सीओपी-31 से दुनिया को एक और घोषणापत्र की नहीं, दृढ़ इच्छाशक्ति, आर्थिक प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्रवाई की आवश्यकता है। जलवायु संकट की घड़ी में निष्क्रियता भी एक प्रकार का निर्णय है और उसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी। धरती हमें चेतावनी दे रही है। तापमान बढ़ रहा है, समुद्र गर्म हो रहे हैं, बर्फ पिघल रही है और शहरों की हवा जहरीली हो रही है। अब भी समय है कि मानवता अपनी विकास-दृष्टि पर पुनर्विचार करे। प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता है। यदि हम आज नहीं जागे तो आने वाली पीढ़ियां यह सवाल जरूर पूछेंगी-जब खतरा स्पष्ट दिखाई दे रहा था, तब दुनिया ने कार्रवाई करने में इतनी देर क्यों की? लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

छोटी-छोटी कोशिशों में छिपी हैं बड़ी संभावनाएं, नए विचारों और रिश्तों के लिए जगह बनाना क्यों जरूरी

(अनंत पद्मनाभन)

किसी साधारण अनुभव में छिपा सवाल हो या सामने मौजूद कोई बड़ी समस्या, दोनों पर सोचने के लिए जिज्ञासा और धैर्य चाहिए। जीवन में जिम्मेदारियां और चिंताएं इतनी बढ़ती हैं कि आसपास की छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना कठिन हो जाता है। हम किसी को प्रोत्साहित करना, उसकी बात सुनना या नया विचार समझना चाहते हैं, लेकिन हमारी अपनी परेशानियां बीच में आ जाती हैं। ऐसे में जरूरत थोड़ी जगह बनाने की होती है। जब मन तनाव और जल्दबाजी से घिरा रहता है, तो हम परिचित रास्तों पर चलना पसंद करते हैं। परिचित रास्ते सुरक्षित लगते हैं। पुरानी धारणाओं से चिपके रहने पर हम कई बार आसपास मौजूद अवसरों को पहचान नहीं पाते।

सवाल यह है कि नई बातों के लिए जगह कैसे बनाई जाए। कविता शुक्ला केवल बारह वर्ष की थीं, जब भारत में अपनी दादी से मिलने के दौरान एक अनुभव ने उनकी जिज्ञासा जगाई। दूषित पानी पीने की आशंका के बाद दादी ने उन्हें मसालों से बना एक पारंपरिक उपाय दिया। कविता जानना चाहती थीं कि यह कैसे काम करता है। उनके प्रयासों से 'फ्रेशपेपर' नामक नवाचार विकसित हुआ, जो फलों और सब्जियों को अधिक समय तक ताजा रखने में मदद करता है। सत्रह वर्ष की उम्र में उन्हें इसका पेटेंट मिला।

इसी तरह, नीदरलैंड के बोयान स्लाट ने किशोरावस्था में समुद्र में फैले प्लास्टिक की समस्या को गंभीरता से लिया। सोलह वर्ष की उम्र में यूनान की एक गोताखोरी यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्र में प्लास्टिक की थैलियां देखीं। इस अनुभव से उनके मन में सवाल उठा कि समुद्र से प्लास्टिक हटाने का कोई बेहतर तरीका भी क्यों नहीं खोजा जा सकता। उन्होंने विचार को आगे बढ़ाया और 2013 में 'द ओशन क्लीनअप' की स्थापना की। इन दोनों यात्राओं की शुरुआत अलग-अलग अनुभवों से हुई। एक ने रोजमर्रा की घटना में सवाल खोजा, तो दूसरे ने सामने दिखाई दे रही समस्या को अनदेखा नहीं किया। हर सवाल किसी खोज तक नहीं पहुंचता, लेकिन सवाल पूछने की आदत हमें नए रास्तों के बारे में सोचने का मौका देती है।

हमारे आसपास भी ऐसे लोग हैं, जिनके मन में कोई विचार होता है, लेकिन उन्हें खुद उस पर भरोसा नहीं होता। कोई विद्यार्थी असफल होकर निराश हो सकता है। कोई सहकर्मी नया काम शुरू करने से हिचकिचा सकता है। कोई व्यक्ति अपने सपने को टाल रहा हो सकता है। ऐसे समय में किसी का यह कहना कि एक बार कोशिश करके देखिए, उसके भीतर विश्वास जगा सकता है। उसे पहले यह महसूस करने की जरूरत होती है कि कोई उसकी बात समझने को तैयार है। इस दिशा में शुरुआत बहुत छोटी हो सकती है। रोज कुछ मिनट किसी की बात बिना बीच में टोके सुनने, नए विचार को तुरंत खारिज करने के बजाय उसके बारे में सवाल पूछने, किसी निराश व्यक्ति को उसकी पिछली कोशिशों की याद दिलाने से समस्याएं भले दूर नहीं होंगी, लेकिन आगे बढ़ने का भरोसा मजबूत हो सकता है। दूसरों के लिए जगह बनाने के साथ अपने भीतर भी नई संभावनाओं के लिए जगह रखना जरूरी है। हम पुराने तरीकों से जुड़े रहते हैं और बदलाव की संभावना पर विचार नहीं करते। कोई विचार असामान्य लग सकता है, लेकिन उसे समझने पर उपयोगी पहलू दिख सकते हैं। इसका अर्थ हर नए सुझाव को स्वीकार करना नहीं है। खुले मन से सुनना और सोच-समझकर निर्णय लेना एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं।

रिश्तों में भी यही समझ काम आती है। व्यस्तता के कारण परिवार के साथ बातचीत टलती रहती है और पुराने मित्र को फोन करने का समय नहीं मिलता। ऐसी छोटी चूकें धीरे-धीरे दूरी बढ़ा सकती हैं। रिश्ते केवल साथ रहने से मजबूत नहीं होते, उनमें ध्यान, संवाद और सम्मान बहुत जरूरी हैं। किसी अपने से हालचाल पूछना, उसकी चिंता सुनना या उसके साथ समय बिताना संबंधों में नई गरमाहट ला सकता है। हर संभावना को अवसर देना और हर काम को अपने जिम्मे ले लेना अलग बातें हैं। हमारे समय और ऊर्जा की भी सीमाएं हैं। इसलिए यह पहचानना जरूरी है कि कौन-सी चिंताएं ध्यान मांगती हैं और कौन-सी चिंता केवल मानसिक बोझ बढ़ाती है। दूसरों से अपनी तुलना करते रहना, पुरानी शिकायतों को पकड़े रहना और हर अपेक्षा पूरी करने की कोशिश करना हमें थका सकता है। कुछ बातों को स्वीकार करना और कुछ को छोड़ देना भी आगे बढ़ने का हिस्सा है। अपने किसी पुराने सपने की ओर लौटना भी ऐसी ही शुरुआत हो सकती है। जरूरी नहीं कि हम तुरंत बड़ा फैसला लें। अगर लिखना चाहते हैं, तो प्रतिदिन कुछ पंक्तियां लिख सकते हैं। नया कौशल सीखने के लिए थोड़ा समय निकाल सकते हैं। किसी संबंध में दूरी आ गई है, तो बातचीत की पहल कर सकते हैं। छोटे कदम हमें यह समझने में मदद करते हैं कि हमारी इच्छा किस दिशा में ले जा सकती है।

संसद का गणित बदलते ही देश के राजनीतिक समीकरण बदलने की तैयारी

इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का भी एक बड़ा धड़ा बीजेपी के साथ आ चुका है। यानी अप्रैल में जिन दलों और सांसदों को विपक्ष की ताकत माना जा रहा था, नवंबर आते-आते उनमें से कई के राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। इतना ही नहीं, बीजेपी ने परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की है। बताया जा रहा है कि विधेयक में डीएमके की आपत्तियों का समाधान किया गया है। चूंकि डीएमके अब इंडिया गठबंधन से बाहर आ चुकी है, इसलिए उसके रुख में बदलाव और विधेयक को समर्थन देने की संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा रहा।

(नीरज कुमार दुबे)

महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर देश की राजनीति के केंद्र में आने वाला है। खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की तैयारी में है। चर्चा है कि दो से तीन दिनों का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। सरकार की कोशिश है कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता साफ हो जाए। लेकिन इस बार इस पूरी कवायद के पीछे केवल महिला आरक्षण लागू कराने का मकसद नहीं है, बल्कि इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। हम आपको याद दिला दें कि इसी साल जब पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने थे, तब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण को जल्द लागू करने और परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। सरकार चाहती थी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का रास्ता खुल जाए। लेकिन विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को लेकर सरकार के प्रस्ताव का विरोध किया और 17 अप्रैल को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। विधेयक के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े।

बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने पक्ष में राजनीतिक हथियार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने देशभर में यह संदेश देने की कोशिश की कि महिला आरक्षण के रास्ते में विपक्ष बाधा बन रहा है। बीजेपी का राजनीतिक नैरेटिव साफ था कि एक तरफ



प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कर रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस ऐतिहासिक पहल को रोकने में जुटे हैं। पश्चिम बंगाल से लेकर असम और तमिलनाडु तक चुनावी विमर्श में इस मुद्दे को विपक्ष के खिलाफ इस्तेमाल किया गया और नतीजे भाजपा के पक्ष में रहे। असम, पश्चिम बंगाल में भाजपा की अपने बलबूते सरकार बनी तो साथ ही पुडुचेरी में एनडीए की सरकार वापस आ गयी। अब उसी तरह बरकरार रखने की चुनौती होगी। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले महिला आरक्षण का मुद्दा फिर से गरमाना बीजेपी के लिए एक बड़ा राजनीतिक अवसर बन सकता है।

देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू संसद का गणित है। संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत की जरूरत होती है। लोकसभा में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन हासिल करना की राजनीतिक लड़ाई एक बार फिर सामने है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार नजरें 2027 के विधानसभा चुनावों पर हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें उत्तर प्रदेश का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण है, जहां बीजेपी के सामने सत्ता अनिवार्य है। सरकार से जुड़े सूत्रों का दावा है कि इस बार उसके पास जरूरी संख्या से 15 से 18 वोट अधिक हैं। यानी अप्रैल में जो विधेयक गिर गया था, उसे इस बार पारित कराने का भरोसा सरकार को है।

देखा जाये तो अप्रैल में जब मोदी सरकार ने महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने की कोशिश की थी, तब संसद का राजनीतिक गणित आज जैसा नहीं था। उस समय तृणमूल कांग्रेस एकजुट थी और उसके सांसद विपक्ष के साथ खड़े थे। लेकिन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी में विभाजन और उसके अधिकांश सांसदों के नया गुट बनाकर एनडीए के साथ आने से लोकसभा का गणित बदल गया है। इसी तरह आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का भी एक बड़ा धड़ा बीजेपी के साथ आ चुका है। यानी अप्रैल में जिन दलों और सांसदों को विपक्ष की ताकत माना जा रहा था, नवंबर आते-आते उनमें से कई के राजनीतिक समीकरण बदल चुके हैं। इतना ही नहीं, बीजेपी ने परिसीमन विधेयक को लेकर डीएमके की चिंताओं को दूर करने की भी कोशिश की है। बताया जा रहा है कि विधेयक में डीएमके की आपत्तियों का समाधान किया गया है। चूंकि डीएमके अब इंडिया गठबंधन से बाहर आ चुकी है, इसलिए उसके रुख में बदलाव और विधेयक को समर्थन देने की संभावनाओं को भी खारिज नहीं किया जा रहा। इसके अलावा कई अन्य दलों के सांसदों की ओर से क्रॉस वोटिंग की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। यही वजह है कि अप्रैल में जहां सरकार के सामने दो-तिहाई बहुमत जुटाने की बड़ी चुनौती थी, वहीं नवंबर में वह पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई दे रही है। अगर इन राजनीतिक बदलावों का असर मतदान में दिखाई देता है तो विपक्ष के लिए पिछली बार की तरह विधेयक को रोक पाना आसान नहीं होगा।

साथ ही संसद के मानसून सत्र का सत्रावसान न होना भी इस पूरी रणनीति का अहम संकेत है। मोदी सरकार ने 13 अगस्त को मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित तो कर दिया था, लेकिन राष्ट्रपति से उसका औपचारिक सत्रावसान नहीं कराया। इसके बाद से ही राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा चलती रही है कि सरकार किसी भी समय संसद की विशेष बैठक बुला सकती है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि मौजूदा सत्र को दोबारा बुलाने के लिए नई बैठक की तुलना में कम नोटिस की जरूरत होगी। सत्रावसान नहीं होने के 90 से ज्यादा दिन हो चुके हैं। अब चर्चा यह भी है कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर ही संसद की विशेष बैठक आहूत की जा सकती है। हालांकि, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन अगर ऐसा होता है तो सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन के मुद्दे को संविधान दिवस के राजनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व के साथ जोड़कर बड़ा संदेश देने की कोशिश करेगी।

जनगणना-2027: 16 नवंबर से शुरू होगी स्व-गणना, एक दिसंबर से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक

शामली में 2,888 गणना ब्लॉक बनाए गए, 2,397 प्रगणक और 374 सुपरवाइजर संभालेंगे जिम्मेदारी

शामली। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिलाधिकारी आलोक यादव ने जनगणना की समय-सारिणी और तैयारियों की जानकारी देते हुए जनपदवासियों से स्व-गणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।



जिलाधिकारी आलोक यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक और सुपरवाइजर घर-घर जाकर जनगणना का कार्य करेंगे। पांच जनवरी से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य कराया जाएगा। घर-घर गणना के दौरान प्रगणकों और सुपरवाइजरों द्वारा निर्धारित 40 सवाल पूछे जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया में परिवार के किसी भी सदस्य को कोई दस्तावेज दिखाने की आवश्यकता नहीं होगी। डीएम आलोक यादव ने बताया कि जनपद में जनगणना के लिए कुल 2,888 गणना ब्लॉक (ईबी) निर्धारित किए गए हैं। इनके लिए 2,397 प्रगणकों और 374 सुपरवाइजरों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और लोगों को स्व-गणना के प्रति जागरूक किया जाए। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना के दौरान स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहयोग करें। स्व-गणना में किसी प्रकार की समस्या होने पर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर और जनपद के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। प्रेसवार्ता में अपर जिलाधिकारी एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्येंद्र सिंह, अपर जनगणना अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी बृजेन्द्र शुक्ल, जिला प्रभारी जनगणना शिवकुमार भारती मौजूद रहे।

शामली का शातिर हथियार तस्कर करनाल पुलिस के हत्थे चढ़ा: रिमांड के दौरान बरामद हुई पांच पिस्तौल, तीन आरोपियों से बरामद हुए सात पिस्टल

शामली के हिस्ट्रीशीटर 'आरिफ उर्फ पिस्टल' पर पहले से ही दर्ज हैं 20 मुकदमे, शौक पूरे करने और अमीर बनने के लिए करते थे हथियारों की सप्लाई

करनाल/शामली। जिले में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और तस्करी करने वाले गिरोहों की कमर तोड़ते हुए करनाल पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक करन गोयल के सख्त निदेशों पर कार्रवाई करते हुए एंटी नारकोटिक सेल की तीन अलग-अलग टीमों ने तीन कुख्यात हथियार सप्लायरों को दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर कुल सात अवैध देशी पिस्तौल व कट्टे और चार मैगजीन बरामद की हैं। पकड़े गए आरोपियों में उत्तर प्रदेश के शामली जिले का एक ऐसा अपराधी भी शामिल है, जिसके खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। एंटी नारकोटिक सेल के प्रभारी उप निरीक्षक राजन सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने



आई है कि आरोपी अपने महंगे शौक पूरे करने और कम समय में अमीर बनने के लालच में अवैध हथियारों की सप्लाई के काले कारोबार में उतरे थे। पुलिस ने तीनों मामलों में आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज कर सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत (जेल) में भेज दिया गया है।

मामला-1: दिल्ली का सप्लायर पिस्तौल और दो मैगजीन के साथ धरा गया पहले मामले में एंटी नारकोटिक सेल के मुख्य सिपाही राजीव कुमार की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अनुराग यादव निवासी पंजाबी बस्ती, बलजीत नगर (पटेल नगर, मध्य दिल्ली) को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से .32 बोर की एक अवैध देशी पिस्तौल और दो मैगजीन बरामद हुईं। इस संबंध में 12 नवंबर को थाना सेक्टर-32-33 में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर पता चला कि आरोपी अनुराग के खिलाफ पहले से दो अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मामला-2: सोनीपत के युवक से मिला .315 बोर का देशी कट्टा

दूसरी बड़ी कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह की टीम ने की। पुलिस ने सोनीपत के आदर्श नगर में रह रहे आरोपी नीरज को काबू कर उसके कब्जे से .315 बोर का एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया। इस मामले में 12 नवंबर को थाना मधुबन में आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया। पूछताछ में आरोपी नीरज ने स्वीकार किया कि वह क्षेत्र में अवैध पिस्तौल और देशी कट्टों की सप्लाई करता था। पुलिस के अनुसार, नीरज का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और उस पर पहले से चार मुकदमे दर्ज हैं।

मामला-3: 'आरिफ उर्फ पिस्टल' की निशानदेही पर पांच पिस्तौल बरामद

तीसरे और सबसे बड़े मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के शामली जिले के गांव तीतरवाड़ा निवासी कुख्यात अपराधी आरिफ उर्फ पिस्टल को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। थाना सेक्टर-32-33 में 8 अप्रैल 2026 को दर्ज एक मामले की तफ्तीश के दौरान पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर सात दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था। सख्त पूछताछ के बाद आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने पांच अवैध देशी पिस्तौल बरामद कीं, जिनमें एक .32 बोर की पिस्तौल (मैगजीन सहित) और चार .315 बोर की पिस्तौल शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकरण में आरिफ पांचवां गिरफ्तार आरोपी है और उसके खिलाफ पहले से 20 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिमांड अवधि पूरी होने पर उसे पुनः अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर कांग्रेसजनों ने बच्चों एवं महिलाओं को बांटे लड्डू और खाद्य सामग्री

मुजफ्फरनगर। भारत रत्न, स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं बच्चों के प्रिय चाचा स्वर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती जिले में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुबोध शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने बच्चों एवं महिलाओं के बीच लड्डू, समोसे और अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया।



कार्यक्रम में गुफरान काजमी, युगल किशोर भारती, रहीस अहमद तुर्क, श्रीमती गीता काकरान सहित अनेक कांग्रेसजन मौजूद रहे। सभी ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र एवं विचारों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने कहा कि चाचा नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष स्नेह और उनके उज्ज्वल भविष्य का सपना सदैव देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उनका मानना था कि बच्चे ही देश की असली ताकत हैं और उन्हीं के कंधों पर भारत का भविष्य टिका है।

उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के विचारों एवं आदर्शों को अपनाकर समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना को मजबूत करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम के अंत में सभी ने चाचा नेहरू को शत-शत नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

मेरठ में सीएम योगी के तीन बड़े ऐलान: वीरता पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि अब होगी दोगुनी, एक आश्रित को मिलेगी सरकारी नौकरी

पूर्व सैनिकों व शहीद आश्रितों को मकान खरीदने पर अब 20 के बजाय 50 लाख रुपये तक स्टांप शुल्क में मिलेगी छूट

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ में आयोजित 'पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह' के मंच से प्रदेश के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और शहीद परिवारों के लिए तीन ऐतिहासिक घोषणाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने ऐलान किया कि वीरता पुरस्कार विजेताओं को मिलने वाली एकमुश्त पुरस्कार राशि और वार्षिकी को दोगुना किया जाएगा। इसके साथ ही पूर्व सैनिकों और शहीद आश्रितों को संपत्ति खरीदने पर स्टांप शुल्क में छूट की सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने तथा शहीद के एक आश्रित को उसके गृह जनपद अथवा निकटवर्ती जनपद में सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। समारोह के दौरान सीएम ने 27.50 करोड़ रुपये की लागत से आठ जनपदों में नवनिर्मित सैनिक कल्याण कार्यालयों का लोकार्पण किया और 'शौर्य गाथा' पुस्तक का विमोचन भी किया। सैनिकों के सम्मान से समझौता नहीं, आतंकियों की निकाली जा रही हेकड़ी समारोह को



संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक सैनिक कभी सेवानिवृत्त नहीं होता, केवल उसकी वर्दी बदलती है, राष्ट्रभक्ति का संकल्प आजीवन बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज देशवासी चैन की नींद इसलिए सो पा रहे हैं क्योंकि हमारा जवान सियाचिन की बर्फीली चोटियों से लेकर रेगिस्तान और आपदा के हर मोर्चे पर डटा है। विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों में सैन्य ऑपरेशनों पर सवाल उठाकर जवानों के शौर्य को कठघरे में खड़ा किया जाता था और आतंकी हमलों के बाद महज डोजियर भेजकर जिम्मेदारी पूरी मान ली जाती थी। लेकिन आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकी हमला करने वालों की हेकड़ी निकाली जा रही है और यूपी में देश विरोधी ताकतों को मिट्टी में दफन कर दिया गया है। पिछली सरकारों में सैनिकों के अपमान की घटनाओं का किया जिक्र सीएम योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल को याद करते हुए 2016 में पूर्व सैनिक गणेश कुमार शुक्ला के साथ हुई मारपीट, 2013 में शहीद लांस नायक हेमराज सिंह के अंतिम संस्कार में प्रशासनिक उपेक्षा, 2015 में मेरठ में लांस नायक वेद मित्र चौधरी की हत्या और 2014 में इटावा में फौजी के परिवार पर हमले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उस दौर में सैनिकों को अपने सम्मान के लिए संघर्ष करना पड़ता था। मेरठ की बदली तस्वीर पर उन्होंने कहा कि एक दशक पहले जिसकी पहचान वाहन चोरी, अवैध कटान और माफिया राज से थी, आज वह खेल उपकरणों (ओडीओपी), मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी, नमो भारत आरआरटीएस और एक्सप्रेसवे के जरिए विकास की नई गाथा लिख रहा है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का रक्षा निर्यात 55 गुना बढ़कर लगभग 38 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के तहत लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण हो रहा है, जबकि लखनऊ व कानपुर में बनी स्वदेशी एके-203 राइफल के पार्ट्स की अमेठी की कोरवा फैक्ट्री में फाइनल असेंबली हो रही है। उन्होंने बताया कि देश के करीब 20 लाख सैनिकों के परिवार में हर वर्ष रिटायर होने वाले 60 हजार सैनिकों में से लगभग 12 हजार उत्तर प्रदेश के होते हैं। अब तक प्रदेश के 2,685 वीर सपूतों ने राष्ट्र रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया है और दो हजार से अधिक ने शौर्य पदक जीते हैं। मुख्यमंत्री ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए बताया कि शहीद परिवारों की अनुग्रह राशि 20 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की गई है और अब तक 150 परिवारों को 59.50 करोड़ रुपये की सहायता दी जा चुकी है। 2018 से आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जा रही है। सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से 31,700 पूर्व सैनिकों को रोजगार मिला है, जबकि अग्निवीरों के लिए पुलिस, कारागार और वन विभाग में 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण तय किया गया है।

जनता इंटर कॉलेज में बाल दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू बच्चों के हैं प्रिय चाचा

मुजफ्फरनगर। जनता इंटर कॉलेज भोपा में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर भाषण, कविता व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति दी गई।



पंडित जवाहरलाल नेहरू के चित्र का अनावरण कर माल्यार्पण करते हुए विद्यालय के शिक्षाविद् प्रधानाचार्य संजय कुमार जी ने कहा कि यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन की याद में मनाया जाता है। उनका जन्म आज ही के दिन 14 नवंबर 1889 को हुआ नेहरू जी को बच्चों से अत्यधिक स्नेह और लगाव था, और बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहकर बुलाते थे। उनका मानना था कि बच्चें ही देश की असली ताकत और भविष्य हैं। इसलिए बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा और अधिकारों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।वर्ष 1964 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद, उनके जन्मदिन (14 नवंबर) को भारत में बाल दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया गया। इससे पहले भारत में संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 20 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता था। कार्यक्रम में मेजर अरविंद कुमार, अभिषेक चौधरी,प्रमिल कुमार,महनाज खान आदि ने भी विचार व्यक्त किए। मेधावी छात्र अंशप्रिय सिंह ने "मेरे सपनों का आधुनिक विकसित भारत -2047" पर शानदार भाषण दिया। जिस पर विद्यालय के वरिष्ठ व्यायाम शिक्षक, रमेश सिंह असवाल ने छात्र को ड्100 का नकद पुरस्कार दिया।कु मिस्बाह जेहरा ने कविता एवं कु कशिश,कु रुद्राक्षी,कु डोली, कु वर्तिका आदि ने "नन्हा -मुन्ना राही हूं देश का सिपाही हूं" देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर समां बांधा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सह चीफ प्रॉक्टर कुश चौधरी व संचालन वरिष्ठ अंग्रेजी प्रवक्ता अश्विनी कुमार शीतल ने किया।

नशे के शांतिपूर्ण अभियान को दबाना चाहती है पुलिस — 11वीं बार नजरबंद किए जाने पर मास्टर अब्दुल अजीज का तीखा वार!

मेरठ। थाना लिसाड़ी गेट पुलिस द्वारा अलोकतांत्रिक और मनमाने ढंग से लगातार 11वीं बार हाउस अरेस्ट किए जाने पर प्रदेश महासचिव एवं दक्षिण विधानसभा प्रत्याशी मास्टर अब्दुल अजीज ने कड़ी आपत्ति और विरोध जताया है। आज सुबह से उन्हें उनके आवास गली नंबर 15, श्यामनगर, शौकत कॉलोनी, मेरठ पर नजरबंद कर दिया गया है। मास्टर अब्दुल अजीज ने कहा कि पिछले 7 वर्षों से वे लगातार समाज से अवैध नशे के काले कारोबार को खत्म करने और अपनी युवा पीढ़ी को बचाने के लिए पूरी तरह शांतिपूर्ण,



अनुशासित और संवैधानिक दायरे में रहकर सामाजिक सरोकार का काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि गढ़मुक्तेश्वर में गंगा मेले के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री को अवैध नशे के खिलाफ एक शांतिपूर्ण ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम तय था, जिसकी विधिवत सूचना प्रशासन व एलआईयू को दी गई थी। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन द्वारा आज उन्हें 11वीं बार घर में नजरबंद किया गया है। उन्होंने प्रशासन से तीखे सवाल करते हुए कहा कि क्या देश और समाज की नस्लों को तबाह कर रहे 'अवैध नशे' के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध है? क्या एक जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता का सरकार को शांतिपूर्ण ज्ञापन देना कानून का उल्लंघन है? आज तक उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा, कभी कानून हाथ में नहीं लिया, फिर बार-बार इस तरह हाउस अरेस्ट करके कौन सा लोकतंत्र बचाया जा रहा है? क्या पुलिस असल नशा तस्करों को बचाने के लिए शांतिपूर्ण आवाज दबाना चाहती है?

यह कार्रवाई पूरी तरह से कानून और संविधान के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने चेतावनी दी है कि पुलिस-प्रशासन के इस तरह के दबाव और दमनकारी रवैये से उनकी आवाज और यह पवित्र अभियान रुकने वाला नहीं है। वे जनता के बीच जाकर इस तानाशाही का पुरजोर विरोध करेंगे और युवाओं की जिंदगी बचाने की इस लड़ाई को हर हाल में जारी रखेंगे।

रंग संसार

शीतली बयरिया...' विदेशों में खूब गूंजता है पलक मुच्छल का यह छठ गीत, गाने के बोल में खुद सिंगर का नाम है शामिल

नई दिल्ली। छठ का त्यौहार पूरे देश में धूम-धाम से मनाया जा रहा है और म्यूजिक इस त्यौहार की भावना को और भी ज्यादा बढ़ा देता है। कई गाने ऐसे हैं जो छठी मैया की महिमा का बखान करते हैं और चार दिन चलने वाले इस त्यौहार पर ये



गीत जरूर सुने जाते हैं। विदेशों में लोकप्रिय है पलक मुच्छल का गीत शीतली बयरिया शीतल दूजे पनिया , एक ऐसा ही गाना है जिसे सिंगर पलक मुच्छल ने आवाज दी है। यह गीत ना सिर्फ देश बल्कि विदेशों में भी लोकप्रिय है। विदेश में रहने वाले प्रवासी भारतीय छठ पूजा पर इस गीत को जरूर सुनते हैं।पवन सिंह के साथ किया था कोलेब

पलक मुच्छल मुख्य रूप से हिंदी के रोमांटिक हिट गानों के लिए जानी जाती हैं और 17 भाषाओं में गाती हैं, लेकिन भोजपुरी गानों की उनकी लिस्ट काफी छोटी है। पवन सिंह के साथ मिलकर एक पारंपरिक छठ गीत गाना एक सरप्राइजिंग कोलेब था। हालांकि इस गाने को लोगों ने खूब पसंद किया और अब यह गीत छठ के त्यौहार का अभिन्न हिस्सा बन गया है। आम भक्ति गीतों से अलग, इस गाने के बोलों में सीधे तौर पर पलक मुच्छल का नाम लिया गया है। 'विनय बिहारी लिखले माई के भजनवा, गावेली पलक बेटी धर के ध्यानवा' जिसका मतलब है- इन पंक्तियों में गीतकार विनय बिहारी लिखते हैं कि 'बेटी पलक' पूरी श्रद्धा के साथ यह भजन गा रही हैं। इस गाने को देश और विदेश में खूब सुना जाता है और इसी के साथ यूट्यूब पर अब तक इस गाने के 252 मिलियन व्यूज पार हो चुके हैं। छठ पूजा के दौरान, यह गीत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अक्सर ट्रेंड करता है। यह उन परिवारों के लिए एक पुरानी यादें ताजा करने वाला साउंडट्रैक बन जाता है दुनिया भर में बसे प्रवासी लोगों के बीच इस त्योहार को मनाते हैं।

राज काज

विनम्रता सिर्फ एक ढोंग था', Nvidia के पूर्व बॉस जेनसेन हुआंग को लेकर बायोग्राफर के चौंकाने वाले खुलासे

वाशिंगटन। चीनी जासूस होने के संदेह के घेरे में आईं एलिस हुआंग के साथ अफेयर के खुलासे और एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद कंपनी के भीतर उथल-पुथल मची हुई है। इस बीच, जेनसेन हुआंग की जीवनी लिखने वाले लेखक स्टीफन विट ने उनके व्यक्तित्व और कार्यशैली को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। साल 2025 में हुआंग की जीवनी द थिंकिंग मशीन लिखने वाले लेखक स्टीफन विट ने द न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख में दावा किया है कि एनवीडिया के पूर्व सीईओ काफी अहंकारी थे। विट के अनुसार, हुआंग ने हमेशा खुद को एक जमीन से जुड़े और बेहद विनम्र इंसान के रूप में पेश किया, लेकिन यह सब उनके अहंकार को छिपाने का मुखौटा था।हुआंग अक्सर अपनी सफलता का श्रेय कर्मचारियों को देते थे, कभी खुद के बर्तन धोने के दिनों को याद करते थे और छोटे रेस्टोरेंट में बड़ी टिप देकर अपनी दरियादिली दिखाते थे। लेकिन पर्दे के पीछे उनकी कार्यशैली बिल्कुल अलग थी।अफेयर और नास्किवादी रवैया स्टीफन ने आरोप लगाया कि एनवीडिया के हेल्थकेयर ग्रुप की एक एग्जीक्यूटिव और उनकी सीधी अधीनस्थ कर्मचारी, किम्बर्ली पॉवेल के साथ हुआंग का अफेयर कंपनी के अंदर एक खुला रहस्य था। एक पूर्व कर्मचारी के हवाले से विट ने दावा किया कि हुआंग ने यह रिश्ता तब भी जारी रखा, जब उनके अपने दोनों बच्चे भी कंपनी में उच्च पदों पर काम कर रहे थे। ऐसा माना जाता है कि इससे उन्हें एक आत्ममुग्ध व्यक्ति वाली खुशी मिलती थी। कंपनी के भीतर ऐसा खौफनाक और चापलूसी वाला माहौल था कि लोग इस पर खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। व्हिपलैश फिल्म के प्रोफेसर जैसी थी कार्यशैली

स्टीफन विट ने हुआंग की तुलना 2014 की चर्चित हॉलीवुड फिल्म व्हिपलैश के उस सख्त और क्रूर संगीत शिक्षक से की है, जो अपने शिष्यों पर मानसिक दबाव बनाता था। विट का कहना है कि एनवीडिया के सह-संस्थापक में असहमति या खुली चर्चा को बर्दाश्त करने की क्षमता बहुत कम थी।

दैनिक राशिफल रविवार 15 नवम्बर 2026

मेष – कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

वृष – विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

कर्क – अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह– धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कन्या – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें।

तुला – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें।

वृश्चिक – शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी।

धनु – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मकर – यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ – शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें।

मीन – मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

दैनिक पंचांग

15 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.25 ब.से.
चंद्र	मकर में	धनु	08.41 बजे से
मंगल	सिंह में	मकर	10.46 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	12.32 बजे से
गुरु	सिंह में	मीन	14.05 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	15.35 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.16 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.14 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.27 बजे से
		सिंह	23.43 बजे से
		कन्या	01.55 बजे से
		तुला	04.06 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 319 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 02.02 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 23.29 बजे को समाप्त।
योग शूल 06.23 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.45 बजे तदनन्तर तैतिल 02.02 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 5.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 18° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872894
जूलियन दिन 2461359.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 04
विशेष छठ पूजा, सूर सम्हारम, राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36	से 07.09	बजे तक
चर	07.23	से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09	से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51	से 10.18	बजे तक	चर	08.41	से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18	से 11.46	बजे तक	रोग	10.14	से 11.46	बजे तक
काल	11.46	से 01.14	बजे तक	काल	11.46	से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14	से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19	से 02.51	बजे तक
रोग	02.41	से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51	से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09	से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24	से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर के चरथावल में हलवाई की दुकान पर चोरी: ग्राहक बनकर आए युवक ने चुराया मोबाइल, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई करतूत

पीड़ित दुकानदार ने मोबाइल के दोनों आईएमईआई नंबर सौंपकर पुलिस से लगाई बरामदगी की गुहार, जांच में जुटी पुलिस

मुजफ्फरनगर। जिले के चरथावल कस्बे में एक शातिर युवक द्वारा ग्राहक बनकर हलवाई की दुकान से मोबाइल फोन चोरी करने का मामला सामने आया है। चोरी की यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित दुकानदार की तहरीर पर चरथावल थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौका पाकर काउंटर पर रखा फोन ले उड़ा अज्ञात युवक



प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अमीगढ़ निवासी सुंदर पुत्र हरजान की चरथावल कस्बे में हलवाई की दुकान है। पीड़ित सुंदर ने थाना चरथावल में लिखित शिकायत देते हुए बताया कि एक अज्ञात युवक ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर आया था। दुकानदारी के बीच युवक ने नजर बचाकर और मौका पाकर वहां रखा उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया और मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद जब सुंदर को मोबाइल गायब होने की जानकारी हुई तो दुकान में हड़कंप मच गया। सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई चोरी की घटना

घटना के बाद पीड़ित सुंदर ने अपने स्तर पर आसपास के इलाके में मोबाइल फोन की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालने पर युवक की संदिग्ध गतिविधि और चोरी की वारदात कैद मिली। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और चोरी हुए मोबाइल के दोनों आईएमईआई (क्टएक) नंबर भी पुलिस को सौंप दिए हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पीड़ित दुकानदार ने पुलिस प्रशासन से आरोपी युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और चोरी हुआ मोबाइल फोन जल्द से जल्द वापस दिलाने की मांग की है। इस संबंध में चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण ने बताया कि पीड़ित की शिकायत प्राप्त हो गई है और सीसीटीवी फुटेज व आईएमईआई नंबर के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी की पहचान कर मोबाइल बरामद कर लिया जाएगा।

भोकरहेड़ी में ट्यूबवैल ऑपरेटर पर जानलेवा हमला: गंभीर रूप से घायल, दबंग को शराब पीने से मना करना पडा भारी, पुलिस से कार्रवाई की मांग

आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर बचाई जान, आरोपी जान से मारने की धमकी देकर आरोपी फरार

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी में सरकारी संपत्ति पर शराब पीने से मना करना एक ट्यूबवैल ऑपरेटर को बेहद महंगा पड़ गया। नगर पंचायत की ट्यूबवैल पर बैठकर शराब पी रहे एक युवक को टोकने पर आरोपी भड़क गया और उसने ऑपरेटर पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में ऑपरेटर गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उसकी जान बचाई, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया।

हथियार से किया हमला

मामले के संबंध में भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक निवासी सचिन कुमार ने थाने में लिखित तहरीर दी है। तहरीर में सचिन



ने बताया कि उसका भाई विनित कुमार नगर पंचायत की ट्यूबवैल पर बतौर ऑपरेटर तैनात है। बीते 11 नवंबर की रात्रि को विनित अपनी ड्यूटी पर मौजूद था, तभी मोहल्ले का ही एक युवक वहां शराब लेकर पहुंचा और ट्यूबवैल परिसर में बैठकर शराब पीने लगा।

शराब पीने से मना करने पर भड़का आरोपी जब ऑपरेटर विनित कुमार ने नगर पंचायत की ट्यूबवैल पर शराब पीने का विरोध किया और उसे वहां से जाने को कहा, तो आरोपी युवक आगबबूला हो गया। गाली-गलौज करते हुए आरोपी ने किसी हथियार से विनित पर जानलेवा हमला बोल दिया। अचानक हुए इस हमले में विनित लहूलुहान होकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले की आवाज और शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग तत्काल मौके पर दौड़े और बीच-बचाव कर हमलावर के चंगुल से विनित की जान बचाई। पुलिस को तहरीर देकर की सख्त कार्रवाई की मांग प्रत्यक्षदर्शियों के जमा होने पर आरोपी युवक घायल विनित को भविष्य में जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में दहशत का माहौल है। घायल ऑपरेटर के भाई सचिन कुमार ने भोपा थाने में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और सुरक्षा की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जनगणना-2027 की तैयारियों को मिली रफ्तार, 14 केंद्रों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण पूरा

प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनसंख्या गणना की बारीकियां सिखाईं, डिजिटल व पारंपरिक तरीके से आंकड़े जुटाने का दिया प्रशिक्षण

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 को सुचारु, समयबद्ध और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जनगणना के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या गणना से पहले जनपद की सभी तहसीलों और नगरीय चार्ज क्षेत्रों में तैनात किए जाने वाले प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। जिले में बनाए गए कुल 14 प्रशिक्षण केंद्रों पर मास्टर ट्रेनर्स और फील्ड ट्रेनर्स ने कार्मिकों को जनगणना की प्रक्रिया, आंकड़ों के संकलन, डिजिटल एवं पारंपरिक तरीकों और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि जब जनगणना का काम धरातल पर शुरू हो तो प्रत्येक कर्मचारी अपने दायित्वों और पूरी प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हो, ताकि आंकड़ों में किसी तरह की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। 14 प्रशिक्षण केंद्रों पर दी गई जनगणना की बारीक जानकारी

जनपद में जनगणना कार्य को प्रभावी बनाने के लिए तहसील और नगरीय क्षेत्रों के अनुसार अलग-अलग प्रशिक्षण केंद्र निर्धारित किए गए थे। तीन दिनों तक चले प्रशिक्षण में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना के निर्धारित तौर-तरीकों से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा फील्ड ट्रेनर्स के माध्यम से कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि घर-घर जाकर किस प्रकार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जानकारी एकत्र करनी है और प्राप्त आंकड़ों को किस तरह व्यवस्थित तरीके से दर्ज करना है। इसके साथ ही डिजिटल और पारंपरिक माध्यमों से आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया तथा मैदानी स्तर पर आने वाली संभावित समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी गई।

सदर से लेकर खतौली, बुढ़ाना और जानसठ तक बनाए गए केंद्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तहसील सदर में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज और डीएस-



डी पब्लिक स्कूल, जानसठ रोड को केंद्र बनाया गया था। तहसील खतौली में मैपल एकेडमी में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। तहसील बुढ़ाना में राखी पब्लिक स्कूल और मैपल एकेडमी में कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया, जबकि तहसील जानसठ में एंबिएंस एकेडमी और गोल्डन बेल्स पब्लिक स्कूल में प्रशिक्षण केंद्र संचालित किए गए। नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के अंतर्गत माउंट लिट्रा जी स्कूल, लिंक रोड और एसडी पब्लिक स्कूल, भोपा रोड में प्रशिक्षण दिया गया। नगर पालिका परिषद खतौली के लिए सेंट थॉमस स्कूल को केंद्र बनाया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न नगर पंचायतों के अंतर्गत आने वाले संबंधित विद्यालयों और कार्यालय परिसरों में भी प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई थी। इस तरह पूरे जनपद में 14 केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

गंभीर सिंह ने दिए लापरवाही न बरतने के निर्देश

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसकी सफलता सही आंकड़ों के संकलन तथा कार्मिकों की कार्यकुशलता पर निर्भर करती है। इसलिए प्रत्येक प्रगणक और पर्यवेक्षक प्रशिक्षण को पूरी गंभीरता और तन्मयता से ग्रहण करें।

उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मैदानी स्तर पर कार्य शुरू होने से पहले प्रत्येक प्रगणक और पर्यवेक्षक पूरी तरह प्रशिक्षित हो। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से प्रशिक्षण की गुणवत्ता और कार्मिकों की कार्यक्षमता पर विशेष ध्यान देने को कहा, ताकि निर्धारित समय में जनगणना का कार्य व्यवस्थित तरीके से पूरा कराया जा सके।

मुजफ्फरनगर के महाविद्यालयों में फिर शुरू हुई प्रवेश प्रक्रिया: 16 नवंबर तक चलेंगे दाखिले, पहले दिन दाखिलों का कम दिखा उत्साह

मां शाकंभरी विश्वविद्यालय से संबद्ध चारों एडेड और निजी कॉलेजों में एक और मिला मौका, नए छात्रों का कोर्स पूरा कराने के लिए चलेंगी अतिरिक्त कक्षाएं

मुजफ्फरनगर। मां शाकंभरी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत प्रवेश से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं के लिए शुक्रवार से एक बार फिर प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हालांकि, पुनः प्रवेश खुलने के पहले दिन शहर के चारों एडेड महाविद्यालयों में दाखिले की रफ्तार काफी धीमी देखने को मिली। दिनभर में सीमित संख्या में ही प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों ने महाविद्यालयों में पहुंचकर संपर्क किया। विश्वविद्यालय के निदेर्शानुसार यह विशेष प्रवेश प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी की जाएगी। समर्थ पोर्टल के जरिए पंजीकरण, बीएससी में सर्वाधिक सीटें रिक्त

सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेज वेलफेयर एसोसिएशन के विशेष अनुरोध पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने वंचित छात्रों को दोबारा प्रवेश का यह अंतिम अवसर प्रदान किया है। इसके तहत अभ्यर्थियों को समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन



पंजीकरण कराना अनिवार्य किया गया है। जानकारी के अनुसार, जिले के एडेड और निजी महाविद्यालयों में अभी भी बड़ी संख्या में सीटें रिक्त पड़ी हैं। इनमें स्नातक स्तर पर बीएससी पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक सीटें खाली हैं, जबकि परास्नातक (PG) के सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों में भी दाखिले के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। दिसंबर में प्रस्तावित परीक्षाओं के लिए लगेंगी एक्स्ट्रा क्लास

शहर के प्रतिष्ठित सनातन धर्म महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार पुंडीर ने बताया कि शुक्रवार को बहुत कम संख्या में अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए महाविद्यालय में संपर्क किया। जो छात्र-छात्राएं पहुंचे, उनके तुरंत ऑफर लेटर जारी कर दाखिले से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी करा दी गईं। डॉ. पुंडीर ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए परीक्षा फॉर्म जमा कराए जा रहे हैं और दिसंबर माह में परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। ऐसे में अब देर से प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा कराने के लिए महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अतिरिक्त कक्षाएं (एक्स्ट्रा क्लास) संचालित की जाएंगी।

बाल दिवस पर पुलिस मॉडर्न स्कूल में सजी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की महफिल, बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

वामा सारथी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिखाई प्रतिभा

मुजफ्फरनगर। बाल दिवस के अवसर पर पुलिस मॉडर्न स्कूल, मुजफ्फरनगर में वामा सारथी (उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन) के तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बच्चों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियों के महत्व और उनकी छिपी प्रतिभा को मंच प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वामा सारथी की नोडल अधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने किया। उन्होंने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। पुलिस



मॉडर्न स्कूल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बाल दिवस की खुशियां उत्साह और उमंग के साथ मनाई गईं। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी कला और कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक और अन्य गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान बच्चों को बताया गया कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जरूरत केवल उसे पहचानने और निखारने की है। ऐसे आयोजन बच्चों को अपनी प्रतिभा सामने लाने का अवसर देने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करते हैं। गाजियाबाद की अंतर-विद्यालय प्रतियोगिता में भी चमके

स्कूल के विद्यार्थी कार्यक्रम के दौरान 41वीं वाहिनी पीएसी, गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश पुलिस शिक्षा समिति की ओर से आयोजित अंतरविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले पुलिस मॉडर्न स्कूल, मुजफ्फरनगर के छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता की विभिन्न विधाओं में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अलग-अलग विषयों और गतिविधियों में भागीदारी कर बच्चों ने साबित किया कि वे शिक्षा के साथ कला, खेल, भाषा और बौद्धिक गतिविधियों में भी अपनी पहचान बना सकते हैं। अंतरविद्यालय प्रतियोगिता में चित्रांश (11 वर्ष) ने शतरंज प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। अनन्या (13 वर्ष) ने मंडाला आर्ट, शिवांशी ने थ्रस्टी क्रो स्टोरी, तनिष्का ने कैलीग्राफी, युवराज ने स्पेल क्विज, लविन ने मैथ क्विज और विधि ने अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कोतवाली पुलिस ने तीन वारंटी गिरफ्तार किए

अलग-अलग मुकदमों में लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे तीनों आरोपी, पीनना, रामपुरी और बाग जानकीदास से पकड़े गए; न्यायालय में किया जाएगा पेश

मुजफ्फरनगर। ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को उनके घरों से दबिश देकर पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में एक पीनना गांव, दूसरा रामपुरी और तीसरा बाग जानकीदास क्षेत्र का निवासी है। तीनों अलग-अलग मुकदमों में जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर वांछित चल रहे थे। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की तैयारी की है।

अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर की गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन एवं पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीनों वारंटियों



को गिरफ्तार किया।

मारपीट के पुराने मुकदमे में जारी था वारंट

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सतेन्द्र सिंह पुत्र जसवीर सिंह निवासी ग्राम पीनना शामिल है। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ वर्ष 2011 के मुकदमे से संबंधित गैर जमानती वारंट जारी था। यह मामला मारपीट, घर में घुसने, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं से संबंधित है। न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन एफटीसी प्रथम, मुजफ्फरनगर से जारी वारंट के आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया।

आर्म्स एक्ट के मुकदमों में दो अन्य वारंटी पकड़े

दूसरा गिरफ्तार आरोपी सरपट पुत्र सतीश निवासी राजो वाली पुलिया, मोहल्ला रामपुरी है। उसके खिलाफ थाना चरथावल में दर्ज वर्ष 2015 के आर्म्स एक्ट के मुकदमे में गैर जमानती वारंट जारी था। उसे न्यायालय एसीजेएम/एसीजेडी-2 मुजफ्फरनगर से संबंधित वारंट के आधार पर पकड़ा गया। तीसरा आरोपी आसिफ उर्फ कांचू पुत्र मुमताज निवासी बाग जानकीदास है। उसके खिलाफ थाना कोतवाली नगर में वर्ष 2015 में दर्ज आर्म्स एक्ट के मुकदमे में गैर जमानती वारंट जारी था। उसे न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन एफटीसी प्रथम, मुजफ्फरनगर से जारी वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया गया।

प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की कार्रवाई

तीनों वारंटियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक मिलन चौधरी, उपनिरीक्षक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक सोनू कुमार, उपनिरीक्षक देवपाल सिंह, कांस्टेबल राकेश, मुकेश, सुधीर कुमार, अंकित कुमार और अकरम शामिल रहे।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए तीनों वारंटियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद निर्धारित समय पर संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

यातायात नियमों की अनदेखी पड़ सकती है भारी, विद्यार्थियों को पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ

यातायात माह के तहत जनता इंटर कॉलेज पचेंडा मुस्तफाबाद में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व से कराया अवगत; विद्यार्थियों को दिलाई गई यातायात नियमों के पालन की शपथ

मुजफ्फरनगर। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा यातायात माह-2026 के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जनता इंटर कॉलेज, पचेंडा मुस्तफाबाद में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही सुरक्षित वाहन संचालन और सड़क पर बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि यातायात नियम केवल चालान और कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में यातायात उपनिरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ कॉलेज पहुंचे। उन्होंने विद्यार्थियों को दोपहिया और चारपहिया वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने



बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना बेहद जरूरी है। हेलमेट दुर्घटना के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने की आशंका को कम करता है। इसी प्रकार चारपहिया वाहन में सफर करते समय चालक और सभी यात्रियों को सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और यातायात संकेतों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात उपनिरीक्षक ने बताया कि तेज गति से वाहन चलाना, यातायात संकेतों की अनदेखी करना और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में शामिल हैं। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना अथवा संदेश पढ़ना चालक का ध्यान भटका सकता है, जिससे गंभीर हादसा होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि सड़क पर थोड़ी सी लापरवाही भी स्वयं के साथ दूसरे लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल सकती है।

विद्यार्थियों से परिवार और आसपास के लोगों को जागरूक करने की अपील

पुलिस टीम ने विद्यार्थियों को केवल स्वयं यातायात नियमों का पालन करने तक सीमित न रहने, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। विद्यार्थियों से कहा गया कि वे अपने घरों में अभिभावकों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।

14 साल के आसिम की एक ई-मेल ने बदल दिया पासपोर्ट कार्यालय का रवैया

विदेश मंत्रालय तक पहुंची आवाज तो हरकत में आया विभाग, आरपीओ संजना आर्य ने कार्यालय बुलाकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर/गाजियाबाद। उम्र महज 14 साल, लेकिन अपने अधिकारों की समझ और गलत व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने का साहस ऐसा कि उसकी एक ई-मेल विदेश मंत्रालय तक पहुंच गई। आमतौर पर जहां बड़े-बड़े लोग सरकारी कार्यालयों में होने वाली असुविधाओं और दुर्व्यवहार को सहन करके चुप रह जाते हैं, वहीं एक किशोर ने अपने माता-पिता के साथ हुए कथित दुर्व्यवहार को लेकर सीधे विदेश मंत्रालय को शिकायत भेज दी। उसकी शिकायत पर न केवल अधिकारियों ने संज्ञान लिया, बल्कि पासपोर्ट कार्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार के निर्देश भी दिए गए। इस पहल से प्रभावित होकर क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी (आरपीओ) संजना आर्य ने किशोर आसिम को अपने कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया और उसकी जागरूकता, समझदारी तथा नागरिक जिम्मेदारी की सराहना की। एक 14



वर्षीय बच्चे की यह पहल अब चर्चा का विषय बन गई है। आसिम ने यह साबित कर दिया कि अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और व्यवस्था में सुधार के लिए आवाज उठाने की कोई उम्र नहीं होती। जरूरत केवल सही बात को सही मंच तक पहुंचाने के साहस और समझदारी की होती है।

पासपोर्ट सेवा केंद्र में हुआ था कथित दुर्व्यवहार, पिता की गैरमौजूदगी में बेटे ने उठाया कदम

मामला बीती 9 नवंबर का है। आसिम के पिता और वरिष्ठ पत्रकार आस मोहम्मद कैफ अपने परिवार के साथ साहिबाबाद स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र पहुंचे थे। यहां पासपोर्ट आवेदन में सरनेम के मिलान से जुड़ी समस्या के कारण उन्हें दूसरी तारीख दे दी गई। इसी दौरान वहां तैनात एक कर्मचारी के बातचीत करने के तरीके को लेकर विवाद की स्थिति बन गई। आस मोहम्मद कैफ के अनुसार, संबंधित कर्मचारी ने उनके और उनकी पत्नी के साथ सख्त और आक्रामक लहजे में बातचीत की। उन्होंने कर्मचारी को विनम्रता से बात करने की सलाह दी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति सहज नहीं हो सकी। परिवार के लिए यह अनुभव काफी असहज और निराशाजनक रहा। इस पूरे घटनाक्रम को परिवार के साथ मौजूद 14 वर्षीय आसिम भी देख रहा था। उसने महसूस किया कि सरकारी कार्यालय में आने वाले आम नागरिकों और उनके परिजनों के साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। इसी सोच ने उसे ऐसा कदम उठाने के लिए प्रेरित किया, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

पिता की गैरमौजूदगी में मोबाइल से विदेश मंत्रालय को भेज दिया ई-मेल

परिवार जब पासपोर्ट सेवा केंद्र से निकलकर एक रेस्टोरेंट पहुंचा तो आसिम ने अपने पिता की अनुपस्थिति में मोबाइल फोन उठाया और सीधे विदेश मंत्रालय को ई-मेल भेज दी। इस ई-मेल में उसने अपनी उम्र का उल्लेख करते हुए बताया कि वह 14 वर्षीय आवेदक है और पासपोर्ट सेवा केंद्र में उसके माता-पिता के साथ किस तरह का व्यवहार किया गया। आसिम ने अपनी शिकायत में पूरे घटनाक्रम का विवरण देते हुए अधिकारियों से व्यवस्था में सुधार की अपेक्षा जताई। उसने अपनी बात किसी से बहस करके या हंगामा करके नहीं, बल्कि निर्धारित प्रशासनिक माध्यम से अधिकारियों तक पहुंचाई। उसकी यह पहल इसलिए भी खास रही क्योंकि इतनी कम उम्र में उसने शिकायत दर्ज कराने के लिए जिम्मेदार और लोकतांत्रिक तरीका अपनाया।

विदेश मंत्रालय ने लिया संज्ञान, आरपीओ संजना आर्य तक पहुंची शिकायत

आस मोहम्मद कैफ के अनुसार, आसिम की ई-मेल पर विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने संज्ञान लिया और शिकायत को क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी संजना आर्य के पास अग्रसारित कर दिया। इसके बाद आरपीओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित प्रकरण पर कार्रवाई की। शिकायत के बाद संबंधित कर्मचारी के व्यवहार को लेकर कार्रवाई की गई।

छपार टोल प्लाजा पर लगा भीषण जाम, हाईवे पर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें; घंटों रेंगते रहे वाहन

टोल पर वाहनों की धीमी निकासी से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, जाम में फंसे राहगीरों और वाहन चालकों को उठानी पड़ी भारी परेशानी

मुजफ्फरनगर। दिल्ली-देहरादून राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित छपार टोल प्लाजा पर भीषण जाम लगने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। टोल प्लाजा के दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। देखते ही देखते जाम ने विकराल रूप ले लिया और हाईवे से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे लोग काफी देर तक अपने वाहनों में बैठे रहे और आगे बढ़ने का इंतजार करते रहे। टोल पर वाहनों की धीमी निकासी को जाम का प्रमुख कारण बताया जा रहा है।

टोल पर वाहनों की धीमी रफ्तार से बिगड़ी व्यवस्था

छपार टोल प्लाजा पर अचानक वाहनों का दबाव बढ़ने और टोल से धीमी गति से निकासी होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। टोल पार करने के लिए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कार, बस, ट्रक और अन्य छोटे-बड़े वाहन जाम में फंस गए। स्थिति यह रही कि वाहन चालक काफी देर तक एक ही स्थान पर खड़े रहने को मजबूर रहे। कुछ वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े, जबकि कई वाहन चालकों को लंबे समय तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा।

जरूरी काम से जा रहे लोगों की बढ़ी परेशानी

हाईवे पर लगे जाम का असर केवल टोल पार करने वाले वाहनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अपने गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में निकले लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ी। नौकरी, कारोबार और अन्य जरूरी कामों से जा रहे लोग जाम में फंसे रहे। वाहनों में बैठे यात्रियों को समय की बबार्दी के साथ



असुविधाओं का सामना करना पड़ा। जाम के कारण एंबुलेंस और जरूरी काम से जा रहे लोगों के आवागमन में भी दिक्कत होने की बात सामने आई।

टोल प्रबंधन की व्यवस्था पर उठे सवाल

जाम में फंसे वाहन चालकों ने टोल प्रबंधन की व्यवस्था पर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि टोल पर वाहनों की निकासी तेज रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए, ताकि हाईवे पर इस तरह जाम की स्थिति पैदा न हो। वाहन चालकों ने मांग की कि टोल पर वाहनों के दबाव के अनुसार व्यवस्था की जाए और सभी टोल लेन को सुचारु रूप से संचालित किया जाए। साथ ही जाम की स्थिति बनने पर तत्काल अतिरिक्त इंतजाम किए जाएं, जिससे यातायात बाधित न हो।

राहगीरों ने जल्द समाधान की उठाई मांग

छपार टोल प्लाजा पर लगे जाम ने एक बार फिर टोल व्यवस्था और यातायात प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। वाहन चालकों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। ऐसे में टोल प्रबंधन की जिम्मेदारी है कि वाहनों की निकासी व्यवस्थित और तेज रखी जाए। लोगों ने संबंधित अधिकारियों और टोल प्रबंधन से जाम की समस्या का स्थायी समाधान कराने तथा यात्रियों को राहत दिलाने की मांग की है।

राजवाहे की सफाई के ठेके पर काम कर रहे दो ऑपरेटरों पर जानलेवा हमला, पोकलेन मशीन में चीनी और लोहे के टुकड़े डालकर किया खराब

सफेद कार में सवार होकर पहुंचे तीन हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा, गन्ने के खेत में गिराकर भी की मारपीट

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव बुड़ीना खुर्द में राजवाहे की सफाई के ठेके पर काम कर रहे दो पोकलेन मशीन ऑपरेटरों पर देर रात जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सफेद रंग की कार में सवार होकर पहुंचे तीन लोगों ने पहले खेत में मिट्टी डालने का आरोप लगाकर विवाद शुरू किया और फिर दोनों ऑपरेटरों को लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। हमलावरों ने दोनों को पास के गन्ने के खेत में गिराकर भी मारपीट की, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने पोकलेन मशीन को भी निशाना बनाया। मशीन की टंकी में चीनी डालने के साथ हाइड्रोलिक सिस्टम के बॉन्ड खोलकर उसमें लोहे के टुकड़े और चूरा डाल दिया, जिससे मशीन खराब हो गई। पीड़ित की शिकायत पर तितावी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में शाहरुख अंसारी पुत्र शहाबुद्दीन निवासी ग्राम देहरा बुलंदी, थाना स्योहारा, जिला बिजनौर ने बताया कि वह अपने साथी विशाल पुत्र रामकिशोर निवासी ग्राम ककराली, जिला अमरोहा के साथ पोकलेन मशीन से राजवाहे की सफाई का काम कर रहे थे। यह काम गांव बुड़ीना खुर्द निवासी ठेकेदार नवीन कुमार पुत्र बलजोर सिंह के ठेके पर किया जा रहा था।आरोप है कि 11 नवंबर 2026 की रात करीब 11:30 बजे बुड़ीना खुर्द राजवाहे की पटरी पर सफेद रंग की एक कार आकर रुकी। कार से तीन लोग नीचे उतरे और आते ही शाहरुख से कहने लगे कि उन्होंने उनके खेत में मिट्टी डाल दी है। शाहरुख के अनुसार, उन्होंने खेत में मिट्टी डालने की बात से इनकार किया। इसके बाद वह दो व्यक्तियों को राजवाहे की पटरी पर पड़ी मिट्टी दिखाने लगे। आरोप है कि इसी दौरान उन लोगों ने अचानक लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। दूसरी तरफ मौजूद उनके साथी विशाल को भी हमलावरों ने निशाना बनाया और उसके साथ भी मारपीट की। गन्ने के खेत में गिराकर बेरहमी से पीटा तहरीर के मुताबिक, हमलावरों ने दोनों साथियों को बुरी तरह पीटा और पास के गन्ने के खेत में गिराकर भी मारपीट की। हमले में शाहरुख और विशाल को गंभीर चोटें आईं। देर रात हुई इस घटना से दोनों दहशत में आ गए। पीड़ित ने पुलिस से दोनों का चिकित्सकीय परीक्षण कराकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

पोकलेन मशीन की टंकी में डाली चीनी, हाइड्रोलिक सिस्टम में भरे लोहे के टुकड़े

इस घटना में हमलावरों ने केवल ऑपरेटरों के साथ मारपीट ही नहीं की, बल्कि पोकलेन मशीन को भी नुकसान पहुंचाया। शाहरुख का आरोप है कि मारपीट के दौरान एक व्यक्ति मशीन के पास पहुंचा और उसकी टंकी का ढक्कन खोलकर उसमें चीनी डाल दी। इसके बाद हाइड्रोलिक सिस्टम के बॉन्ड खोलकर उसमें लोहे के टुकड़े और चूरा डाल दिया गया। इस कथित तोड़फोड़ के कारण पोकलेन मशीन खराब हो गई और काम प्रभावित हो गया।

ककरौली पुलिस और एसओजी देहात का बड़ा खुलासा, तीन चोरी की वारदातों का पदार्फाश, छह लाख रुपये नकद और लाखों के जेवरात बरामद

बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी से दो शातिर चोर गिरफ्तार, मीरापुर और ककरौली क्षेत्र में हुई तीन चोरी की घटनाओं का खुलासा

मुजफ्फरनगर। जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रवात के तहत ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह लाख रुपये की नकदी के साथ चोरी किए गए पीली और सफेद धातु के भारी मात्रा में आभूषण बरामद किए हैं। बरामद आभूषणों में टीका, नथ, अंगूठियां, झूमर, बिछुए, पायल, कड़े, पाजेब, झुमके, हथफूल और सिक्के शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते –पीली व सफेद धातु के आभूषणों का बड़ा जखीरा मिला, एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने पुलिस लाइन में पत्रकारों को दी कार्रवाई की जानकारी

मुजफ्फरनगर। जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रवात के तहत ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। संयुक्त पुलिस टीम ने चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से छह लाख रुपये की नकदी के साथ चोरी किए गए पीली और सफेद धातु के भारी मात्रा में आभूषण बरामद किए हैं। बरामद आभूषणों में टीका, नथ, अंगूठियां, झूमर, बिछुए, पायल, कड़े, पाजेब, झुमके, हथफूल और सिक्के शामिल हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से चोरी की घटनाओं का खुलासा हुआ है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद में अपराध और अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी भोपा राधारमण सिंह के पर्यवेक्षण तथा ककरौली थानाध्यक्ष दीपक चौधरी के नेतृत्व में ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने यह सफलता हासिल की है। एसपी देहात ने बताया कि 18 सितंबर 2026 को ककरौली थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा सादात में चोरी की घटना हुई थी। इस मामले में थाना ककरौली पर मुकदमा अपराध संख्या 116/2026 धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस टीम लगातार आरोपियों की



तलाश में जुटी हुई थी और चोरी की घटनाओं से जुड़े सुराग जुटाए जा रहे थे। इसी दौरान 14 नवंबर को ककरौली पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम को मुखबिर से महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने गांव बेहड़ा सादात रजवाहे की पटरी पर घेराबंदी कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से छह लाख रुपये नकद और चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद हुए। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वरीन पुत्र नदीम निवासी मोहल्ला डंगडूंगरा, माया इंटर कॉलेज के पास कस्बा कांधला, जनपद शामली, हाल निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली तथा नजर मोहम्मद पुत्र बाबू निवासी गांव बेहड़ा सादात थाना ककरौली के रूप में हुई है।पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी थाना ककरौली में दर्ज चोरी के मुकदमे के अलावा थाना मीरापुर में दर्ज दो अन्य चोरी के मुकदमों में भी शामिल थे। इनमें मुकदमा अपराध संख्या 139/2026 और 150/2026 शामिल हैं।इस प्रकार संयुक्त पुलिस टीम ने तीन चोरी के अभियोगों का अनावरण किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने कुल छह लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

इनमें 54 हजार रुपये थाना मीरापुर में दर्ज मुकदमों से संबंधित बताए गए हैं, जबकि पांच लाख 46 हजार रुपये अन्य बरामद नकदी के रूप में मिले हैं। इसके अलावा पीली धातु का एक टीका और दो नथ बरामद की गई हैं। सफेद धातु के आभूषणों में 19 अंगूठियां, एक झूमर, दो सेट में कुल 12 बिछुए, दो जोड़ी पायल, आठ कड़े, दो जोड़ी पाजेब, कान के झुमकों की एक जोड़ी, हथफूल की दो जोड़ी, चार छल्ले और तीन सिक्के शामिल हैं।

एसएसपी सूरज राय का बड़ा एक्शन, तीन पुलिसकर्मी एक झटके में सस्पेंड, विभाग में मचा हड़कंप

छपार थाने की बसेड़ा चौकी प्रभारी सुनील कुमार और सिपाही जयसिंह पर गिरी निलंबन की गाज –बेगराजपुर चौकी प्रभारी ललित कुमार को भी एसएसपी ने किया निलंबित

मुजफ्फरनगर। जनपद में पुलिस विभाग के भीतर अनुशासन और जवाबदेही को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बड़ा एक्शन लिया है। एसएसपी ने एक साथ तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। निलंबित किए गए पुलिसकर्मियों में छपार थाना क्षेत्र की बसेड़ा पुलिस चौकी के प्रभारी सुनील कुमार और सिपाही जयसिंह के अलावा बेगराजपुर पुलिस चौकी प्रभारी ललित कुमार शामिल हैं। एसएसपी की इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में चचाओं का बाजार गर्म हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, छपार थाना क्षेत्र की बसेड़ा पुलिस चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी सुनील कुमार तथा सिपाही जयसिंह को एसएसपी सूरज कुमार राय ने निलंबित कर दिया है। एक ही चौकी पर तैनात चौकी प्रभारी और सिपाही के विरुद्ध हुई इस कार्रवाई को पुलिस विभाग



में काफी अहम माना जा रहा है। चौकी स्तर पर पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारियों और कार्यप्रणाली को लेकर इस कार्रवाई ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। एसएसपी की कार्रवाई का दायरा केवल छपार थाना क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रहा। बेगराजपुर पुलिस चौकी के प्रभारी ललित कुमार को भी निलंबित कर दिया गया है। एक साथ अलग-अलग चौकियों पर तैनात दो चौकी प्रभारियों और एक सिपाही पर कार्रवाई होने से पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। जनपद में पुलिस विभाग के भीतर एक साथ तीन पुलिसकर्मियों के निलंबन की खबर सामने आने के बाद तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। खास बात यह है कि कार्रवाई में दो चौकी प्रभारी भी शामिल हैं। ऐसे में पुलिस विभाग के अधिकारियों से लेकर थानों और चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मियों तक इस कार्रवाई को लेकर चर्चा हो रही है। पुलिसकर्मियों की कार्यशैली पर एसएसपी की सख्ती एसएसपी सूरज कुमार राय की इस कार्रवाई को पुलिस विभाग में अनुशासन और जिम्मेदारी तय करने की दिशा में सख्त कदम के रूप में देखा जा रहा है। पुलिस विभाग में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी केवल ड्यूटी करना ही नहीं, बल्कि जनता की शिकायतों का निस्तारण, कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपने क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली को प्रभावी बनाए रखना भी है।

मुजफ्फरनगर और शामली में पराली प्रबंधन में पास हुए किसान: एनसीआर में 44 प्रतिशत घटी पराली जलाने की घटनाएं

आधुनिक कृषि यंत्रों और जागरूकता ने बदली तस्वीरः सुपर सीडर से सीधी बुवाई और बायो-डीकंपोजर से खेत में ही जैविक खाद बना रहे अन्नदाता

मुजफ्फरनगर/शामली। वायु प्रदूषण की रोकथाम और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के किसानों ने बड़ी मिसाल पेश की है। कृषि विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, एनसीआर के आठ जिलों में पराली जलाने की घटनाओं में इस बार 44 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सबसे सुखद तस्वीर शामली और मुजफ्फरनगर जिले से सामने आई है, जहां इस सीजन में पराली जलाने का एक भी मामला (जीरो केस) दर्ज नहीं हुआ है। वहीं, मेरठ में केवल एक और बागपत में दो घटनाएं सामने आई हैं, जबकि पिछले वर्ष इन चारों जिलों में कुल 22 मामले दर्ज किए गए थे।

कृषि विभाग द्वारा 15 सितंबर से 11 नवंबर तक के जारी तुलनात्मक आंकड़ों के मुताबिक, एनसीआर के आठ जिलों में पिछले साल (2025) पराली जलाने के कुल 61 मामले पकड़े गए थे, जो इस साल (2026) घटकर मात्र 34 रह गए हैं। यदि बीते वर्षों के रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो वर्ष 2020 में इन आठ जिलों में पराली जलाने की



सर्वाधिक 181 घटनाएं हुई थीं। इसके बाद वर्ष 2021 में 85, वर्ष 2022 में 44 और वर्ष 2023 में 60 मामले सामने आए। वर्ष 2024 में यह आंकड़ा फिर से बढ़कर 150 तक पहुंच गया था। प्रशासन की सख्ती और किसानों की समझदारी से वर्ष 2025 में यह संख्या 61 पर आई और अब 2026 में केवल 34 मामले ही दर्ज हुए हैं। इस प्रकार वर्ष 2020 के मुकाबले पराली जलाने की घटनाओं में करीब 81 प्रतिशत की ऐतिहासिक कमी आई है।

एनसीआर के आठ जिलों का तुलनात्मक लेखा-जोखा (15 सितंबर से 11 नवंबर तक)

जिला	वर्ष 2025	वर्ष 2026 वर्तमान स्थिति
मुजफ्फरनगर	6	0 शत-प्रतिशत सुधार (जीरो केस)
शामली	12	0 शत-प्रतिशत सुधार (जीरो केस)
मेरठ	4	1 3 मामलों की कमी
बागपत	10	2 8 मामलों की कमी
गाजियाबाद	8	3 5 मामलों की कमी
हापुड़	4	7 3 मामलों की बढ़ोतरी
बुलंदशहर	7	8 1 मामले की बढ़ोतरी
गौतमबुद्धनगर	10	13 3 मामलों की बढ़ोतरी
कुल योग	61	34 44% की कुल गिरावट

खेत में ही 'सोना' बन रही पराली: आधुनिक तकनीक से बढ़ा मुनाफा

जिला कृषि अधिकारी प्रदीप यादव ने बताया कि किसानों को पराली न जलाने और फसल अवशेषों का खेत में ही वैज्ञानिक प्रबंधन करने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। अब किसान खुद इसके फायदे समझकर जागरूक हुए हैं। शामली जिले में पराली प्रबंधन की निगरानी और किसानों के सहयोग के लिए 12 विशेष टीमें लगातार क्षेत्र में काम कर रही हैं।उन्होंने कहा कि पहले किसान अगली फसल (गेहूं) की बुवाई के लिए खेत जल्दी खाली करने के दबाव में पराली में आग लगा देते थे, जिससे मिट्टी के मित्र कीट नष्ट होते थे और प्रदूषण फैलता था। लेकिन अब किसानों ने खेती के आधुनिक तौर-तरीकों को अपना लिया हैः

सुपर सीडर और हैप्पी सीडर का कमालः किसान अब खेत की जुताई किए बिना सीधे पराली के बीच ही सुपर सीडर और हैप्पी सीडर मशीनों से गेहूं की बुवाई कर रहे हैं।

मल्चर और बायो-डीकंपोजरः मल्चर यंत्र से फसल अवशेषों को बारीक टुकड़ों में काटकर मिट्टी में मिलाया जा रहा है।

गौकशी के आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट का बड़ा प्रहार, 13 आरोपी गिरफ्तार, अवैध संपत्तियों पर चलेगा कुर्की का डंडा

वर्ष 2024 से लगातार गौकशी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ नई मंडी पुलिस का बड़ा अभियान

मुजफ्फरनगर। जनपद में गौकशी और संगठित अपराध में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने अब बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देश पर नई मंडी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत शिकंजा कसते हुए एक साथ 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बागोवाली, रथेड़ी और सिविल लाइन थाना क्षेत्र की मदीना कॉलोनी में दबिश देकर इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस की इस कार्रवाई से गौकशी के मामलों में संलिप्त आरोपियों और उनके मददगारों में खलबली मच गई है। खास बात यह है कि पुलिस अब केवल आरोपियों की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्तियों को चिह्नित कर कुर्क करने की तैयारी भी कर रही है।

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी सिटी अमृत जैन ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2024 से लगातार गौकशी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में थाना नई मंडी पर मुकदमा अपराध संख्या 530/2026



धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमे में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

एसपी सिटी ने बताया कि 14 नवंबर को थाना नई मंडी पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए ग्राम बागोवाली, ग्राम रथेड़ी तथा थाना सिविल लाइन क्षेत्र की मदीना कॉलोनी में दबिश दी। पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों से गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में पुलिस ने ऐसे आरोपियों को निशाने पर लिया, जिनके विरुद्ध गौकशी से संबंधित विभिन्न मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को संगठित अपराध के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। एक साथ 13 आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हलचल मच गई। गिरफ्तार आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सलमान पुत्र आकिल निवासी ग्राम बागोवाली, पाल्लू उर्फ वामीश पुत्र शकील निवासी बागोवाली हाल निवासी मदीना कॉलोनी, कल्लू उर्फ इरशाद पुत्र यासीन निवासी रथेड़ी, वसीम पुत्र आकिल और दानिश पुत्र आकिल निवासी बागोवाली शामिल हैं। इसके अलावा सीमा पत्नी इनाम, बेबी उर्फ शबाना पत्नी आलम, शाहिद पुत्र आलम और आलम पुत्र महमूद हसन निवासी ग्राम बागोवाली को गिरफ्तार किया गया है। वहीं एना उर्फ सोनू उर्फ कलीम पुत्र शकील, नदीम पुत्र शकील और मुन्ना पुत्र महमूद निवासी मदीना कॉलोनी तथा गुलबहार पुत्र बाबू निवासी गांव दतियाना थाना छपार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस प्रकार पुलिस ने अलग-अलग गांवों और कॉलोनियों में कार्रवाई कर कुल 13 आरोपियों को गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। आरोपी सलमान के विरुद्ध गौवध अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, लूट और शस्त्र अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। उसके विरुद्ध वर्ष 2015, 2017, 2019, 2024 और 2026 के मुकदमों का उल्लेख पुलिस ने किया है।

आरोपी पाल्लू उर्फ वामीश और कल्लू उर्फ इरशाद के विरुद्ध भी गौकशी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। वसीम के खिलाफ वर्ष 2015 और 2026 के मुकदमों का विवरण सामने आया है, जबकि दानिश के विरुद्ध वर्ष 2016, 2025 और 2026 में गौवध अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज हैं। इसी तरह सीमा, बेबी उर्फ शबाना, शाहिद और आलम के विरुद्ध वर्ष 2026 में गौवध अधिनियम के तहत मुकदमे दर्ज हैं। एना उर्फ सोनू उर्फ कलीम के खिलाफ गौकशी, शस्त्र अधिनियम और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। नदीम, मुन्ना और गुलबहार के विरुद्ध भी गौकशी से संबंधित मुकदमों के अलावा अन्य आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है।

मुजफ्फरनगर में छठ महापर्व की धूमः नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान शुरू, बजरंगी विहार में सजाए गए घाट

अलमासपुर स्थित बजरंगी विहार में समिति ने पूरी की तैयारियां, लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर फूलों और केले के पत्तों से दमकेंगे घाट

मुजफ्फरनगर। सूर्य उपासना, प्रकृति प्रेम और लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार से पारंपरिक 'नहाय-खाय' के अनुष्ठान के साथ शुरू हो रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों, विशेषकर अलमासपुर स्थित बजरंगी विहार में इस महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और संतान की दीघार्यु की कामना के साथ महिलाएं पूरे विधि-विधान से सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करेंगी।

फूलों और केले के पत्तों से सज रहा बजरंगी विहार का घाट

छठ पूजा समिति के पदाधिकारियों छोटूलाल गुप्ता, वीरेंद्र यादव और शिव कुमार यादव ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अलमासपुर के बजरंगी विहार में छठ महोत्सव को भव्य और दिव्य रूप देने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और पवित्रता को ध्यान में रखते हुए अर्घ्य स्थल और घाट की विशेष साफ-सफाई की गई है। पूजा के लिए



घाट को रंग-बिरंगे फूलों, केले के पत्तों और आकर्षक रोशनी से सजाया जा रहा है। खरना के साथ शुरू होगा 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत

चार दिवसीय इस महापर्व के दूसरे दिन यानी शनिवार, 14 नवंबर को 'खरना' का अनुष्ठान संपन्न होगा। इस दिन व्रती महिलाएं दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को मिट्टी के चूल्हे पर बनी गुड़ की खीर और रोटी का विशेष प्रसाद तैयार कर ग्रहण करेंगी। खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों का लगभग 36 घंटे का अत्यंत कठिन निर्जला उपवास प्रारंभ हो जाएगा, जो सप्तमी के दिन सुबह पारण के साथ खुलेगा। 15 को डूबते और 16 नवंबर को उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

पर्व के तीसरे दिन रविवार, 15 नवंबर की शाम को मुख्य 'संध्या अर्घ्य' दिया जाएगा। इस अवसर पर व्रती अपने पूरे परिवार और ढोल-नगाड़ों के साथ सजे-धजे घाट पर पहुंचेंगी और जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्यदेव को पहला अर्घ्य अर्पित करेंगी। इसके अगले दिन सोमवार, 16 नवंबर की सुबह ब्रह्म मुहूर्त में व्रती पुनः घाट पर पहुंचकर उदीयमान (उगते) सूर्य को 'उषा अर्घ्य' देंगी। इसके पश्चात प्रसाद वितरण और पारण के साथ चार दिवसीय महापर्व का विधिवत समापन होगा।

नशे के कारोबार पर पुलिस का बड़ा प्रहार, एक करोड़ का 174 किलो गांजा पकड़ा; ट्रक चालक गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर यूपी और उत्तराखंड के कई जिलों में की जा रही थी सप्लाई

मुजफ्फरनगर। जनपद में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत नई मंडी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पचेंडा पुल के पास हाईवे पर चेकिंग के दौरान एक ट्रक से 174 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक को भी कब्जे में ले लिया है। इस मामले में ट्रक मालिक और तस्करी में शामिल बताया जा रहा आसिफ फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली मच गई है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी सिटी आनंद देव मिश्र के निर्देशन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के विरुद्ध ऑपरेशन सवेरा चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साहू तथा थाना प्रभारी नई मंडी



आनंद देव मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम लगातार नशा तस्करों की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। एसपी सिटी ने बताया कि 14 नवंबर को नई मंडी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मेरठ की ओर से एक ट्रक आ रहा है, जिसमें भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर ले जाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने पचेंडा पुल के पास हाईवे पर सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। इसी दौरान मेरठ की ओर से एक संदिग्ध ट्रक आता दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रुकवाकर उसकी गहन तलाशी ली तो उसमें छिपाकर रखा गया 174 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने तत्काल ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार चालक रहीश पुत्र नजीर अहमद निवासी गांव भैसरहेड़ी थाना छपार ने बताया कि वह ट्रक चलाने का काम करता है। यह ट्रक आसिफ पुत्र रफीक निवासी भैसरहेड़ी का है। आरोपी के अनुसार वह अपने साथियों के साथ ट्रक में सामान लेकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र आदि राज्यों में जाता था। वहां से वापसी के दौरान आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम से कम कीमत पर गांजा खरीदकर ट्रक में छिपा लिया जाता था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि गांजे को मुजफ्फरनगर लाने के बाद मुजफ्फरनगर, शामली, रुड़की, देहरादून और आसपास के अन्य जनपदों में ऊंचे दामों पर सप्लाई किया जाता था। इस अवैध कारोबार से मोटा आर्थिक लाभ कमाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार ट्रक मालिक आसिफ भी इस तस्करी में शामिल था और वह ट्रक में रहीश के साथ मौजूद था। रास्ते में आगे मिलने की बात कहकर आसिफ ट्रक से उतर गया था। इसके बाद रहीश ट्रक लेकर आगे बढ़ रहा था, तभी पुलिस ने उसे गांजे के साथ पकड़ लिया। नई मंडी पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से कुल 174 किलोग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल किया जा रहा ट्रक संख्या HR73A9532 भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने इस मामले में थाना नई मंडी पर मुकदमा अपराध संख्या 533/2026 धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया है। ट्रक मालिक आसिफ की तलाश में पुलिस,

तस्करी के नेटवर्क की होगी जांच

एसपी सिटी अमृत जैन ने बताया कि इस मामले में ट्रक मालिक आसिफ पुत्र रफीक निवासी भैसरहेड़ी थाना छपार वांछित है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। इसके साथ ही गिरफ्तार और फरार आरोपियों के आगे और पीछे के संपर्कों की जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि गांजे की खरीद कहां से की जाती थ



छठ पूजा महापर्व किस दिन है मुख्य अर्घ्य

छठ पूजा लोक आस्था, पवित्रता और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का सबसे बड़ा महापर्व है। मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में यह त्योहार बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पावन व्रत में भगवान सूर्य, छठी मइया, जल, मिट्टी और मौसम की नई फसलों (जैसे गन्ना, ठेकुआ और मौसमी फल) का पूजन कर प्रकृति का धन्यवाद किया जाता है। वर्ष 2026 में छठ पूजा का महापर्व 13 नवंबर से 16 नवंबर 2026 तक चलेगा।

मुख्य पर्व का दिन

संध्या अर्घ्य (मुख्य पूजा): 15 नवंबर 2026, दिन रविवार

पहला दिन: नहाय-खाय (13 नवंबर)

विधि: इस दिन व्रती पवित्र नदी या जलस्रोत में स्नान करके घर और रसोई की पूर्ण स्वच्छता करते हैं।

खान-पान: सात्विक भोजन के रूप में कद्दू-भात (लौकी की सब्जी और चावल) तथा चने की दाल ग्रहण की जाती है।

दूसरा दिन: खरना (14 नवंबर)

विधि: व्रती दिनभर निर्जला उपवास रखते हैं। शाम को पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद तैयार किया जाता है।

प्रसाद: गुड़ की खीर (रसियाव) और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है।

महत्व: इसी के साथ व्रतियों का 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत प्रारंभ होता है।

तीसरा दिन: संध्या अर्घ्य (15 नवंबर)

विधि: इस दिन व्रती और श्रद्धालु नदी, तालाब या घाट पर एकत्र होकर अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्यदेव को प्रथम अर्घ्य अर्पित करते हैं।

समय: सूर्यास्त का समय शाम 05:27 बजे रहेगा (स्थान के अनुसार समय में थोड़ा अंतर संभव है)।

विशेष: रात में घरों और घाटों पर कोसी भरने की परंपरा निभाई जाती है और लोकगीतों का आयोजन होता है।

चौथा दिन:

उषा अर्घ्य एवं पारण (16 नवंबर)

विधि: सुबह-सवेरे घाट पर पहुंचकर उदीयमान (उगते) सूर्यदेव को दूसरा अर्घ्य दिया जाता है।

समय : सूर्योदय का समय सुबह 06:44 बजे रहेगा।

पारण: अर्घ्य देने के बाद व्रती प्रसाद और अन्न-जल ग्रहण करके अपना 36 घंटे का महाव्रत (पारण) पूरा करते हैं।

छठ पूजा में भूलकर भी न करें ये गलतियां

- छठ पर्व के दिनों में भूलकर भी मांसाहारी चीजों का सेवन न करें। साथ ही छठ पूजा के दिनों में लहसुन व प्याज का सेवन भी न करें।
- इस दौरान व्रत रख रही महिलाएं सूर्य देव को अर्घ्य दिए बिना किसी भी चीज का सेवन न करें।
- छठ पूजा का प्रसाद बेहद पवित्र होता है। इसे बनाते समय भूलकर भी इसे जूठा न करें।
- पूजा के लिए बांस से बने सूप और टोकरी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। पूजा के दौरान कभी स्टील या शीशे के बर्तन प्रयोग न करें।
- साथ ही प्रसाद शुद्ध घी में ही बनाया जाना चाहिए।





भगवान सूर्य और छठ माता को समर्पित है छठ पूजा का व्रत

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक

भारत के अधिकाधिक पर्वों की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय श्रृंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गढ़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.





5 महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना अधूरा है पर्व

षष्ठी देवी, छठ माई या कहें कि सूर्य षष्ठी के अवसर पर पूजन में कोई भी कमी नहीं रहना चाहिए। यहां प्रस्तुत है 5 ऐसी महत्वपूर्ण सामग्री जिनके बिना पर्व की परंपरा अधूरी मानी जाती है।

- छठ पूजा में बांस की टोकरी का विशेष महत्व होता है। इसमें अरघ्य का सामान पूजा स्थल तक लेकर जाते हैं और भेंट करते हैं।
- दूसरी चीज होती है ठेकुआ। गुड़ और गेहूं के आटे से बना ठेकुआ छठ पर्व का प्रमुख प्रसाद है। इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है।
- गन्ना पूजा में प्रयोग किया जाना वाला प्रमुख सामग्री होता है। गन्ना से अरघ्य दिया जाता है और घाट पर घर भी बनाया जाता है।
- छठ पूजा में केला का प्रसाद के बिना पूजा अधूरी मानी जाती है । छठ में केले का पूरा गुच्छा छठ मइया को भेंट किया जाता है।
- शुद्ध जल और दूध का लोटा.यह अरघ्य देने के काम आएगा और अरघ्य ही इसी पूरी पूजा के केन्द्र में होता है।

छठ धार्मिक के साथ सांस्कृतिक पर्व भी

लोक आस्था का महापर्व है छठ। परम नियम-निष्ठा और सात्विकता के साथ चार दिवसीय यह पर्व नहाय-खाय से शुरू हो गया। रांची में बिहार, यूपी और झारखंड सहित अन्य प्रांतों के लोग भी इस पर्व को लेकर बहुत उत्साहित हैं।

आस्था, श्रद्धा और विश्वास का पर्व है छठ पर्व। सूर्य की अराधना होती है, उपासना होती है। भारत वर्ष में जब कभी ऋतु परिवर्तन होता है तो उस समय एक न एक त्योहार अवश्य होता है। इस समय ठंड का मौसम दस्तक देने लगा है। उसकी तैयारी अर्थात उसके स्वागत की तैयारियों का प्रारंभ छठ व्रत उपवास से प्रारंभ हो जाता है। सूर्य दक्षिणायन होते है। जिससे तापमान मे कमी होने लगती है। छठ व्रत बिहार की संस्कृति का एक हिस्सा है। यह धार्मिक पर्व के साथ-साथ सांस्कृतिक पर्व भी है। समय जरूर बदला है किंतु बिहार की संस्कृति नहीं बदली है। छठ के घाटों पर मेला लगा रहता है। बेहिचक लोग परिचित-अपरिचित सभी से प्रसाद की याचना करते हैं। इस प्रसाद को पाना ही बड़ी उपलब्धि मानते हैं तथा बड़ी श्रद्धा से ग्रहण करते हैं। केला, मूली, नींबू, नारियल, अदरक, ईख, गेहूँ के आटे से बना ठेकुआ, सबकुछ किसान खुद ही उपजाता था। जिस बाँस की टोकरी में अर्घ्य का यह सारा सामान रखा जाता है, वह भी खेती-किसानी करने वाले लोग खुद ही बना लेते थे। यह दीगर बात है कि शहरों में आ चुके पुरबिया लोगों को अब यह सारा सामान बाजार से खरीदना पड़ता है। लेकिन छठ पूजा का बाजार भी बिल्कुल अलग है। आज भी सारा सामान पटना और बनारस से आता है। जाहिर तौर पर छठ पूजा के रंग भी सबसे ज्यादा यही दिखाई देते हैं।



यह धरती हमारी है,
हम इसके रक्षक हैं।"
-भगवान बिरसा मुंडा

उत्तर प्रदेश सरकार | उत्सव प्रदेश

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर
स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत



25 लाख
टैबलेट वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन

एवं

लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव जनपदों के 300 शैक्षणिक संस्थानों के 50,000+ छात्र-छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरण

द्वारा

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन.आर.आई. तथा निवेश प्रोत्साहन, उत्तर प्रदेश

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश

सुनील कुमार शर्मा
मंत्री, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, उत्तर प्रदेश

दयाशंकर सिंह
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परिवहन, उत्तर प्रदेश

जसवन्त सिंह सैनी
राज्य मंत्री, संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास, उत्तर प्रदेश

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश

सुषमा खर्कवाल, महापौर, लखनऊ | डॉ. लाल जी प्रसाद निर्मल, सदस्य, विधान परिषद | मुकेश शर्मा, सदस्य, विधान परिषद | रामचंद्र प्रधान, सदस्य, विधान परिषद | डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह, सदस्य, विधान परिषद | उमेश द्विवेदी, सदस्य, विधान परिषद

जय देवी, विधायक, मलिहाबाद | डॉ. नीरज बोरा, विधायक, लखनऊ उत्तर | ओ.पी. श्रीवास्तव, विधायक, लखनऊ पूर्व | योगेश शुक्ला, विधायक, बक्शी का तालाब | अमरेश कुमार, विधायक, मोहनलालगंज | एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 15 नवंबर, 2026 | समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे | स्थान : राष्ट्र प्रेरणा स्थल, बसंत कुंज, लखनऊ



योजना से आच्छादित विभाग एवं संस्थान : उच्च शिक्षा विभाग | तकनीकी शिक्षा विभाग | प्राविधिक शिक्षा (डिप्लोमा) विभाग | कौशल विकास विभाग | औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) विभाग | चिकित्सा शिक्षा विभाग | पैरामेडिकल एवं नर्सिंग विभाग | बेसिक शिक्षा विभाग-D.El.Ed | आयुष विभाग | सेवा मित्र पोर्टल पर पंजीकृत कुशल श्रमिक | सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अंतर्गत विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद (ODOP) प्रशिक्षण योजना | कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग | दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग | संस्कृति विभाग के अंतर्गत भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय | पशुधन विभाग के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विवि | उत्तर प्रदेश में स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय

वर्ष 2021-22 से अब तक 60 लाख विद्यार्थियों को टैबलेट/स्मार्टफोन वितरित

युवा शक्ति की क्षमता अपार-अब हो रहे सपने साकार

UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076

विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

संक्षिप्त समाचार

दोस्त की कार मांगकर तीर्थयात्रा पर निकले थे युवक, दिल्ली के शंकर विहार फ्लाईओवर पर गाड़ी जलकर हुई खाक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शंकर विहार फ्लाईओवर पर एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे गाड़ी पूरी तरह



जलकर खाक हो गई। राहत की बात यह रही कि कार में सवार लोगों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली और हादसे में किसी को कोई शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचा। घटना के समय कार चला रहे सौरभ जैन ने बताया कि यह गाड़ी उनके एक दोस्त की थी, जिसे वे बालाजी, सालासर और खाटू श्याम जी की तीर्थयात्रा पर जाने के लिए मांगकर लाए थे। तीर्थयात्रा से वापस लौटते समय उन्हें कुछ दूरी पर गाड़ी से धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। स्थिति को भांपते हुए उन्होंने तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोका और सभी लोग फौरन कार से बाहर निकलकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। कार से बाहर निकलने के कुछ ही पल बाद गाड़ी ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरी तरह जल गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने के सटीक कारणों के बारे में अभी विस्तृत जानकारी सामने आनी बाकी है।

मंदिर और तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी एएसआई को सौंपने के खिलाफ तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में उस याचिका का कड़ा विरोध किया है,



जिसमें अरुल्मिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर और तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी का नियंत्रण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को सौंपने और पारंपरिक कार्तिगई दीपम समारोहों में बदलाव की मांग की गई है। हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर अब 17 नवंबर को सुनवाई होगी। मदुरै के अरुल्मिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम को लेकर विवाद इस बात पर है कि तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी पर पवित्र दीपक कहां और किसके द्वारा जलाया जाना चाहिए। दशकों से पारंपरिक दीपक, पहाड़ी की निचली ढलान पर उचिपिल्लैयार मंदिर के पास स्थित दीप मंडपम में जलाया जाता रहा है। हिंदू संगठनों ने पहाड़ी पर ऊपर स्थित प्राचीन पत्थर के दीप स्तंभ दीपथून पर दीपक जलाने की अनुमति मांगी थी। यह स्तंभ हजरत सुल्तान सिकंदर बदूशा औलिया दरगाह से करीब 50 मीटर दूर है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पांचोली की पीठ के समक्ष दाखिल हलफनामे में तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग (एचआरएंडसीई) ने उस याचिका का विरोध किया, जिसमें एएसआइ को मंदिर और तिरुप्परंकुंद्रम पहाड़ी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने का निर्देश देने की मांग की गई है। विभाग ने कहा कि मंदिर के स्वामित्व और मौजूदा धार्मिक परंपराओं पर दशकों की न्यायिक कार्यवाही के बाद फैसला हो चुका है। एचआरएंडसीई आयुक्त टीजी विनय ने कहा कि पहाड़ी पर अरुल्मिगु सुब्रमण्यस्वामी मंदिर, तिरुप्परंकुंद्रम का उतना ही स्वामित्व है, जितना 1923 के दीवानी अदालत के फैसले में मान्य किया गया था। हलफनामे में याचिकाकर्ता हिंदू धर्म परिषद की ओर से मांगी गई तीन राहतों का विरोध किया गया है। एएसआइ को सौंपना, दीपथून बताए जा रहे पत्थर के स्तंभ पर चौबीसों घंटे दीपक जलाए रखना और कार्तिगई दीपम के दौरान पूरी पहाड़ी को दीपकों से रोशन करना शामिल है। जवाबी हलफनामे में कहा गया कि पहाड़ी पर कई जगहों पर खासकर दरगाह के आसपास दीपक जलाने की अनुमति देने से मौजूदा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

भारत मंडपम में ट्रेड फेयर शुरू

ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी जारी; 27 नवंबर तक दिल्ली में कई रास्तों से बचें

नई दिलली, एजेंसी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में शनिवार से 27 नवंबर तक आयोजित होने वाले व्यापार मेले के दौरान राजधानी की प्रमुख सड़कों पर यातायात प्रभावित रह सकता है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन ने ट्रैफिक, पार्किंग और कैब-ऑटो की आवाजाही को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मेले में नहीं जाने वाले लोगों को कुछ प्रमुख मार्गों से बचने और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। व्यापार मेले के दौरान मथुरा रोड, भैरों मार्ग, रिंग रोड, शेरशाह रोड, पुराना किला रोड, भगवान दास रोड और तिलक मार्ग पर



यातायात प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि यदि उन्हें मेले में नहीं जाना है तो इन रास्तों से बचें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। बिजनेस विजिटर्स के लिए टाइम तय मेले में बिजनेस विजिटर्स के लिए 14 से 18 नवंबर तक सुबह 9:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। इसके लिए गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 निर्धारित किए गए हैं। मेले के टिकट आनलाइन और मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होंगे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर टिकट नहीं मिलेंगे। कैब और ऑटो से आने-जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भैरों मार्ग के दोनों तरफ 25 पिकअप प्वॉइंट पिलर बनाए गए हैं। यात्रियों को इन्हीं निर्धारित स्थानों से वाहन लेने की सलाह दी गई है। बाहर कैब या ऑटो का इंतजार करने और वहां से वाहन में बैठने से बचने को कहा गया है।

इन जगहों पर कर सकेंगे वाहनों की पार्किंग

आईटीपीओ बेसमेंट, भैरों मंदिर पार्किंग और भारत मंडपम बेसमेंट-2 में वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की गई है। आईटीपीओ बेसमेंट- भैरों मार्ग और रिंग रोड टनल से पहुंच सकेंगे। भारत मंडपम बेसमेंट-2- प्रगति टनल और मथुरा रोड अंडरपास-4 से पहुंचने की व्यवस्था है। आईटीपीओ परिसर- परिसर के अंदर पार्किंग प्रतिबंधित रहेगी। पैदल आने-जाने के लिए निर्धारित किए गए गेट पैदल आने वाले लोगों के लिए प्रवेश के लिए गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 निर्धारित किए गए हैं। वहीं, बाहर निकलने के लिए गेट नंबर 3, 4, 7, 9 और 10 का इस्तेमाल किया जा सकेगा।

दिल्ली में दो नाबालिगों ने की बदमाश सोनू कांचा की हत्या, रुपये छीनने का था विवाद; दोनों आरोपी गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में नंद नगरी इलाके में रुपये छीनने से परेशान होकर दो नाबालिगों ने गुरुवार देर रात एक बदमाश की पार्क में चाकू से ताबड़तोड़ वार करके हत्या कर दी। नशा करने का पदार्थ खरीदने के लिए बदमाश ने दीवाली पर नाबालिगों से रुपये छीने थे। मृतक की पहचान नेपाल मूल के सोनू कांचा के रूप में हुई है। नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पकड़ा है। उनकी उम्र 16 व 17 वर्ष है। पुलिस ने नाबालिगों के पास से चाकू भी बरामद कर लिया है। बदमाश सोनू कांचा पर लूट झपटमारी समेत 15 आपराधिक केस दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि गुरुवार



देर रात 12:30 बजे सूचना मिली कि गगन सिनेमा के पास पार्क में खून से लथपथ एक युवक का शव पड़ा है। पास ही शराब की बोतल व ग्लास भी है। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, दोनों नाबालिगों ने पूछताछ में बताया कांचा उनसे मारपीट करता था और कहता था कि वे उसके लिए लूट व झपटमारी करें। दीवाली पर दोनों नाबालिगों को घर से जो रुपये मिले थे, कांचा ने वो रुपये दोनों से छीन लिए। इसके बाद दोनों नाबालिगों ने कांचा की हत्या की योजना बनाई। उन्होंने एक दुकान से तीन सौ रुपये का चाकू खरीदा। चाकू लेकर वह पार्क गए। कांचा शराब पी रहा था, उसी दौरान उन्होंने पेट, सीने, व कमर पर पांच से छह वार कर कांचा की हत्या कर दी।

दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण पर सख्ती, बॉडी कैमरों से लैस होंगी वायु रक्षक टीमें; अधिकारी करेंगे लाइव निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार वायु रक्षक टीमों को बाडी वार्न कैमरों से लैस करने जा रही है। इसके तहत 100 बाडी कैमरे खरीदे जाएंगे। 100 प्रवर्तन टीमों के एक-एक सदस्य को ये कैमरे दिए जाएंगे, जिन्हें फील्ड में कार्रवाई के दौरान चालू रखना अनिवार्य होगा। कैमरों से लाइव फुटेज देख सकेंगे अधिकारी अधिकारियों के मुताबिक, इन कैमरों का इस्तेमाल प्रदूषण संबंधी शिकायतों पर कार्रवाई, विभिन्न स्थलों के निरीक्षण और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों के खिलाफ अभियान के दौरान किया जाएगा। खास बात यह है कि इन कैमरों से मिलने



वाली लाइव फुटेज इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) में बैठे अधिकारी भी देख सकेंगे। इससे फील्ड में तैनात टीमों की गतिविधियों पर वास्तविक समय में नजर रखी जा सकेगी। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई में किसी तरह की लापरवाही की गुंजाइश कम होगी। साथ ही, कार्रवाई के दौरान टीमों के कामकाज की निगरानी और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक जवाबदेह बनाया जा सकेगा। फिलहाल 300 से अधिक संयुक्त प्रवर्तन टीमें तैनात हैं, जिन्हें वायु रक्षक नाम दिया गया है। इनमें दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), नगर निगम (एमसीडी) और सिविल डिफेंस के कर्मचारी शामिल हैं।

पड़ोसी देशों में यूरिया की तस्करी की आशंका, सीएजी ने 169 जिलों में शुरू की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने उर्वरक सब्सिडी का परफॉरमेंस ऑडिट शुरू कर दिया है। इसमें खास तौर पर इस बात की जांच की जाएगी कि क्या सब्सिडी वाले यूरिया का इस्तेमाल औद्योगिक कार्यों के लिए किया जा रहा है या फिर इसे पड़ोसी देशों में तस्करी करके भेजा जा रहा है। सीएजी ने इस साल जून में ऑडिट का काम शुरू किया है। इसके तहत 15 राज्यों के 169 जिलों से सैंपल डेटा इकट्ठा किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इनमें 149 ऐसे जिले शामिल हैं जहां यूरिया की खपत राष्ट्रीय और राज्य दोनों ही औसत से अधिक है। यह ऑडिट 2027 के मध्य तक पूरा होने की संभावना है और इसकी रिपोर्ट संसद के शीतकालीन सत्र में पेश की जा सकती है। पिछले वित्तीय वर्ष में सरकार ने यूरिया और पोटेशियम-पोटासिक पोषक तत्वों सहित उर्वरकों पर सब्सिडी के रूप में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये खर्च किए थे। इस वित्तीय वर्ष के लिए केंद्र सरकार ने उर्वरक सब्सिडी के रूप में 1.71 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा है, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण यह आंकड़ा काफी बढ़ सकता है। सूत्रों ने बताया कि यह ऑडिट मौजूदा और अगले वित्तीय वर्ष को कवर करेगा और यूरिया उर्वरक से जुड़े सभी



पहलुओं की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि इसके मुख्य उद्देश्यों में यूरिया की मांग का आकलन, औद्योगिक उपयोग के लिए यूरिया का डायवर्जन (अन्यत्र इस्तेमाल), पड़ोसी राज्यों में तस्करी, यूरिया के उपयोग को कम करने के लिए सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता, यूरिया संयंत्रों की ऊर्जा दक्षता और आयात की योजना बनाना आदि शामिल हैं। यह ऑडिट उर्वरकों की आवाजाही की प्रक्रिया, उनके परिवहन की व्यवस्था, माल ढुलाई सब्सिडी (फ्रेट सब्सिडी) और इससे जुड़ी निगरानी व नियंत्रण प्रणाली की भी जांच करेगा। केंद्रीय ऑडिटर यूरिया सब्सिडी ढांचे की मांग और दक्षता का आकलन करेंगे। यही इस ऑडिट के कार्यक्षेत्र का हिस्सा भी है। 149 जिलों में यूरिया की खपत, राष्ट्रीय और राज्य औसत से अधिक होने के कारण सरकार चिंतित है। यूरिया के कथित डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) की जांच के लिए चुने गए 169 जिलों में वे 149 जिले शामिल हैं, जिन्हें सीएजी ने उनकी खपत के पैटर्न के आधार पर चुना था, क्योंकि वहां की खपत राज्य और राष्ट्रीय औसत से अधिक थी।

दिल्ली मेट्रो की 5 ट्रेनों में लगा एंटी-ड्रैग सिस्टम, दरवाजे में कुछ भी फंसा तो अपने आप रुकेगी ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो के दरवाजे में साड़ी का पल्लू, बैग का स्ट्रैप या पानी की बोतल की डोरी फंसने पर ट्रेन चलेगी ही नहीं, बल्कि अपने आप ही



रुक जाएगी। इसके लिए मेट्रो ट्रेन के दरवाजों पर एंटी ड्रैग प्रणाली लगाई जा रही है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पांच मेट्रो ट्रेनों में इसकी शुरुआत की गई है। इसके सफल होने पर अन्य ट्रेनों में यह प्रणाली लगाई जाएगी। इससे पहले पांच मिलीमीटर पतला सामान फंसने पर भी दरवाजा बंद नहीं होगा। यह प्रणाली विशेष तौर पर उन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगाई जा रही है, जिसमें यात्री दरवाजे में फंसकर प्लेटफॉर्म पर घसीटे जाते हैं। मेट्रो के दरवाजे में अभी सेंसर लगे हुए हैं, जिससे कोई भी सामान फंसने पर दरवाजे बंद नहीं होते हैं। इसके बावजूद दिसंबर, 2023 में इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर दरवाजे में फंसने से एक महिला की मौत हो गई थी।

जन्म से पहले ही गर्भ में शिशु की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी, एम्स में ऐसा पहली बार; 30 डॉक्टरों ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। एम्स दिल्ली के डॉक्टरों ने चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए गर्भ में पल रहे 25 सप्ताह के शिशु की रीढ़ की हड्डी की ओपन सर्जरी की है।

12 नवंबर को न्यूरोसाइंस सेंटर में 6 घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी को भारत में पहली बार की गई ओपन फीटल सर्जरी बताया गया है। इसमें गर्भस्थ शिशु की रीढ़ की हड्डी में जन्मजात खराबी को जन्म से पहले ही ठीक करने का प्रयास किया गया। इस सर्जरी में 30 से अधिक डाक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की बहुविषयक टीम शामिल रही। बच्चे को मायलोमेनिंगोसील नामक गंभीर जन्मजात बीमारी थी। इसमें रीढ़ की हड्डी का कुछ हिस्सा और उसे ढकने वाली झिल्लियां रीढ़ की हड्डी में बने खुले स्थान से बाहर निकल आती हैं। इससे तंत्रिका ऊतकों को नुकसान पहुंचता है।

जन्म के बाद ऐसे बच्चों में पैरों में लकवा, चलने-फिरने में परेशानी और दिमाग में पानी भरने (हाइड्रोसेफलस) जैसी समस्याएं हो सकती हैं। सामान्य तौर पर इसकी सर्जरी बच्चे के जन्म के बाद की



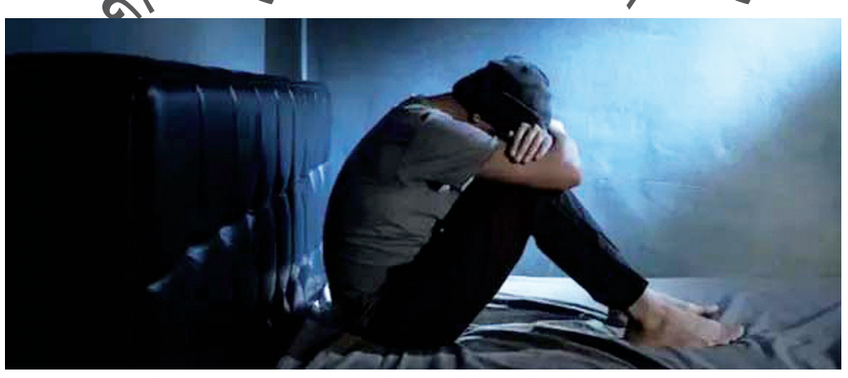
जाती है, लेकिन तब तक नसों को नुकसान पहुंच चुका हो सकता है। एम्स के अनुसार, इस सर्जरी की तैयारी पांच सप्ताह से अधिक समय तक चली। इसमें गर्भस्थ शिशु की विस्तृत जांच, अल्ट्रासाउंड और अन्य इमेजिंग, मां को बीमारी और सर्जरी के संभावित जोखिमों की जानकारी देने, एनेस्थीसिया की तैयारी और आपरेशन का अभ्यास शामिल था। न्यूरोसाइंस सेंटर में उच्च क्षमता वाली माइक्रोस्कोपी और लगातार अल्ट्रासाउंड की सहायता से सर्जरी की गई। न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रो. दीपक गुप्ता ने सर्जरी का नेतृत्व किया। मातृ-भ्रूण चिकित्सा एवं प्रसूति देखभाल की जिम्मेदारी प्रो. नीना मल्होत्रा और प्रो. के. अपर्णा शर्मा ने संभाली। एनेस्थीसियोलाजी विभाग की प्रो. विमि रेवरी और प्रो. रश्मि रामचंद्र और न्यूरोएनेस्थीसिया विभाग के प्रो. मिहिर प्रकाश पांडिया और प्रो. ज्ञानेंद्र पाल सिंह ने एनेस्थीसिया संबंधी जिम्मेदारी निभाई। रेडियोडायग्नोसिस विभाग की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. स्मिता मनचंदा ने सर्जरी से पहले की जांच और योजना बनाने में सहयोग किया।प्लास्टिक सर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. शशांक चौहान और बाल रोग विभाग के प्रो. रमेश के. अग्रवाल भी टीम में शामिल रहे। इसके अलावा प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की एडिशनल प्रोफेसर डॉ. अनुभूति राणा, एडिशनल प्रोफेसर डॉ. दीपली गर्ग और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सलोनी कंबोज ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नर्सिंग टीम सहित 30 से अधिक विशेषज्ञों और स्वास्थ्यकर्मियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया।प्रो. दीपक गुप्ता के अनुसार, गर्भ में सर्जरी का उद्देश्य बाहर निकले तंत्रिका ऊतकों को लगातार होने वाले नुकसान को सीमित करना है।

डब्ल्यूएचओ की मोजेक टूलकिट दिखाएगी राह

मेंटल हेल्थ से जूझ रहे 84% लोग, नहीं ले पाते इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे व्यक्ति को कई बार रोग से ज्यादा मुश्किल समाज का व्यवहार परेशानी देता है। उसे कमजोर समझना, पागल कहना, उसकी परेशानी का मजाक उड़ाना और उपचार लेने पर ताने देकर उसे चुप करा देता है। इस चुनौती से निपटने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मोजेक टूलकिट योजना जारी की है। इसमें मानसिक बीमारी को लेकर समाज की सोच बदलने के लिए स्कूलों, अस्पतालों, कार्यस्थलों, परिवारों और समुदायों में व्यवहार और व्यवस्था बदलने पर जोर दिया गया है।

इस मामले में देश की स्थिति राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण से समझी जा सकती है। इसमें 15 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से ग्रसित पाए गए। इनमें 84.5 प्रतिशत सामाजिक कलंक, जागरूकता की कमी, सांस्कृतिक मान्यताओं, उपचार की लागत और सेवाओं की



सीमित उपलब्धता के कारण उपचार नहीं करा पाते।

द जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ के शोधकर्ताओं की समीक्षा में भारत के अलग-अलग शहरों में हुए 26 अध्ययनों के विश्लेषण में सामाजिक कलंक को मानसिक स्वास्थ्य सहायता लेने में सबसे बड़ी बाधा पाया गया। किशोरों को डर रहता है कि परेशानी बताने पर उन्हें कमजोर समझा जाएगा, उनका मजाक उड़ाया जाएगा और उनके साथ अलग व्यवहार होगा। माता-पिता और शिक्षकों में सही जानकारी का अभाव तथा युवाओं के अनुकूल सेवाओं का अभाव समस्या को बढ़ा रहा है।

डब्ल्यूएचओ के यूरोपीय क्षेत्रीय कार्यालय ने इसे जारी किया है। मानसिक बीमारी से उबर चुके लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के अभियान से जोड़ना, उनके और समाज के बीच सीधा संवाद बढ़ाने तथा सरकार, स्वास्थ्यकर्मियों, परिवारों और सामाजिक संगठनों की साझेदारी से काम करने के तीन प्रमाण आधारित सिद्धांत इसकी विशेषता हैं, जिसकी भारत को सबसे ज्यादा आवश्यकता है। मानसिक बीमारी से उबर चुके लोगों की भागीदारी- जिन लोगों ने मानसिक बीमारी का सामना किया है, उन्हें अभियान का नेतृत्व करने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर देना। मानसिक बीमारी से पीड़ित लोगों और समाज के बीच बातचीत बढ़ाना, ताकि डर, गलत धारणाएं और भेदभाव खत्म हों।

स्वस्थ माता-पिता के बच्चे को भी हो सकता है एसएमए

नई दिल्ली। माता-पिता पूरी तरह स्वस्थ हों, फिर भी उनके बच्चे को स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी हो सकती है। इसका मुख्य कारण शरीर में मौजूद एसएमएन-1 जीन में खराबी या उसका गायब होना है। जीन शरीर के विकास और कामकाज से जुड़ी जरूरी जानकारियां रखते हैं। जब बच्चे को मां और पिता दोनों से इस जीन की खराब प्रति मिलती है तो वह इस बीमारी से पीड़ित हो सकता है। दोनों अभिभावक इस खराब जीन के वाहक हो सकते हैं, लेकिन उनमें बीमारी के लक्षण नहीं दिखाई देते। ऐसे दंपती की प्रत्येक गर्भावस्था में बच्चे को एसएमए होने की आशंका 25 प्रतिशत रहती है। सर गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ कंसल्टेंट न्यूरोलाजिस्ट एवं न्यूरोलाजी विभाग के सह-अध्यक्ष डा. अंशु रोहतगी के अनुसार एसएमए में रीढ़ की हड्डी और दिमाग के निचले हिस्से में मौजूद वे तंत्रिका कोशिकाएं धीरे-धीरे नष्ट होने लगती हैं, जो मांसपेशियों को काम करने का संदेश देती हैं। इससे मांसपेशियां कमजोर और सिकुड़ने लगती हैं। इस बीमारी के चार प्रकार हैं। टाइप-1 में जन्म से छह महीने तक, टाइप-2 में छह से 18 महीने तक लक्षण सामने आते हैं। टाइप-3 बचपन और किशोरावस्था में, जबकि टाइप-4 वयस्क अवस्था में शुरू होती है।

हिमाचल में बर्फबारी से बढ़ी ठिठुरन, रोहतांग-शिंकुला में आधा फीट हिमपात से रास्ते बंद; पर्यटकों के लिए एडवाइजरी जारी

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में रोहतांग, शिंकुला और बारालाचा दर्रे पर आधा फीट ताजा हिमपात दर्ज किया गया है। इसके कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बंद हो गई है।कई स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई है।हिमपात के बाद पर्यटकों के लिए एडवाइजरी जारी की है जिसमें एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। हिमपात और वर्षा के कारण ठंड बढ़ गई है। प्रदेश में नवंबर माह के दौरान एक दो स्थानों पर बूंदाबांदी के अलावा पूरी तरह से सूखा रहा है। प्रदेश में नवंबर माह में 13 दिनों के दौरान केवल 1.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जो सामान्य वर्षा 7.6 मिलीमीटर की अपेक्षा 84 प्रतिशत कम दर्ज की गई है।

प्रदेश में बीते चौबीस घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में कल्पा में 4.8 डिग्री, मनाली में 2.7, कुफरी में 1.9 डिग्री की गिरावट आई है। जबकि बिलासपुर में 4 डिग्री, भुंतर और कांगड़ा में 1.4 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई है।



मौसम साफ रहने का अनुमान: मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी किए गए ताजा पूर्वानुमान के अनुसार शनिवार को चंबा में कुछ स्थानों पर आंधी चलने की चेतावनी जारी की गई है। प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में कुछ एक स्थानों पर हिमपात और वर्षा का अनुमान है। जबकि कुछ एक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। 15 नवंबर के बाद प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर मौसम के साफ रहने का अनुमान है।

प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कुकुमसेरी में सबसे कम -2.4 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। ऊना में जहां पर पारा नवंबर के शुरूआत में आज तक का सबसे अधिक 34 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया था अब 30.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के आंकड़ों के अनुसार बीते चौबीस घंटों के दौरान चंबा के सलूणी में 3.2, केलंग में 3, कुकुमसेरी में 2.4, जोत में 2 और सराहन में 1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। जबकि प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 4.8 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंडी में न्यूनतम तापमान में 4.8, चंबा में 4.1, मनाली, कंगड़ा, सुंदरनगर में 3.6 डिग्री और कल्पा में 2 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री तक अधिक दर्ज किया गया।

प्रेमी का अपहरण कर हत्या कराने के लिए किशोरी ने दोस्तों को दी सुपारी; हमले में बाल-बाल बचा युवक

कोचि, एजेंसी। केरल के मलप्पुरम जिले में एक 19 वर्षीय युवती ने अपने प्रेमी से पीछा छुड़ाने के लिए अपने दोस्तों को उसका अपहरण करने, लूटने और हत्या करने की सुपारी दे दी। हालांकि, इस जानलेवा हमले में युवक किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहा, जिसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी युवती समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, पलक्कड़ जिले के पट्टाम्बी की रहने वाली 19 वर्षीय सफाना ने अपने प्रेमी को खत्म करने के लिए तिरूर की अपनी दो सहेलियों नादिया (20) और रबीबा (25) तथा दो पुरुष साथियों इरशाद (28) और अजहरुद्दीन (25) के साथ मिलकर साजिश रची। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस वारदात में शामिल दोनों पुरुष आरोपी इरशाद और अजहरुद्दीन हिस्ट्रीशीटर हैं। आरोपियों ने पट्टाम्बी निवासी युवक को देर रात बहला-फुसलाकर तिरूर बुलाया, जहां एक आरोपी उसे सफाना से मिलवाने के बहाने अपनी बाइक पर बैठाकर सुनसान जगह ले गया। वहां पहले से घात लगाए बैठे अन्य आरोपियों ने युवक को जबरन कार में खींच लिया, उसके साथ बेरहमी से मारपीट की और उसका मोबाइल फोन लूट लिया।

न्याय व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती

मध्य प्रदेश की लोअर कोर्ट्स में न्यायाधीशों के 384 पद खाली

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश की अदालतों में न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले पक्षकारों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन मुकदमों का फैसला सुनाने वाले न्यायिक अधिकारियों की उपलब्धता उस अनुपात में नहीं है।अधीनस्थ अदालतों में न्यायाधीशों के 384 पद खाली हैं। स्वीकृत 2,028 पदों के मुकाबले 1,644 न्यायिक अधिकारी ही कार्यरत हैं। इस तरह लगभग 19 प्रतिशत पद रिक्त हैं। यह स्थिति तब है, जब प्रदेश की जिला और अधीनस्थ अदालतों में 20 लाख 75 हजार से अधिक मुकदमे लंबित हैं। न्यायिक अधिकारियों की कमी न्याय व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौती बनती जा रही है।



केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से राज्यसभा में प्रस्तुत जानकारी में यह तथ्य सामने आया। एक सवाल के जवाब में बताया गया कि मध्य प्रदेश की अधीनस्थ न्यायपालिका में कुल 384 पद रिक्त हैं। यह आंकड़ा न्यायिक अधिकारियों की श्रेणियों में विभाजित है। कनिष्ठ श्रेणी में सबसे ज्यादा रिक्तियां

सरकारी आंकड़ों के अनुसार सिविल जज कनिष्ठ श्रेणी के 306 पद खाली हैं। सिविल जज वरिष्ठ श्रेणी के 11 और जिला न्यायाधीश संवर्ग के 67 पद रिक्त हैं। कुल रिक्तियों में लगभग 80 प्रतिशत हिस्सेदारी कनिष्ठ श्रेणी की है। इसका अर्थ है कि न्यायिक व्यवस्था की बुनियादी इकाई में ही मानव संसाधन की सबसे बड़ी कमी है। आम नागरिक के अधिकांश दीवानी और आपराधिक मुकदमों का प्रारंभिक न्यायिक सामना इसी स्तर पर होता है। प्रकरण में भर्ती के लिए समयबद्ध प्रक्रिया भी निर्धारित की है।

एक जज के हिस्से कितना काम

प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में 20 लाख 75 हजार 550 मामले लंबित हैं। दूसरी ओर 1,644 न्यायिक अधिकारी कार्यरत हैं। इस औसत के आधार पर प्रति कार्यरत न्यायिक अधिकारी लगभग 1,263 लंबित मुकदमे आते हैं। यह केवल सांकेतिक औसत है, क्योंकि अलग-अलग अदालतों में मुकदमों का वितरण और कार्यभार समान नहीं होता। फिर भी यह आंकड़ा कार्यभार की गंभीरता को समझने के लिए पर्याप्त है। केंद्र सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि जिला व अधीनस्थ अदालतों में न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति संबंधित हाई कोर्ट और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। संविधान के अनुच्छेद 233 और 234 के तहत नियुक्ति प्रक्रिया संचालित होती है।

महादेव सट्टा मामले में मोहित सोमानी के घर पहुंची सीबीआई; ईडी करेगी सौरभ चंद्राकर से पूछताछ

रायपुर, एजेंसी। महादेव सट्टा मामले में सीबीआइ ने शुक्रवार सुबह समता कालोनी निवासी मोहित सोमानी के घर दबिश देकर करीब दो घंटे तक जांच की। टीम दस्तावेज आदि जब्त कर ले गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, मोहित महादेव सट्टे के प्रमोटरों से जुड़ा रहा है। आरोप है कि उसने 35 लाख रुपये में सट्टा पैनल खरीदा था और महादेव 364 पैनल के माध्यम से आनलाइन बेटिंग नेटवर्क संचालित करता था। मोहित को नवंबर 2024 में रायपुर पुलिस ने कोलकाता के न्यू टाउन इलाके और रायग? पुलिस ने गोवा से गिरफ्तार किया था। वह रायगढ़ जेल में बंद है। सीबीआई की दूसरी टीम ने महासमुंद जिले में कारोबारी राधेश्याम अग्रवाल के घर दबिश दी। देर शाम तक कार्रवाई चली। सोना और नकली नोट छापे जाने की शिकायत पर यह कार्रवाई किए जाने की जानकारी है। हालांकि, सीबीआइ ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। महादेव सट्टा मामले के मुख्य आरोपित सौरभ चंद्राकर से अब ईडी मनी लांड्रिंग, हवाला के माध्यम से हुए लेन-देन और अवैध वित्तीय नेटवर्क को लेकर पूछताछ करेगी। शुक्रवार को विशेष अदालत में लंबी बहस के बाद सौरभ की सात दिन की रिमांड स्वीकृत की गई। आठ दिन की सीबीआई रिमांड पूरी होने के बाद सौरभ को बुधवार को रायपुर की विशेष अदालत में पेश किया गया था। इस दौरान ईडी ने उसे अपनी हिरासत में लेने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन अदालत ने उसे स्वीकार नहीं किया। ईडी को विशेष पीएमएलए अदालत में आवेदन करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद एजेंसी ने कानूनी प्रक्रिया पूरी कर प्रोडक्शन वारंट हासिल किया।



संक्षिप्त समाचार

टीएमसी सरकार में ग्रामीण आवास योजना में हुई गड़बड़ी की सीआईडी करेगी जांच

कोलकाता, एजेंसी। पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान बंगाल की ग्रामीण आवास योजना में अनियमितताओं को लेकर मुख्यमंत्री



शुभेंदु अधिकारी ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने अपात्र लाभार्थियों को सरकारी राशि लौटाने के लिए शुक्रवार को 30 नवंबर तक की समय-सीमा तय कर दी। निर्धारित अवधि में रकम वापस नहीं करने वालों को कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय नवान्न सभागार से मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना की दूसरी किस्त जारी करने के कार्यक्रम में यह चेतावनी दी। कहा कि जरूरत पड़ने पर सीआइडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित कर पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के मुताबिक, जांच में अब तक 12 हजार अपात्र लाभार्थियों की पहचान हुई है, जिन्होंने योजना के तहत सरकारी सहायता प्राप्त की थी। इनमें से एक हजार लोगों ने रकम वापस कर दी है, जबकि शेष 11 हजार लाभार्थियों से राशि की वसूली बाकी है। राज्य सरकार ने इन्हें 30 नवंबर तक रकम लौटाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने 57 हजार ऐसे लाभार्थियों का भी उल्लेख किया, जिनके नाम आवास योजना की सूची में सामने आए हैं। उन्होंने अधिकारियों को यह पता लगाने का निर्देश दिया कि इन लोगों के बैंक खातों में सरकारी सहायता कैसे पहुंची। साथ ही यह भी जांचने को कहा कि किन अधिकारियों ने इनके नामों की सिफारिश की थी। यदि जांच में अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी।

अजमेर में पकड़े गए एक ही परिवार के पांच संदिग्ध बांग्लादेशी

जयपुर, एजेंसी। अजमेर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए एक साल से अभियान जारी है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को एक ही परिवार के पांच संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया है। अब उच्च स्तरीय माध्यम से इनके निष्कासन की कार्रवाई की जाएगी। अजमेर जिले के पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि विशेष टीम ने दरगाह क्षेत्र में कई जगहों पर तलाशी ली। इनमें दरगाह बाजार, जालियां कब्रिस्तान, अंदरकोट, नई सड़क, तारागढ़ पहाड़ी, सिलावट मोहल्ला, बड़े पीर का चिल्ला, लंगरखाना गली, चश्मा-ए-नूर, त्रिपोलिया गेट, सोहले खंभा, झालरा और लाखन कोटड़ी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान टीम ने 63 वर्षीय माजिद अली का पता लगाया। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के मोहम्मदपुर स्थित जोहरी मोहल्ले का निवासी है। उसके साथ उसकी पत्नी फरजान खान, दो बेटे और एक बेटी भी मिले। परिवार वर्ष 2007 में अवैध रूप से सीमा पार कर दिल्ली पहुंचा था और फिर 2009 में अजमेर दरगाह में जियारत के लिए आया था।

पीएम की ओर से दीवाली पर आठ हजार रुपये की मदद वाले संदेश हैं फर्जी, गुजरात पुलिस ने सावधान रहने को कहा

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात पुलिस ने लोगों को उन फर्जी संदेश (मैसेज) से सावधान रहने को कहा है, जिनमें दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दीवाली पर 8,000 रुपये की नकद सहायता दे रहे हैं।पुलिस ने चेतावनी दी है कि इन संदेश के साथ दिए गए लिंक पर क्लिक करने से आपका वाट्सएप अकाउंट हैक हो सकता है और आपकी बैंकिंग की जानकारी चोरी हो सकती है। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि साइबर ठग इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर ये संदेश दे रहे हैं। वे त्योहार के मौसम और आसानी से पैसे मिलने का लालच देकर लोगों को नुकसान पहुंचाने वाले मोबाइल एप्लिकेशन डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं। कहा गया है कि इन फर्जी संदेशों में दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री की ओर से दिवाली के मौके पर लोगों को 8,000 रुपये दिए जा रहे हैं। लिंक पर क्लिक करने पर यूजर एक फर्जी वेबसाइट पर पहुंच जाते हैं, जहां दावा किया जाता है कि उन्हें इस नकद राशि के लिए चुना गया है। इसके बाद लोगों से कहा जाता है कि वे इस संदेश को पांच वाट्सएप या टेलीग्राम में या 20 दोस्तों को भेजें, ताकि यह खतरनाक लिंक और लोगों तक पहुंच सके। विज्ञप्ति के अनुसार, अगले चरण में यूजर से कहा जाता है कि वे मिलने वाली राशि का दावा करने के लिए अपना मोबाइल नंबर दर्ज करें।



मध्य प्रदेश के स्मारकों से नरवर किले की तोप सहित अब तक 142 धरोहर चोरी

भोपाल, एजेंसी। देश में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षित स्मारकों से प्राचीन मूर्तियां, शिल्प, शिलालेख, धातु की कलाकृतियां और स्थापत्य के ऐतिहासिक हिस्सों की चोरी के मामलों में मध्य प्रदेश पहले स्थान पर है। वर्ष 1960 से अब तक चोरी हुए 488 पुरावशेषों में 142 यानी 29.1 प्रतिशत मध्य प्रदेश के हैं। जबकि राजस्थान से 91 और उत्तर प्रदेश से 86 पुरावशेष चोरी हुए हैं। यह जानकारी एएसआइ की एक रिपोर्ट में सामने आई है। चोरी की गई अधिकतर धरोहरें अब तक बरामद नहीं हो सकी हैं। प्रदेश के गुना, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, भिंड, विदिशा, रायसेन, कटनी, खंडवा, सतना, दमोह और बड़वानी जिलों के मंदिरों से शिवलिंग, विष्णु और गणेश प्रतिमाएं, जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां, यक्ष प्रतिमाएं और मंदिरों के स्थापत्य हिस्से भी चोरी किए जा चुके हैं। ताजा मामला जुलाई 2026 में शिवपुरी के नरवर किले से 400 साल पुरानी 3.5 टन वजनी तोप की चोरी का है। पुलिस की जांच में यह तो पता लग गया कि यह तोप चोरी करके राजस्थान ले जाई गई, लेकिन उसे बरामद अभी भी नहीं किया जा सका है। मध्य प्रदेश से धरोहरों की चोरी में अंतरराष्ट्रीय तस्करी का नेटवर्क भी सामने आया। कटनी से 2006 में चोरी हुई करीब 2200 साल पुरानी भरहुत यक्षी को अमेरिका में करीब 80 करोड़ रुपये में बेचने की तैयारी थी। इसे 2011 में कारोबारी सुभाष कपूर के न्यूयार्क स्थित गोदाम से बरामद किया गया था। बाद में सुभाष कपूर को जर्मनी से गिरफ्तार किया गया। वह तिरुचि (तमिलनाडु) की केंद्रीय जेल में है। वहीं, नवंबर 2024 में मध्य प्रदेश से चोरी हुई सेलेस्टियल डांसर (देवता) की प्राचीन प्रतिमा अमेरिका से नवंबर 2024 में भारत वापस लाई गई। अमेरिका से 2026 में भारत वापस लाई गई पुरावस्तुओं में शामिल नृत्य करते गणेश की प्रतिमा भी मध्य प्रदेश से चोरी हुई थी। अगस्त 2026 में भोपाल में ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक में धरोहरों की पहचान, दस्तावेजीकरण और विदेश से वापसी के लिए सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके बाद से एएसआइ और मध्य प्रदेश पुरातत्व संचालनालय का सबसे अधिक जोर धरोहरों का दस्तावेजीकरण (डाक्यूमेंटेशन) को बेहतर करने पर है। चोरी की अधिकतर घटनाएं काफी पुरानी हैं।



सीतापुर में नौपालापुर पुलिस चौकी के पास युवक को मारी गोली, भाई ने भागकर बचाई जान

सीतापुर, एजेंसी। सीतापुर में नैपालापुर पुलिस चौकी से चंद कदमों की दूरी पर शुक्रवार रात एक युवक पर फायरिंग कर दी गई। हमलावरों ने उस पर चार राउंड गोलियां चलाईं। जिसमें युवक के पीठ में गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आस-पास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार पक्काबाग निवासी अब्दुल मोईन अपने भाई के साथ कार से नेपालापुर स्थित नमरा हॉस्पिटल में दवा लेने पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर सद्दाम पुत्र लल्लन, निवासी खैराबाद, अपने एक अन्य साथी के साथ वहां आ गया। आरोप है कि दोनों ने मोईन को घेर लिया और लड़ाई करते हुए उस पर गोलियां चला दीं। अचानक हुई फायरिंग से वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। चार राउंड गोलियां चलने के दौरान एक गोली मोईन की पीठ में जा लगी, जिससे वह घायल होकर वहीं गिर पड़ा। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और घायल को पास के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद लखनऊ रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

कनाडा में ड्रग तस्करी का भंडाफोड़, छह हथियार सहित 6 करोड़ 40 लाख का नशा बरामद; पंजाब मूल के 9 आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। कनाडा में नशा तस्करी के एक बड़े अंतरप्रांतीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने पंजाब मूल के नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये सभी एक संगठित गिरोह का हिस्सा थे, जो कनाडा के अलग-अलग प्रांतों से मैनिटोबा में कोकीन, मेथामफेटामाइन, केटामाइन और डॉक्टर की पर्ची पर मिलने वाली प्रतिबंधित दवाओं की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान करीब 9.70 लाख कनाडाई डॉलर कीमत (64078200 भारतीय रुपये) के नशीले पदार्थ, छह हथियार, 800 से अधिक कारतूस और 1.26 लाख कनाडाई डॉलर की नकदी बरामद की है। यह कार्रवाई विनिपेग पुलिस सेवा की संगठित अपराध इकाई की ओर से चलाए गए प्रोजेक्ट पिंक पैंथर के तहत की गई। पुलिस ने दिसंबर 2025 में इस मामले की जांच शुरू की थी। जांच का केंद्र एक ऐसे संगठित अपराध गिरोह को बनाया गया था, जिस पर ओंटारियो, ब्रिटिश कोलंबिया और अल्बर्टा से मैनिटोबा में नशीले पदार्थों की तस्करी करने का संदेह था। जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह नशीले पदार्थों की खेप एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने के लिए



अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल करता था। इसमें निजी यात्री वाहन, कूरियर सेवाएं, डाक के जरिए भेजे जाने वाले पार्सल और व्यावसायिक विमान शामिल थे। नशीले पदार्थों को पहले विनिपेग में निर्धारित ठिकानों पर पहुंचाया जाता था। वहां इन्हें जमा करने के बाद अवैध नशा कारोबार से जुड़े अलग-अलग लोगों के माध्यम से आगे सप्लाई किया जाता था।

कुल कीमत 9.70 लाख डॉलर 26 अगस्त 2026 को विनिपेग पुलिस ने कनाडा की सीमा सेवा एजेंसी, ओंटारियो प्रांतीय पुलिस, पील क्षेत्रीय पुलिस और रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस के सहयोग से विनिपेग और ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र में कई स्थानों पर छापामारी की। इस दौरान करीब 29 किलो मेथामफेटामाइन, तीन किलो केटामाइन, एलएसडी की 1800 गोलियां और 31 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। जब्त नशीले पदार्थों की कुल कीमत करीब 9.70 लाख कनाडाई डॉलर आंकी गई है। पुलिस ने नशीले पदार्थों के अलावा करीब 1.26 लाख कनाडाई डॉलर की नकदी, छह आग्नेयास्त्र, 800 से अधिक कारतूस और बिजली का झटका देने वाला एक हथियार भी बरामद किया। चार वाहन भी जब्त किए गए हैं। इनमें मर्सिडीज बेंज जीएलसी 300, शेवरले सिल्वराडो, शेवरले क्रूज और कैडिलैक सीटीएस शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार नौ आरोपितों में छह विनिपेग और तीन ओंटारियो के रहने वाले हैं। विनिपेग से गिरफ्तार आरोपितों की पहचान तरुणदेव सिंह (32), देविंदर सिंह (57), अमनदीप सिंह (47), मनदीप सिंह दत्ता (37), करणवीर सिंह (24) और मघनप्रीत बोपाराई (25) के रूप में हुई है। वहीं, ओंटारियो से तरनवीर संधू (37), करण जोशी (34) और मनजिंदर सिंह सग्गू (43) को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपितों के खिलाफ नशीले पदार्थों की तस्करी, अपराध से अर्जित संपत्ति रखने और हथियारों से जुड़े विभिन्न आरोप लगाए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कतर-तुर्किये ने मिलाए हाथ, खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर

इस्तांबुल, एजेंसी। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कतर और तुर्किये ने एक महत्वपूर्ण आपसी रक्षा समझौता किया है। शुक्रवार (स्थानीय समय) को इस्तांबुल में हुई सुप्रीम स्ट्रैटेजिक कमेटी की 12वीं बैठक के दौरान कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस समझौते को औपचारिक रूप दिया। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने का संकल्प लिया है। खाड़ी क्षेत्र में बढ़ती अशांति और तनाव के माहौल में यह समझौता बेहद अहम माना जा रहा है। तुर्किये के निदेशालय ऑफ कम्युनिकेशंस द्वारा जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी चर्चा की, जिसमें खाड़ी में शत्रुता को फिर से शुरू होने से रोकने, संवाद को बढ़ावा देने और शांति स्थापित करने के प्रयास शामिल थे। कतर के अमीरी दीवान के बयान के मुताबिक, यह समझौता इस्तांबुल के डोलमाबाचे पैलेस में हस्ताक्षरित किया गया। नहीं, रक्षा समझौते के अलावा भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई। कतर के अमीर शेख तमीम ने दोहा और अंकारा के बीच बढ़ती रणनीतिक साझेदारी पर जोर दिया। उन्होंने मौजूदा उपलब्धियों को आगे बढ़ाने और सहयोग के लिए नई प्राथमिकताओं की पहचान करने के महत्व पर बल दिया। राष्ट्रपति एर्दोगन ने भी आर्थिक संबंधों में प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले साल लागू हुए व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते ने दोनों देशों को अपने द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य के करीब ला दिया है। ऊर्जा क्षेत्र में भी कतर के साथ साझेदारी का विस्तार और विविधीकरण करने के तुर्किये के प्रयासों पर जोर दिया गया। रक्षा उद्योग में सहयोग भी लगातार बढ़ने की बात कही गई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय विकास पर भी गहन चर्चा की। एर्दोगन ने खाड़ी क्षेत्र में शत्रुता को फिर से शुरू होने से रोकने, संवाद को सुविधाजनक बनाने और शांति स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित पक्षों को राजनयिक माध्यमों से अपने मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आह्वान किया। तुर्किये के निदेशालय ऑफ कम्युनिकेशंस के अनुसार, चर्चा में गाजा पर इजरायल के हमले और क्षेत्र में मानवीय स्थिति, सीरिया में सामान्यीकरण की दिशा में उठाए गए कदम और लीबिया में नवीनतम घटनाक्रम भी शामिल थे। नहीं, यह समझौता तुर्किये के व्यापक क्षेत्रीय रक्षा सहयोग का हिस्सा है। आपसी रक्षा समझौते के अलावा, दोनों देशों ने उपभोक्ता संरक्षण और बाजार निगरानी, शिक्षा, और शांति, सुलह और संघर्ष समाधान में सहयोग को कवर करने वाले समझौतों और समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। सुप्रीम स्ट्रैटेजिक कमेटी के 12वें सत्र का एक संयुक्त विज्ञप्ति भी जारी किया गया। इससे पहले अगस्त में, तुर्किये, पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक क्षेत्रीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत यदि उनमें से कोई एक देश हमले का शिकार होता है तो अन्य दो उसकी सहायता के लिए आएंगे।

70 मासूमों का सौदागर बेनकाब: ब्रिटेन की अदालत ने भारतीय छात्र को सुनाई 30 साल कैद की सजा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के नॉर्थ-वेस्ट इंग्लैंड से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां चेस्टर क्राउन कोर्ट ने 27 साल के भारतीय छात्र बिलाल काजी को 30 साल की सख्त कैद की सजा सुनाई है। ब्रिटिश अधिकारियों ने आरोपी को एक सीरियल ऑनलाइन ग्रूमर करार दिया है। कोर्ट की सुनवाई में यह बात सामने आई कि आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर खुद को एक ब्रिटिश स्कूली छात्र बताता था और इंटरनेट के जरिए कम उम्र की मासूम बच्चियों को अपना निशाना बनाता था। आरोपी बिलाल काजी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अपनी उम्र और पहचान छिपाकर खुद को टीनएज लड़का रीस बताता था, ताकि 10 से 15 साल की मासूम बच्चियां उस पर आसानी से भरोसा कर सकें। ब्रिटिश पुलिस और क्राउन प्रोसीक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने शातिर तरीके से बच्चियों को अपने प्रेम जाल में फंसाया और उनसे आपत्तिजनक वीडियो तथा तस्वीरें मंगवाकर उनका मानसिक शोषण किया। जब पीड़ितों को यह अहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है और जिस लड़के को वे अपना हमदम समझ रही थीं, वह कोई और है, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। आरोपी बिलाल काजी ने उन प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को आधार बनाकर बच्चियों को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया था।

बांग्लादेश में हिंसा का भयावह चेहरा

2024 से अब तक अल्पसंख्यकों और आम लोगों की सुरक्षा पर डीआरपीडब्ल्यू ने जताई चिंता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हुए राजनीतिक परिवर्तन के बाद लोगों के जीवन, सुरक्षा और न्याय पाने के अधिकारों की किस हद तक रक्षा हो पाई है ? ऑस्ट्रेलिया की संस्था 'डेमोक्रेसी, राइट्स एंड परसिक्यूशन वॉच' की एक ताजा रिपोर्ट इसी मुद्दे पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस रिपोर्ट में भीड़ द्वारा की गई हत्याओं , पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में हुई मौतों, राजनीतिक विचारधारा के आधार पर की गई गिरफ्तारियों तथा धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों का ब्योरा दर्ज किया गया है।

रिपोर्ट का सबसे अहम निष्कर्ष यह है कि पीड़ित चाहे किसी भी राजनीतिक या सामाजिक वर्ग से आते हों, लगभग सभी मामलों में एक स्थिति एक जैसी दिखती है– और वह है न्याय व जवाबदेही की कमी। डीआरपीडब्ल्यू के विश्लेषण के मुताबिक, मामलों की निष्पक्ष जांच न हो पाने और अपराधियों को सजा न मिलने की वजह से हिंसा का यह सिलसिला लगातार जारी है।

रिपोर्ट में 'एन ओ सालिश केंद्र' के आंकड़ों का हवाला दिया गया है, जिसके अनुसार अगस्त 2024 से दिसंबर 2025 के बीच भीड़ द्वारा कम से कम 293 लोगों की हत्या की गई। इसके अलावा, 'ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी' ने जनवरी से सितंबर 2026 के बीच 398 घटनाओं में 187 मौतों को दर्ज किया। निगरानी करने वाले संगठनों ने इसी अवधि के लिए अलग-अलग आंकड़े दिए हैं। एएसके ने जनवरी से सितंबर 2026 के बीच भीड़ की हिंसा से 171 मौतें दर्ज कीं। रिपोर्ट में इन



आंकड़ों को अलग-अलग प्रस्तुत किया गया है।

यूके होम ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार, फरवरी से अगस्त 2026 के बीच भीड़ की हिंसा की घटनाओं में कमी आई थी। हालांकि, 'मानवाधिकार संस्कृति फाउंडेशन' ने अक्टूबर में भीड़ द्वारा हत्या के 32 मामले दर्ज किए, जो सितंबर में दर्ज 23 मामलों की तुलना में लगभग 39 प्रतिशत अधिक हैं। डीआरपीडब्ल्यू का कहना है कि चोरी या ईशनिंदा के आरोपों, और साथ ही राजनीतिक जुड़ाव से जुड़े हमले, कानून के शासन और सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा करते हैं।

रिपोर्ट में एएसके के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2025 में 39 गैर-न्यायिक हत्याएं और जेल में 107 मौतें दर्ज की गईं। डीआरपीडब्ल्यू ने सिफारिश की है कि प्रत्येक मौत के कारणों, इसमें शामिल एजेंसियों की भूमिका और संबंधित मेडिकल व पोस्टमार्टम रिकॉर्ड की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। इसमें मांग की गई है कि जांच के नतीजों को सार्वजनिक किया जाए और जहां जिम्मेदारी तय हो, वहां कानूनी कार्रवाई की जाए। धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा इस रिपोर्ट का एक मुख्य विषय है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2024 से जून 2026 के बीच सांप्रदायिक हिंसा की 2,963 घटनाएं दर्ज की गईं। परिषद के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में 522 घटनाएं हुईं और 66 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा, डीआरपीडब्ल्यू के अपने रजिस्टर के अनुसार, अगस्त 2024 से अक्टूबर 2026 के बीच अल्पसंख्यक समुदायों के 146 लोगों की हिंसा या हिरासत के दौरान मौत हो गई। रिपोर्ट में ॥ऋस्स के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 2025 में बलात्कार के 828 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 474 मामलों में पीड़ित बच्चे थे। इसके अलावा, जनवरी से सितंबर 2026 के बीच बलात्कार के 657 और मामले सामने आए। ये आंकड़े बताते हैं कि बच्चों के लिए सुरक्षित घर, शिक्षण संस्थान और सामाजिक माहौल सुनिश्चित करना कितना जरूरी है। रिपोर्ट में बच्चों के लिए दुर्व्यवहार की शिकायत करने हेतु सुरक्षित माध्यम बनाने और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने की सिफारिश की गई है।

पुलिस मुख्यालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि अगस्त 2024 से सितंबर 2025 के बीच अवामी लीग से जुड़े 44,472 लोगों को गिरफ्तार किया गया। जीसीडीजी के रजिस्टर के अनुसार, अक्टूबर 2026 तक संसद के 134 पूर्व सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका था। रिपोर्ट में उन आरोपों पर भी चर्चा की गई है, जिनमें बड़ी संख्या में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामले दर्ज करना, मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत में रखना, और जमानत मिलने के बाद फिर से गिरफ्तार कर लेना शामिल है। डीआरपीडब्ल्यू का सुझाव है कि कानून लागू करने की प्रक्रिया हर व्यक्ति से जुड़े ठोस सबूतों पर आधारित होनी चाहिए। इस रिपोर्ट में पत्रकारों, शिक्षकों, वकीलों और डॉक्टरों के खिलाफ दर्ज मामलों के आरोप भी शामिल हैं। इसके साथ ही, बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए उन्हें उनकी नौकरियों या शिक्षण संस्थानों से निकाले जाने के मामले भी सामने आए हैं। यह संगठन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पेशेवर स्वतंत्रता और निष्पक्ष कानूनी कार्यवाही की सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है।

पश्चिम एशिया में फिर भड़की जंग: हूतियों ने सऊदी अरब पर ड्रोन-मिसाइलों से किया हमला, कई सैनिकों की मौत का दावा

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने सऊदी अरब के एक प्रमुख हवाई अड्डे और तेल से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए ड्रोन हमले किए हैं। इसके साथ ही यमन और दक्षिणी सऊदी अरब में भी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी ने यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को बताया कि एक ड्रोन ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया, जबकि दो अन्य ड्रोन ने शहर के पूर्व में स्थित ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के पंपिंग स्टेशन नंबर-3 पर हमला किया। उन्होंने दावा किया कि दोनों अभियानों में अपने लक्ष्य हासिल किए। एक अलग बयान में सरी ने कहा कि दो बैलिस्टिक मिसाइलों ने सऊदी अरब के दक्षिण-पश्चिमी जजान क्षेत्र के अल-तुवाल इलाके में सऊदी सैनिकों को निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि इस हमले में दर्जनों सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। इनमें सूडान के नागरिक भी शामिल हैं। सरी ने कहा कि उत्तरी यमन के अल-जौफ प्रांत के पूर्वी हिस्से और दक्षिणी लहज प्रांत के खराज तथा खोर उमैरा इलाकों में भी सऊदी अरब से जुड़े सैनिकों के ठिकानों पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए गए। उन्होंने दावा किया कि मिसाइलें सीधे अपने लक्ष्य पर लगीं और इन हमलों में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। अल-मसीरा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सरी ने यह भी दावा किया कि यमन के दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन स्थित रास अबास सैन्य अड्डे पर सऊदी हथियारों के भंडार को बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया गया।

अमेरिका से यूरोप तक इजराइल के खिलाफ नाराजगी; नेतन्याहू की नीतियों से बढ़ा वैश्विक विरोध, गाजा युद्ध से कमजोर हुई छवि

येरूसलम, एजेंसी। जायोनिज्म यानी यहूदी राष्ट्रवाद की विचारधारा इस समय अंतर्राष्ट्रीय आलोचना और इजराइल के भीतर राजनीतिक-सामाजिक मतभेदों का सामना कर रही है। गाजा युद्ध के बाद इजराइल की नीतियों के खिलाफ दुनिया के कई देशों में प्रदर्शन हुए हैं। यह विरोध अब सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व और जायोनिज्म की मौजूदा व्याख्या पर भी सवाल उठा रहा है। इजराइल के सबसे बड़े समर्थक अमेरिका में भी उसे बिना शर्त मदद देने की नीति पर असहमति बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल को समर्थन देने के मुद्दे को मुश्किल बताया। वहीं, सितंबर में 56 अमेरिकी संगठनों ने सांसदों को पत्र लिखकर इजराइल के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चिंता जताई थी। उनका कहना था कि अमेरिकी हित और इजराइल के हित हमेशा एक जैसे नहीं हैं। इजराइल के खिलाफ नाराजगी खेलों में भी दिखाई दे रही



है। आयरलैंड और इजराइल के बीच 2026-27 यूईएफए नेशंस लीग के मुकाबले सुरक्षा कारणों से तटस्थ स्थानों पर कराए गए। एक मैच के दौरान आयरलैंड के खिलाड़ियों ने इजराइल के राष्ट्रगान के समय काली पट्टियां बांधीं और हाथ मिलाने की पारंपरिक रस्म में हिस्सा नहीं लिया। इजराइल की राजनीति में नेतन्याहू के विकल्प के तौर पर गादी आइजेनकोट का नाम चर्चा में है। लेख के मुताबिक, नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत हासिल करने में सफल नहीं रहा और उनके विरोधी दलों के बीच नए राजनीतिक समीकरण बनाने की कोशिशें जारी हैं। हालांकि, सरकार गठन और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं है।

इजराइल के भीतर यहूदी समुदायों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक विभाजन भी बहस का विषय है। मिजराही यहूदी मुख्य रूप से अरब और मुस्लिम बहुल देशों से आए परिवारों से जुड़े हैं, जबकि अश्केनाजी समुदाय की जड़ें मध्य और पूर्वी यूरोप में हैं। देश के शुरुआती राजनीतिक नेतृत्व में अश्केनाजी समुदाय का प्रभाव अधिक रहा। गादी आइजेनकोट की मिजराही-मोरक्को पृष्ठभूमि को लेकर एक टीवी प्रस्तोता की कथित नस्लभेदी टिप्पणी ने इस विभाजन को फिर चर्चा में ला दिया है। इजराइल की संसद में अरब सांसदों का समर्थन भी सरकार गठन के समीकरणों को प्रभावित कर सकता है। नेतन्याहू के विरोधी दलों के सामने चुनौती है कि वे आपसी मतभेद दूर कर बहुमत जुटाएं। ऐसे में देश की राजनीति में अरब समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है।

मिसिसिपी नदी में टकराया क्रूज; टैंकर की भीषण टक्कर से पलटी नाव, 32 यात्रियों को पहुंचाया गया अस्पताल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में 129 यात्रियों को ले जा रही एक रिवर क्रूज बोट से टैंकर टकरा गया, जिससे बोट आंशिक रूप से डूब गई। इस घटना के बाद दर्जनों यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया है। न्यू ऑरलियन्स पोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 12:30 बजे मिसिसिपी नदी पर अटलांटिक डामर नाम का टैंकर अमेरिकन हेरिटेज पैडल-बोट से टकरा गया।

क्रूज बोट लगभग दो घंटे पहले ही किनारे पर रुकी थी, ताकि यात्री उससे उतर सकें। न्यू ऑरलियन्स की मेयर हेलेना मोरेनो ने शुक्रवार शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अमेरिकन हेरिटेज पर सवार सभी यात्रियों का पता लगा लिया गया है। उन्होंने बताया कि 32 यात्रियों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, लेकिन किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं। उन्होंने कहा कि अटलांटिक डामर टैंकर अनियंत्रित हो गया और क्रूज बोट से जा टकराया।

टक्कर के बाद नदी में गिरे यात्री: द एसोसिएटेड प्रेस समाचार एजेंसी के अनुसार, घटनास्थल के वीडियो में दिख रहा है कि एक बहुत बड़ा टैंकर पैडल-व्हील क्रूज बोट से टकराता है, जिसके बाद धातु और कांच टूटने की तेज आवाजें सुनाई देती हैं। लाइफ जैकेट पहने एक दर्जन



से ज्यादा लोगों को नदी से निकालकर पास के जहाजों पर पहुंचाया गया। नदी के पानी का तापमान 19 डिग्री सेल्सियस (66 डिग्री फारेनहाइट) था। वहीं, कुछ अन्य लोग बोट की रेलिंग के पास खड़े थे, जबकि बोट पानी में और ज्यादा झुकती जा रही थी।

चश्मदीद ने बताया, 15 मिनट में पलट गई बोटन्न घटना के एक चश्मदीद जेमी होल्फोर्ड ने स्थानीय टेलीविजन को बताया, यह बिल्कुल अवास्तविक था। टक्कर से लेकर बोट के पलटने तक का समय सिर्फ 15 मिनट था। पोर्ट पुलिस, दमकल विभाग, कोस्ट गार्ड और आपातकालीन चिकित्सा कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। पोर्ट की प्रशासनिक इमारत के अंदर एक ट्राइएज एरिया (घायलों की प्राथमिकता के आधार पर इलाज की जगह) बनाया गया है। नदी में जहाजों की आवाजाही रोक दी गई है। अमेरिकन क्रूज लाइन्स, जो इस बोट का संचालन करती है, ने कहा कि सभी मेहमानों और क्रू सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। कंपनी ने कहा कि वह ÷इस घटना से प्रभावित सभी लोगों को लेकर बेहद चिंतित है।

2015 में बनी थी पांच डेक वाली क्रूज बोट: 2015 में बनी पांच डेक वाली अमेरिकन हेरिटेज बोट में 150 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। यह लुइसियाना और मिसिसिपी के विभिन्न स्थानों की आठ दिवसीय क्रूज यात्रा पूरी कर रही थी। मरीनट्रैफिक ट्रैकर के अनुसार, 160 मीटर (520 फीट) लंबा यह टैंकर मार्शल आइलैंड्स का झंडा लगाए हुए था और न्यू ऑरलियन्स जा रहा था। समुद्री मामलों की पत्रिका मरीन इनसाइट्स के अनुसार, यह जहाज मुख्य रूप से डामर (एस्फाल्ट) और बिटुमेन ढोने का काम करता है। टक्कर किस वजह से हुई और क्या टैंकर पर कोई माल लदा हुआ था, यह अभी पता नहीं चल पाया है।

ट्रंप की चीन यात्रा में परमाणु हथियारों पर मंथन

जिनपिंग-पुतिन के साथ करेंगे चर्चा, समझौते की उम्मीद कम

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले हफ्ते प्रस्तावित एशिया यात्रा के दौरान चीनी और रूसी समकक्षों के साथ परमाणु हथियारों में कटौती पर चर्चा करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों को इस त्रिपक्षीय बैठक से किसी समझौते के निकलने की उम्मीद नहीं है। व्हाइट हाउस की सहायक प्रेस सचिव ओलिविया वेल्स ने फिलीपींस और चीन की प्रस्तावित यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि चीन की यात्रा के समापन पर यह बैठक होगी। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि इस बातचीत का मकसद तुरंत कोई समझौता करना नहीं है, बल्कि यह परमाणु हथियारों के जखीरे को कम करने की दिशा में एक शुरुआती चर्चा है। नाम न छापने की शर्त पर अधिकारी ने कहा, हमें किसी तरह के समझौते की उम्मीद नहीं है।अधिकारी के अनुसार, ट्रंप की योजना चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में ईरान के मुद्दे पर चर्चा करने की है, लेकिन यूक्रेन के इस एजेंडे में शामिल होने की संभावना नहीं है। यूक्रेन को लेकर रूस के साथ बातचीत



अलग से चल रही है। अधिकारी ने आगे बताया कि ट्रंप और पुतिन के बीच कोई द्विपक्षीय बैठक तय नहीं है, हालांकि वे अन्य कार्यक्रमों में एक साथ मौजूद रहेंगे। परमाणु हथियारों पर यह चर्चा ट्रंप के उस दौरे का हिस्सा है, जिसमें क्षेत्रीय कूटनीति के साथ-साथ मौजूदा व्यापार समझौतों को लागू करने के प्रयास भी शामिल हैं। वेल्स ने बताया कि ट्रंप सोमवार सुबह वाशिंगटन से रवाना होंगे और स्थानीय समयानुसार मंगलवार शाम मनीला पहुंचेंगे। फिलीपींस में, उनके क्वाड नेताओं से मिलने, थाईलैंड के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने और यूएस-आसियान विशेष शिखर सम्मेलन में भाग लेने का कार्यक्रम है। बुधवार के लिए एक राजकीय स्वागत समारोह, फिलीपींस के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय बैठक और एक भोज (बैंक्वेट) की योजना है। इसके बाद ट्रम्प एपेक नेताओं के रात्रिभोज के लिए शेन्जेन जाएंगे। वेल्स ने बताया कि गुरुवार को एपेक नेताओं के साथ बैठकें होंगी, और शी जिनपिंग के साथ एक द्विपक्षीय बैठक तथा वर्किंग लंच का कार्यक्रम तय है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि व्यापार के मोर्चे पर, चीन के साथ चर्चा का मुख्य जोर नए टैरिफ समझौते की घोषणा करने के बजाय मौजूदा समझौतों को लागू करने पर होगा। ट्रेजरी विभाग के अधिकारियों ने उसी दिन बोर्ड ऑफ ट्रेड के माध्यम से अपने चीनी समकक्षों के साथ मुलाकात की थी।

बॉर्डर बंद कर पाकिस्तान ने खुद को ही पहुंचाया नुकसान? अफगानिस्तान ने तलाश किए व्यापार के रास्ते

इस्लामाबाद एजेंसी। दशकों तक, पाकिस्तान समुद्र तक अफगानिस्तान का मुख्य कमर्शियल गेटवे था। अफगान व्यापारी जमीन से घिरे देश में सामान लाने के लिए पाकिस्तानी सड़कों और बंदरगाहों का इस्तेमाल करते थे, जबकि पाकिस्तानी एक्सपोर्टर अफगानिस्तान को खाना, दवाइयां, कंस्ट्रक्शन का सामान, मशीनरी और कंज्यूमर सामान सप्लाई करते थे। बॉर्डर के दोनों तरफ हजारों व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, कस्टम एजेंट और दूसरे बिजनेस इसी ट्रेड के आस-पास अपनी रोज़ी-रोटी चलाते थे। लेकिन यह रिश्ता तेज़ी से बदल रहा है क्योंकि राजनीतिक तनाव, सुरक्षा की चिंताएँ और बार-बार बॉर्डर बंद होने से अफगान व्यापारी ईरान और सेंट्रल एशिया के रास्ते दूसरे रास्तों की ओर जा रहे हैं।

यह बदलाव पाकिस्तान के लिए मायने रखता है क्योंकि अफगानिस्तान उन कुछ पड़ोसी बाज़ारों में से एक था जहां पाकिस्तानी



एक्सपोर्ट लगातार इम्पोर्ट से ज़्यादा था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के डेटा के आधार पर, पाकिस्तान ने 2020-21 में अफगानिस्तान को 1.02 बिलियन का सामान एक्सपोर्ट किया, जबकि 577.5 मिलियन का इम्पोर्ट किया, जिससे उसे लगभग 441 मिलियन का ट्रेड सरप्लस मिला। 2021-22 में सरप्लस घटकर 66 मिलियन और 2022-23 में 61 मिलियन रह गया, फिर 2023-24 में बढ़कर 526 मिलियन हो गया, क्योंकि पाकिस्तानी एक्सपोर्ट 538.6 मिलियन के इंपोर्ट के मुकाबले 1.06 बिलियन तक पहुंच गया। ऑफिशियल आंकड़े 2024-25 में एक और खास डेवलपमेंट दिखाते हैं। अफगानिस्तान को पाकिस्तानी एक्सपोर्ट बढ़कर लगभग 1.34 बिलियन हो गया, जबकि रिकॉर्डेड इंपोर्ट घटकर सिर्फ़ 37.9 मिलियन रह गया, जिससे 1.3 बिलियन से ज़्यादा का रिपोर्टेड सरप्लस हुआ। हालांकि, इंपोर्ट में इस बहुत बड़ी गिरावट को ध्यान से देखना चाहिए क्योंकि कस्टम क्लासिफिकेशन, वैल्यूएशन के तरीकों, इनफॉर्मल ट्रेड और रिपोर्टिंग के लिए इस्तेमाल किए गए समय में अंतर के कारण पाकिस्तानी और अफगान ट्रेड के आंकड़े अलग-अलग हो सकते हैं। ये आंकड़े पाकिस्तान की मज़बूत एक्सपोर्ट स्थिति दिखाते हैं, लेकिन इस ट्रेड से होने वाले असल आर्थिक फायदे या प्रॉफिट को कैलकुलेट करने के लिए सिर्फ़ इनका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

अरबों डॉलर के कारोबार से मजबूत थे दोनों देशों के रिश्ते

अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का एक्सपोर्ट रिश्ता काफी हद तक प्रोडक्ट्स की एक बड़ी रेंज के आस-पास बना था। पाकिस्तानी बिजनेस से सप्लाई होने वाले सामान में चावल, फल और सब्ज़ियां, दवाइयां, खाने का सामान, सीमेंट, प्लास्टिक, मोटरसाइकिल, ट्रैक्टर, चीनी और रबर के प्रोडक्ट शामिल थे। इस बीच, अफ़गान व्यापारियों ने पाकिस्तान को अंगूर, सेब, प्याज, टमाटर, सूखे मेवे और दाल जैसे खेती के प्रोडक्ट के साथ-साथ कोयला, कपास और लेड जैसी चीज़ें भी सप्लाई कीं। इसलिए इस रिश्ते ने पाकिस्तानी बनाने वालों और किसानों को अफगान ग्राहकों से जोड़ा, साथ ही अफगान बनाने वालों को उनके सबसे करीबी बड़े बाजारों में से एक तक पहुंच दी। यह कमर्शियल रिश्ता राजनीतिक और सुरक्षा तनावों से तेज़ी से प्रभावित हुआ है। सबसे बड़ी रुकावट अक्टूबर 2025 में आई, जब पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान ने सुरक्षा तनाव बढ़ने के बाद बड़े क्रॉसिंग पॉइंट बंद कर दिए। पाकिस्तान की सरकार ने बताया कि तोरखम और चमन में सैकड़ों गाड़ियां फंसी हुई थीं, जिनमें बॉर्डर पार करने का इंतजार कर रहे ट्रांजिट कार्गो भी शामिल थे। तोरखम में, लगभग 255 एक्सपोर्ट गाड़ियां टर्मिनल के अंदर थीं और दूसरी 200 गाड़ियां कथित तौर पर जमरूद-लांडी कोटल रोड पर फँसी हुई थीं, जबकि चमन में कस्टम क्लियरेंस रोक दिया गया था।

न्यूजीलैंड टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज बरार को मौका

- कुलदीप बाहर, पंत भी टीम से जुड़े, 19 नवंबर से पहला टेस्ट

नईदिल्ली(एजेंसी)। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वहीं, स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। वे अब भारत में घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। बीसीसीआई ने शनिवार को टीम में बदलाव की जानकारी दी। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी वेलिंगटन में टीम से जुड़ गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगा। शुभमन गिल टीम की कप्तानी करेंगे,



जबकि केएल राहुल उपकप्तान होंगे।

गुरनूर बरार न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 3 मैचों में 9 विकेट लिए हैं।

गुरनूर इस साल वनडे में भारत के टॉप विकेटटेकर

गुरनूर इस साल वनडे में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2026 में अब तक 13 मैचों में 23 विकेट लिए हैं। उनका इंटरनेशनल डेब्यू इसी साल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में हुआ था। गुरनूर ने अभी तक टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू नहीं किया है।

गुरनूर पांचवां वनडे नहीं खेलेंगे- गुरनूर अब टेस्ट टीम के साथ जुड़ेंगे। इस वजह से वे न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वां वनडे नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह वनडे टीम में किसी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है।

तेलंगाना की अंडर-19 क्रिकेटर ने किया सुसाइड

रिश्तेदार के घर लगाई फांसी, मां का दो युवकों पर परेशान करने का आरोप

नईदिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में चुनी गई 17 साल की क्रिकेटर नंदिनी ने सुसाइड कर लिया है। वे यहां अपनी नानी के घर रहकर पढ़ाई और क्रिकेट की तैयारी कर रही थीं। इस घटना के विरोध में उनके रिश्तेदारों ने प्रदर्शन किया।



घटना शुक्रवार की है। परिजन का आरोप है कि इलाके में रहने वाला युवक अनिल प्यार के नाम पर नंदिनी का पीछा करता था। अनिल का दोस्त कृष्णा उसका साथ देता था।

हाल ही में बीसीसीआई अंडर-19 टीम में सिलेक्शन हुआ था

नंदिनी मूल रूप से विकाराबाद जिले के यलाल मंडल के संगयापल्ली गांव की रहने वाली थीं। हाल ही में उनका सिलेक्शन बीसीसीआई अंडर-19 टीम में हुआ था। नंदिनी की मौत के बाद परिजन ने सड़क पर प्रदर्शन किया। उन्होंने दोनों युवकों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद नंदिनी का शव परिवार को सौंप दिया गया।

वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास



- टी20 क्रिकेट के सबसे युवा कप्तान बने; बनाया विश्व रिकॉर्ड
- 15 साल 232 दिन की उम्र में बिहार की कमान

इंदौर (एजेंसी)। भारत के घरेलू टी-20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नया सीजन आज से शुरू हो गया। शनिवार को 19 मैच हो रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे युवा कप्तान होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।वहीं, भारतीय टीम से बाहर चल रहे पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ 15 बॉल पर हाफ सेंचुरी जमा दी है।

बिहार-सौराष्ट्र मैच में बना सूर्यवंशी का रिकॉर्ड- इंदौर के होल्कर स्टेडियम में बिहार और सौराष्ट्र के बीच मैच खेला गया। वैभव 15 साल और 232 दिन की उम्र में बिहार की कप्तानी कर रहे हैं। इसके साथ ही वे इस फॉर्मेट में अब तक के सबसे युवा कप्तान बन गए।

इससे पहले यह रिकॉर्ड क्रोएशिया के जैक वुकुसिक के नाम था। उन्होंने 7 अगस्त 2025 को साइप्रस के खिलाफ 17 साल और 311 दिन की उम्र में अपनी टीम की कप्तानी की थी।

सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हराया- सौराष्ट्र ने बिहार को 5 विकेट से हरा दिया। बिहार की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 137 रन ही



बना सकी। सूर्यवंशी ने 12 गेंदों पर 18 रन बनाए। सौराष्ट्र ने 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हराया- चंडीगढ़ ने बड़ौदा को 3 विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ौदा ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 148 रन बनाए। कप्तान क्रुणाल पंड्या 40 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि शिवालिक शर्मा ने 45 रन की पारी खेली।चंडीगढ़ की ओर से भगमेंदर लाथर ने 2 विकेट लिए। संदीप शर्मा, चिरागवीर धिंडसा और शिवम भांबरी को 1-1 विकेट मिला।

38 टीमें खेलेंगी घरेलू टी-20 टूर्नामेंट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी शुरू हो गई है। इसमें 38 टीमें हिस्सा ले रही है। 32 टीमें एलीट और 6 टीमें प्लेट डिवीजन में खेलेंगी। टूर्नामेंट का फाइनल 6 दिसंबर को होगा।इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी बिहार की कप्तानी करेंगे। सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी खेलेंगे। पिछली बार की चैंपियन झारखंड खिताब बचाने उतरेगी।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।सूर्यकुमार यादव मुंबई के कप्तान बनाए गए हैं।

- **38 टीमें दो डिवीजन में खेलेंगी-** सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी भारत का घरेलू टी-20 टूर्नामेंट है। इसे बृष्टष्ट्ठ आयोजित करता है। इसमें रणजी ट्रॉफी खेलने वाली टीमें हिस्सा लेती हैं। इस बार 38 टीमों को दो डिवीजन में बांटा गया है।एलीट डिवीजन में 32 टीमें होंगी। इन्हें चार ग्रुप में रखा गया है और हर ग्रुप में 8 टीमें होंगी। हर टीम अपने ग्रुप की बाकी 7 टीमों से खेलेगी। चारों ग्रुप की टॉप 2-2 टीमें सुपर लीग में पहुंचेंगी।सुपर लीग में 8 टीमों को चार-चार के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर टीम 3 मैच खेलेगी। दोनों ग्रुप की टॉप टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव की धमाकेदार वापसी

21 गेंदों में ठोके दिये 60 रन



मुंबई (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 में मुंबई की कप्तानी करते हुए सूर्या ने हैदराबाद के खिलाफ महज 21 गेंदों में नाबाद 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी और मुशीर खान के अर्धशतक की बदौलत मुंबई ने 173 रनों का लक्ष्य महज 13.1 ओवर में हासिल कर लिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम किया।

6 महीने बाद टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार की वापसी

भारतीय टी20 टीम के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने करीब छह महीने बाद प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपने पुराने अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026 के पहले मुकाबले में मुंबई की कप्तानी की। हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्या ने मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट लगाए। उनकी पारी ने मुंबई की जीत को बेहद आसान बना दिया।

सिर्फ 15 गेंदों में जड़ दी फिफ्टी

सूर्यकुमार यादव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हैदराबाद के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया। उन्होंने महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो उनके टी20 करियर की 66वीं फिफ्टी रही। सूर्या ने 21 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। उनकी इस पारी ने मुकाबले का रुख पूरी तरह मुंबई के पक्ष में कर दिया।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन

अल्वी फरहान को 3 गेम में हराया; सीजन के दूसरे खिताब से एक जीत दूर

कुमामोटो (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को कुमामोटो प्रीफेक्चुरल जिम्नेजियम में खेले गए सेमीफाइनल में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। तीन गेम तक चले इस मुकाबले को जीतने में लक्ष्य को एक घंटा 9 मिनट का समय लगा। अब वे खिताब से एक जीत दूर हैं। फाइनल में उनका सामना कोकी वातानाबे या पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 कुनलावुत वितिदसार्न से होगा।



पहला और तीसरा गेम जीतकर फाइनल में पहुंचे- लक्ष्य ने पहले गेम में शानदार शुरुआत की और 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरे गेम में अल्वी फरहान ने वापसी करते हुए 21-15 से गेम अपने नाम किया। इसके बाद निर्णायक गेम में लक्ष्य ने आक्रामक खेल दिखाया और 21-11 से जीत हासिल कर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

हाइलो ओपन जीतकर खत्म किया था खिताब का सूखा- जापान मास्टर्स से पहले लक्ष्य ने जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने इंडोनेशिया के डिफेंडिंग चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराया था।

पांच मैचों की वनडे सीरीज का फाइनल आज

आज स्विंग लेती गेंदों के सामने भारतीय बल्लेबाजों की असली परीक्षा

माउंट मोनगानुई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में 89 रन पर सिमटने के बाद भारतीय टीम अब आखिरी मुकाबले में सम्मान बचाने और सीरीज जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। माउंट मोनगानुई में रविवार को होने वाले पांचवें और निर्णायक वनडे में भारतीय बल्लेबाजों के सामने स्विंग और सीम लेती गेंदों की बड़ी चुनौती होगी।



भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा- भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई में खेला जाएगा। भारतीय बल्लेबाज पिछले मैच में न्यूजीलैंड की स्विंग और सीम गेंदबाजी के सामने पूरी तरह नाकाम रहे थे। मैट हेनरी ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट लेकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया था। ऐसे में टीम इंडिया की कोशिश आखिरी मुकाबले में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की होगी।

89 रन पर सिमटी थी टीम इंडिया, झेलनी पड़ी बड़ी हार- चौथे वनडे में 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम महज 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट हो गई थी। यह वनडे क्रिकेट में भारत की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार थी। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में 244 रन से जीत दर्ज की। इस हार के बावजूद भारतीय टीम सीरीज में 2-1 से आगे है और आखिरी मैच जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी।

रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर पर रहेंगी निगाहें- पांच मैचों की इस सीरीज में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर अब तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। चौथे वनडे में रोहित मैट हेनरी की शानदार गेंद पर चकमा खाकर स्लिप में कैच दे बैठे। वहीं श्रेयस अय्यर तेज गति से अंदर आती गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए।

पावरप्ले में न्यूजीलैंड ने मारी बाजी, भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर

चौथे वनडे में दोनों टीमों के तेज गेंदबाजों के पावरप्ले प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। न्यूजीलैंड ने छठे ओवर तक भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन कर दिया था। वहीं भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती ओवरों में न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों पर वैसा दबाव नहीं बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हो गई थीं।

न्यूजीलैंड की नजर सीरीज बराबर करने पर

चौथे वनडे में बड़ी जीत हासिल करने के बाद न्यूजीलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज टिम सीफर्ट ने अर्धशतक लगाकर अपनी फॉर्म दिखाई, जबकि विल यंग ने दो बार कैच छूटने के बाद शानदार शतक जड़ा। न्यूजीलैंड की कोशिश पांचवां वनडे जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर करने की होगी। टीम पिछले सात वर्षों से अपनी घरेलू धरती पर कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं हारी है और इस रिकॉर्ड को बरकरार रखना चाहेगी।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का पांचवां और अंतिम वनडे मुकाबला रविवार को माउंट मोनगानुई के बे ओवल मैदान पर खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच सुबह 7:30 बजे शुरू होगा। भारत सीरीज में 2-1 से आगे है और उसके पास सीरीज जीतने का मौका है, जबकि न्यूजीलैंड की नजर मुकाबला जीतकर सीरीज बराबर करने पर होगी।

वसीम अकरम ने पैट कमिंस के दावे पर उठाए सवाल, बोले-

सैंडपेपर के निशान खरोंच से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 के केपटाउन टेस्ट से जुड़ा सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। उस्मान ख्वाजा के बयान के बाद इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अब पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस दावे पर सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने से इनकार किया था। अकरम का कहना है कि एक अनुभवी गेंदबाज गेंद पर सैंडपेपर से किए गए बदलाव को तुरंत पहचान सकता है।





सैंडपेपर विवाद पर वसीम अकरम ने दी प्रतिक्रिया- पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने एक बार फिर सुर्खियों में आए सैंडपेपर विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सवाल उठाया कि 2018 के केपटाउन टेस्ट में गेंदबाजी इकाई का अहम हिस्सा रहे पैट कमिंस को गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी कैसे नहीं हो सकती थी।

दीप्ति दूसरी बार आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 मैच में 155 रन बनाए, 7 विकेट भी लिए

दुबई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को अक्टूबर के लिए बृष्टष्ट्ठ विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

29 साल की दीप्ति ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 6 इंटरनेशनल मैच में 155 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी-20 और तीन वनडे समेत सभी 6 मुकाबले जीते।

दीप्ति ने इस पुरस्कार की दौड़ में बांग्लादेश की सोभना मोस्तारी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। यह उनके करियर का दूसरा आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है। इससे पहले उन्हें दिसंबर 2023 में यह सम्मान मिला था।दीप्ति शर्मा टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला हैं।

19 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद संभाली पारी- जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज की शुरुआत रायपुर में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल से हुई। इस मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 19 रन के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे समय में दीप्ति ने तेजी से 49 रन बनाए।टी-20 सीरीज में दीप्ति ने कुल 2 विकेट भी लिए। भारत ने तीन मैचों की यह सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

- **वनडे के दूसरे मैच में शतक और 3 विकेट-** दीप्ति ने पहले वनडे में 2 विकेट लिए। इसके बाद वडोदरा में दीप्ति छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं। उन्होंने 86 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके शामिल थे।यह दीप्ति का वनडे क्रिकेट में दूसरा शतक था। उनका पहला वनडे शतक मई 2017 में आयरलैंड के खिलाफ आया था, जब उन्होंने 188 रन बनाए थे। दीप्ति ने इसी मैच में 32 रन देकर 3 विकेट भी लिए।

